RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 307
नई दिल्ली, शनिवार, 18 सितम्बर, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

चोटों से परेशान स्वप्ना ने संन्यास लेने का मन बनाया
स्पोर्ट्स-10

पीएम के जन्मदिन पर रिकॉर्ड टीकाकरण

- देश में पहली बार एक दिन में दो करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाने का बना इतिहास
- एक माह में चौथी बार है जब एक करोड़ से ज्यादा लोगों को लगा टीका
- मोदी को शुभकामना और बधाई संदेशों से पटा सोशल मीडिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

करीब आठ माह पहले शुरू हुए राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान के तहत पहली बार भारत में एक दिन में दो करोड़ से ज्यादा लोगों को कोविड-19 का टीका लगाया गया। सरकार शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर एक नया इतिहास रचना चाहती थी। दोपहर तक ही संख्या एक करोड़ के पार चली गई थी। भाजपा के नेता और मंत्री ट्वीट के जरिए अधिक से अधिक लोगों से टीकाकरण कराने का अनुरोध कर रहे थे। सोशल मीडिया समर्थकों के शुभकामनाओं और बधाई से संदेशों से पटा पड़ा था। वहीं 'पीआर स्टंट' और आंकड़ों में हेराफेरी का आरोप लगाते हुए विपक्ष ने इसका मजाक उड़ाया।

शुक्रवार को हुए टीकाकरण के आंकड़ों के साथ एक माह के भीतर यह चौथी बार है जब एक करोड़ से ज्यादा लोगों को टीका लगा है। सबसे ज्यादा टीका लगाने वाले राज्यों में बिहार सबसे आगे रहा, यहां पर एक दिन में 16.28 लाख लोगों को टीका लगा, इसके बाद कर्नाटक में 15.47 लाख, मध्य प्रदेश में13.09 लाख, उत्तर प्रदेश में 12.12 लाख और गुजरात में 11.35 लाख लोगों को वैक्सीन लगाई गई। संयोग से कुल मिलाकर अब तक सबसे ज्यादा टीका उत्तर प्रदेश में (9.18 करोड़) लगाया गया है। इसके बाद महाराष्ट्र 7.13 करोड़, मध्य प्रदेश 5.49 करोड़ और फिर राजस्थान (5.47 करोड़) का नंबर आता है। को-विन पोस्ट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार शाम पांच बजकर 10 मिनट तक देशभर में कुल 2,00,41,136 टीकों की खुराक दी जा चुकी थी। देश में अब तक कुल 78.68 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। इससे पहले, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि देश ने अब तक सबसे तेज एक करोड़ (कोविड रोधी टीके की) खुराकें देने का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस पर देश ने दोपहर 1.30 बजे तक अब तक सबसे तेज, एक करोड़ खुराकें देने का आंकड़ा पार कर लिया है और हम निरंतर आगे बढ़ रहे है। मुझे विश्वास है की आज हम सब टीकाकरण का नया कीर्तिमान बना प्रधानमंत्री जी को उपहार देंगे। देश में छह सितंबर, 31 अगस्त, 27 अगस्त को एक करोड़ से अधिक खुराकें दी गई थीं। मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा था कि जिन्होंने टीके की खुराक नहीं ली है, ऐसे अपनों को, परिजनों को और समाज के सभी तबकों को शुक्रवार को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर टीका लगवाकर, उनको जन्मदिन का उपहार दिया जाए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देश भर में अपनी इकाइयों से प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों का टीकाकरण कराने में मदद करने को कहा।

मंत्रालय के मुताबिक भारत को टीकाकरण के 10 करोड़ आंकड़े तक पहुंचने में 85 दिन लगे। इसके बाद अगले 45 दिन में 20 करोड़ तथा इसके 29 दिन बाद 30 करोड़ के आंकड़े पर देश पहुंचा था। वहीं 30 करोड़ से 40 करोड़ के आंकड़े तक पहुंचने में 24 दिन लगे और इसके 20 दिन बाद छह अगस्त को 50 करोड़ के आंकड़े पर पहुंच गए। इसके 19 दिन बाद देश ने 60 करोड़ आंकड़े का तथा इसके महज 13 दिनों बाद 60 करोड़ आंकड़े का लक्ष्य हासिल किया। मंत्रालय के मुताबिक 13 सितंबर को देश ने टीकाकरण के 75 करोड़ के (शेष पेज 9)

शांति व सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के मूल में कट्टरपंथः प्रधानमंत्री

- एससीओ की बैठक में मोदी ने अफगानिस्तान का किया जिक्र और साझा खाका विकसित करने का किया अह्वान

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि अफगानिस्तान में सत्ता परिवर्तन समावेशी नहीं हुआ है, लिहाजा नई व्यवस्था की स्वीकार्यता पर सवाल उठते हैं और इस परिस्थिति में उसे मान्यता देने के बारे में वैश्विक समुदाय को सामूहिक और सोच-विचार कर फैसला करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने साथ ही यह चेताया कि अगर अफगानिस्तान में अस्थिरता और कट्टरवाद बना रहेगा तो इससे पूरे विश्व में आतंकवादी और अतिवादी विचारधाराओं को बढ़ावा मिलेगा।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद के 21वें शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अफगानिस्तान के मुद्दे पर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए अपने डिजिटल संबोधन में कहा कि वहां की भूमि का इस्तेमाल किसी भी देश में आतंकवाद फैलाने के लिए नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के हाल के घटनाक्रम का सर्वाधिक प्रभाव भारत जैसे उसके पड़ोसी देशों पर होगा और साथ ही उन्होंने सीमापार आतंकवाद तथा आतंकवाद के वित्त पोषण पर लगाम कसने के लिए कायदे कानून बनाने की वकालत की।

ज्ञात हो कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के कुछ ही दिनों के भीतर तालिबान ने वहां कब्जा जमा लिया है। बिना तालिबान का नाम लिए प्रधानमंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान के हाल के घटनाक्रमों से मुख्य रूप से चार प्रकार की चिंताएं सामने आई हैं, जिनके बारे में विश्व समुदाय को सोचना होगा। उन्होंने कहा कि पहला मुद्दा अफगानिस्तान में सत्ता-परिवर्तन का है, जो समावेशी नहीं है और बिना वार्ता के हुआ है। उन्होंने कहा, इससे नई व्यवस्था की स्वीकार्यता पर सवाल उठते हैं। महिलाओं और अल्पसंख्यकों सहित अफगान समाज (शेष पेज 9)

जयशंकर-वांग ई की मुलाकात

नई दिल्ली/बीजिंग। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग ई से कहा कि दोनों पक्षों को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से संबंधित लंबित मुद्दों का जल्द समाधान निकालने के लिए काम करना चाहिए, जिससे सीमावर्ती क्षेत्र में अमन-चैन बहाल हो क्योंकि यह भारत-चीन संबंधों में प्रगति का एक अनिवार्य आधार रहा है। दुशान्बे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर एक बैठक में बृहस्पतिवार को दोनों विदेश मंत्रियों ने क्षेत्र में वर्तमान हालात पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वहीं चीनी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि मंत्री वांग ने उम्मीद जताई कि भारत सीमा की स्थिति को स्थिरता की ओर ले जाने के लिए आधी दूरी तय कर चीन से मुलाकात करेगा और इसे तत्काल विवाद समाधान से नियमित प्रबंधन और नियंत्रण में स्थानांतरित कर देगा। (विस्तृत पेज 11)

मोदी के खिलाफ ममता को विपक्ष का चेहरा बनाएगी तृणमूल कांग्रेस

- आगामी लोस चुनावों की तैयारी, तृणमूल ने राहुल को राष्ट्रीय नेता के तौर पर किया खारिज

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एकमात्र विपक्षी चेहरे के रूप में पेश कर दिया है। टीएमसी के मुखपत्र जागो बांग्ला के पहले पन्ने पर लिखा गया है कि मोदी के खिलाफ राहुल नहीं, बल्कि ममता बनर्ती मुख्य चेहरा हैं।

इससे उलट लगभग एक महीने पहले ममता ने कहा था कि प्रधानमंत्री पद के चेहरे पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय विपक्ष को एकजुट करने की जरूरत है। तृणमूल कार्यकर्ताओं की एक बैठक में भी वरिष्ठ नेता और सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने अपनी पार्टी की राय को सामने रखते हुए कहा कि उनके मन में सोनिया गांधी के लिए बहुत सम्मान है। तृणमूल को राहुल गांधी से भी कोई शिकायत नहीं है, लेकिन वह लोगों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। वह खुद को प्रधानमंत्री मोदी के विकल्प के रूप में खुद को पेश करने में नाकाम रहे हैं। ऐसे में मोदी के खिलाफ मुख्य विपक्षी चेहरा ममता बनर्जी ही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि उनके बयानों को राहुल गांधी विरोधी नहीं माना जाना चाहिए। हम केवल यह कहना चाहते हैं कि टीएमसी ममता बनर्जी के नेतृत्व में मोदी और भाजपा विरोधी अभियान चलाएगी। बंगाल के मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि ममता बनर्जी एकमात्र योग्य उम्मीदवार हैं, क्योंकि देश के लोगों में उनके लिए बहुत सम्मान है। वे केवल ममता दीदी को ही असली विपक्षी नेता (शेष पेज 9)

पेट्रोल, डीजल अभी जीएसटी में नहीं

- बैठक में रेस्तरां सेवा प्रदाता और यात्री परिवहन से जुड़े ई वाणिज्य मंचों पर कर लगाने का फैसला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पिछले कई दिनों से पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाए जाने की खबरों पर फिलहाल विराम लग गया है। लखनऊ में पहली बार हुई माल एवं सेवा कर परिषद की हुई बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिषद के निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में पेट्रोल और डीजल को फिलहाल जीएसटी के दायरे में नहीं लाने का निर्णय किया है।

डीजल में मिलाए जाने वाले बायोडीजल पर जीएसटी दर को 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। बैठक में बच्चों के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली जीवन रक्षक दवाईओं को भी सस्ता कर दिया है। दो दवाओं को जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है जबकि कुछ दवाओं पर जीएसटी घटा दिया गया है। बैठक में रेस्तरां सेवा प्रदाता और यात्री परिवहन से जुड़े ई-वाणिज्य मंचों पर कर लगाने का फैसला किया गया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि बैठक में ज्यादातर राज्यों ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी में लाए जाने पर असहमति प्रकट कि उनका कहना था कि कोरोना के बाद पैदा हुई स्थिति इस प्रकार के निर्णय लेने के लिए अनुकूल नहीं है। केरल हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई के बाद कहा था कि इस विषय को भी जीएसटी की बैठक में रखा जाना चाहिए। इसलिए पर इस मसले पर चर्चा तो हुई लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जो इस बैठक में विचार आए हैं उन्हीं के आधार पर रिपोर्ट केरल हाईकोर्ट को सौप दी जाएगी। दअसल इस बैठक में जैसे ही पेट्रोल.डीजल को जीएसटी में शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया तो कई राज्य इसके विरोध में खड़े हो गए।

उप्र, महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़, केरल समेत ज्यादातर राज्यों ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे से बाहर ही रखने को कहा है। ऐसे में तो यह प्रस्ताव खारिज हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के के दायरे में लाया जाता है तो पेट्रोल 28 रुपए और डीजल 25 रुपए तक सस्ता हो जाएगा। इसके विपरीत राज्यों का राजस्व बढ़ाने का बड़ा जरिया भी इसके कर से मिलने वाला धन है। इसी कारण अधिकांश राज्य पेट्रोल व डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के पक्ष में नहीं हैं। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसौदिया ने कहा कि जीएसटी की बैठक में पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने का प्रस्ताव आया वह भी केरल हाईकोर्ट के निर्देश के बाद लेकिन उस पर (शेष पेज 9)

सुरक्षा कारणों से न्यूजीलैंड पाकिस्तान दौरा हुआ रद

भाषा। रावलपिंडी

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच शुरू होने से ठीक पहले शुक्रवार को सुरक्षा को खतरे का हवाला देते हुए पाकिस्तान का अपना वर्तमान दौरा रद्द कर दिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसे एकतरफा फैसला करार देते हुए कहा कि मेहमान टीम की सुरक्षा को किसी तरह का खतरा नहीं था। यह न्यूजीलैंड का पिछले 18 वर्षों में पाकिस्तान का पहला दौरा था। इस श्रृंखला में तीन वनडे और पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने थे। कोविड-19 के कारण इस मैच को स्टेडियम की क्षमता के 25% दर्शकों के साथ खेला जाना था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख रमीज राजा ने कहा कि दौरे से हटने पर न्यूजीलैंड को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) को जवाब देना होगा। रमीज ने कहा, बेहद ही निराशाजनक दिन। मुझे प्रशंसकों और हमारे खिलाड़ियों के लिए बहुत खेद है। सुरक्षा खतरे पर एकतरफा फैसला लेकर दौरे से हटना बहुत निराशाजनक है। खासकर जब वे इस खतरे को साझा भी नहीं कर रहे है। (विस्तृत पेज 10)

सोशल मीडिया पर प्रेमजाल में फंसाकर 250 लोगों से वसूली

- आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट करने की धमकी देकर ऐंठते थे रकम दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक फोटो व छेड़छाड़ कर बनाए गए वीडियो अपलोड कर जबरन वसूली करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दिल्ली पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों शातिर अब तक 250 से ज्यादा लोगों से रंगदारी वसूल कर चुके हैं। आरोपियों की पहचान राजस्थान के भरतपुर जिले के मेवात निवासी जाहुल और मिनाज के रूप में हुई है।

रोहिणी जिले के पुलिस उपायुक्त प्रणव तायल के अनुसार, इस साल जुलाई में बेगमपुर पुलिस स्टेशन में दिल्ली के रहने वाले एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में व्यक्ति ने बताया था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक महिला ने फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजा था, जिसे उसने स्वीकार कर लिया था। बाद में दोनों ने अपने-अपने मोबाइल नंबरों का आदान-प्रदान किया और व्हाट्सऐप पर बातचीत शुरू कर दी। व्हाट्सऐप पर बातचीत के दौरान महिला ने शिकायतकर्ता को शारीरिक संबंध बनाने के लिए उकसाया। इस कृत्य को महिला द्वारा रिकॉर्ड किया गया था। इसके बाद उसने व्यक्ति को धमकी देना शुरू कर दिया। वीडियो को हटाने के लिए 15,000 रुपये देने को कहा। तायल के मुताबिक जब शिकायतकर्ता ने उक्त राशि का भुगतान किया, तो उसे एक अन्य व्यक्ति का फोन आया, जिसने दुर्गापुरी के साइबर सेल अधिकारी होने का दावा किया था।

उस व्यक्ति ने उसे यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया साइटों से अश्लील वीडियो हटाने के लिए कहा। जब शिकायत करने वाले वीडियो पोस्ट करने के लिए कथित तौर पर यू ट्यूबर से संपर्क किया, तो उसने भी शिकायतकर्ता से वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से वीडियो को हटाने के (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	59,015	↓ 125	
निफ्टी	17,585	↓ 44	
सोना	45,207	↓ 1130	/10g
चांदी	60,183	↓ 780	/kg

क्विक न्यूज

यूट्यूब से हर महीने रॉयल्टी के रूप में चार लाख मिलते हैं: गडकरी

भरूच (गुजरात)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि यूट्यूब पर डाले गए उनके व्याख्यान वीडियो की रॉयल्टी के रूप में उन्हें हर महीने चार लाख रुपए मिलते है। महामारी के दौरान यूट्यूब पर डाले गए उनके वीडियो को देखने वालों की संख्या काफी बढ़ी है। भरूच में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (डीएमई) के काम में हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने सड़क बनाने वाले ठेकेदारों और परामर्शदाताओं को रेटिंग देनी शुरू की है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि कोविड-महामारी के दौरान उन्होंने दो काम किए। उन्होने कहा कि मैं घर पर खानसामा बन गया और वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से व्याख्यान देने लगा। मैने ऑनलाइन 950 से अधिक व्याख्यान दिए।

मणिपुर के तामेंगलोंग संतरे व हाथेई मिर्च को जीआई टैग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मणिपुर के तामेंगलोंग नारंगी और मिर्च की विशेष किस्म हाथेई को ज्योग्राफीकल इंडिकेशन (जीआई) टैग दिया गया है। इसे ऐतिहासिक बताते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने ट्विटर पर कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि मणिपुर के दो उत्पादों जैसे हाथेई मिर्च और तामेंगलोंग ऑरेंज को जीआई टैग प्रदान किया गया है। यह मणिपुर के इतिहास में मील का पत्थर है। इससे किसानों की आय में अत्यधिक वृद्धि होगी।

जीआई टैग का मतलब है कि विशेष भौगोलिक स्थिति में पैदा ऐसे उत्पाद जो गुणवत्ता की दृष्टि से उत्कृष्ट होते हैं। तामेंगलोंग नारंगी को मैंडरिन समूह की प्रजाति के रूप में जाना जाता है, जो केवल तामेंगलोंग जिले में पाई जाने वाली एक अनोखी फसल है। यह राज्य के वार्षिक उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है। यह विशेष रूप से अपनी अच्छी मिठास और तीखे स्वाद के लिए प्रसिद्ध है। मणिपुर ऑर्गेनिक मिशन एजेंसी (एमओएमए) ने 2019 में तामेंगलोंग नारंगी और सिराराखोंग हाथेई मिर्च के लिए जीआई टैग के लिए आवेदन किया था।

मणिपुर के उखरूल में हाथेई मिर्च को भगवान का उपहार और क्षेत्र का गौरव माना जाता है। हाथेई मिर्च उखरूल जिले के सिराराखोंग गांव में बसे सुदूर तंगखुल नागा के आसपास महादेव की पहाड़ियों में ही पैदा होती है। पिछले एक दशक से भी अधिक समय से मणिपुर हर दिसंबर में ऑरेंज फेस्टिवल और अगस्त में सिराराखोंग हाथेई उत्सव मनाकर इन दोनों उत्पादों का प्रचार कर रहा है।

पैरालंपियन नोएडा के डीएम के रैकेट की बोली 10 करोड़

- नीरज चोपड़ा के भाले के लिए सवा करोड़ रुपये लगे, ओलंपिक कांस्य विजेता लवलीना के बॉक्सिंग ग्लव्ज की बोली 1.80 करोड़ लगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री को मिले उपहारों और स्मृतिचिह्नों की संस्कृति मंत्रालय द्वारा शुक्रवार से शुरू की गई ई-नीलामी में पैरालंपिक बैडमिंटन खिलाड़ी व नोएडा के डीएम सुहास एलवाई के रैकेट की बोली 10 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इस खास ई-नीलामी में ओलंपिक और पैरालंपिक खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं द्वारा इस्तेमाल की गई खेल के सामान लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बन गए हैं।

वहीं टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा भाले का बेस प्राइस एक करोड़ रुपये रखा गया है। नीलामी से प्राप्त धन का उपयोग गंगा स्वच्छता के लिए गंगा नमामि परियोजना के तहत किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उपहारों और स्मृति चिह्नों की ई-नीलामी में संस्कृति मंत्रालय की वेबसाइट पर अभी तक सबसे अधिक बोली, टोक्यो पैरालंपिक की बैडमिंटन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले कृष्णा नागर और रजत पदक जीतने वाले सुहास एलवाई के बैडमिंटन रैकेटों की लगी है। इनमें सुहास एलवाई के बैंडमिटन की बोली कुछ घंटे में 10 करोड़ रुपये से ऊपर की लग चुकी है। कृष्णा नागर के रैकेट की बेस प्राइज 80 लाख रुपये और सुहास एलवाई के रैकेट की बेस प्राइज 50 लाख रुपये तय की गई है। टोक्यो पैरालंपिक में रजत पदक जीतने वाले सुहास एलवाई ने अपना बैडमिंटन रैकेट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बतौर उपहार में दिया था। इसके अलावा तलवारबाज सीए भवानी देवी के तलवार की भी 10 करोड़ रुपये के करीब बोली लगी है। इसका बेस प्राइज 60 लाख रुपये है। ओलंपिक की तलवारबाजी स्पर्धा में क्वालीफाई करने वाली देवी पहली भारतीय हैं। मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन के ग्लव्ज की बोली 1.80 करोड़ रुपये लग चुकी है। लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उनके दस्तानों की बेस प्राइज 80 लाख रुपये है। टोक्यो ओलंपिक में भारत को पहला स्वर्ण दिलाने वाले नीरज चोपड़ा के भाले की सर्वाधिक बोली 1.20 करोड़ रुपये लगी है। इस भाले की बोली एक करोड़ रुपये से शुरु हुई।

टोक्यो पैरालंपिक की शूटिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले मनीष नरवाल के चश्मे की 95.94 लाख रुपये तक की बोली लग चुकी है। उन्होंने इस चश्मे को प्रधानमंत्री को भेंट किया था। ई-नीलामी में ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं की खेल सामग्रियों और उपकरणों के अलावा अयोध्या राम मंदिर, चार धाम और रूद्राक्ष सम्मेलन केंद्र की प्रतिकृतियां, मॉडल, मूर्तियां, पेंटिंग और अन्य उपहार शामिल हैं। कांच के बक्से के भीतर राम मंदिर की लकड़ी से बनी प्रतिकृति की सर्वाधिक बोली तीन लाख रुपये लगी है। रूद्राक्ष (शेष पेज 9)

मोदी के उपहारों की नीलामी

नोएडा के डीएम सुहास एल वाई पैरालंपिक में जीते रजत पदक के साथ। (फाइल फोटो)

लगातार बारिश से वायु प्रदूषण सूचकांक अच्छी श्रेणी में पहुंचा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लगातार हो रही बारिश की वजह से जिले के निवासियों को सितंबर महीने में ज्यादा स्वच्छ हवा मिली है। वायु गुणवत्ता के लिहाज से सितंबर का महीना अब तक बेहत अच्छा रहा है। गौतमबुद्ध नगर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 से कम और अच्छा से संतोषजनक श्रेणी में बना हुआ है।

नोएडा में 6 सितंबर को सिर्फ एक दिन एक्यूआई खराब श्रेणी में रहा। जबकि ग्रेटर नोएडा में 6.7 सितंबर को दो दिन वायु की गुणवत्ता खराब रही। इस महीने ग्रेटर नोएडा में चार और नोएडा में एक दिन वायु गुणवत्ता अच्छा श्रेणी में रही है।

सामान्य दिनों में नोएडा.ग्रेटर नोएडा में प्रमुख प्रदूषक पीएम 10 था। आमतौर पर यह वाहनों के उत्सर्जन और कंस्ट्रक्शन साइट से उड़ने वाली धूल के कारण होता है। यूपीपीसीबी नोएडा के क्षेत्रीय अधिकारी प्रवीण कुमार ने कहा पूरे साल में मानसून के दौरान कुछ ही महीने होते हैं, जब हवा की गुणवत्ता इतनी अच्छी रहती है। यह दिलचस्प है कि प्रदूषण के स्थानीय स्रोत को जोड़ने वाली सभी गतिविधियां हमेशा की तरह चलती रहती हैं। बावजूद उसके प्रदूषण का स्तर कम है। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं कि अन्य महीनों के दौरान भी प्रदूषण के स्तर को कैसे नियंत्रित रखा जा सकता है।

DHFL
Changing Rules Changing Lives

राष्ट्रीय कार्यालय : एचडीआईएल टावर्स, बी–विंग, छठा तल, अनंत कानेकर मार्ग, स्टेशन रोड, बान्द्रा (ईस्ट), मुंबई–400051
शाखा कार्यालय : धीरज बाग, बिल्डिंग "ए" भू तल एवं प्रथम तल, ऐक्सिस बैंक के बगल में, मोनालिसा बिल्डिंग के सामने, आगरा रोड, हरि निवास सर्किल, नौपाडा, थाने (वेस्ट)–400 602

मांग सूचना

राष्ट्रीय कार्यावित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3(1) के अधीन। अधोहस्ताक्षरी वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के अधीन दीवान हाउसिंग फाइनैंस कारपोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी है। प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अधीन मांग सूचनाएं जारी की थीं, जिनमें निम्नलिखित कर्जदार(रों) ("उक्त कर्जदार(रों)") से उनको जारी की गई संबंधित मांग सूचना(ओं) में वर्णित राशियां, जो यहां नीचे भी दी गई हैं, चुकाने की मांग की गई थी। उपरोक्त के संबंध में, एतद्द्वारा, उक्त कर्जदार(रों) को, एक बार पुनः, डीएचएफएल को यहां नीचे दी गई राशियों का भुगतान, उक्त कर्जदार(रों) द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेज/प्रलेख, यदि कोई, के साथ पठित ऋण अनुबंध के अधीन देय, नीचे वर्णित तिथि(यों) से, भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक, लागू दर पर आगे ब्याज सहित, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने हेतु सूचना दी जाती है। उक्त कर्जदार(रों) द्वारा ऋण की सम्यक वापसी के लिए प्रतिभूति के रूप में निम्नलिखित आस्तियां डीएचएफएल के पास बंधक रखी गई हैं।

कर्जदार (रों)/गारंटर (रों) का नाम	मांग सूचना तिथि और राशि एनपीए तिथि सहित	प्रत्याभूत आस्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन
(दिल्ली जनकपुरी शाखा का एलसी नंबर 00001858) मोहम्मद इस्तियाक (कर्जदार) फिरोज खान (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 14,62,484/– (रूपए चौदह लाख बासठ हजार चार सौ चौरासी मात्र) एनपीए (11–04–2021)	गली नंबर 01, फेज–2, ग्राम मीरपुर हिन्दू, परगना एवं तहसील–लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201012
(दिल्ली – सफदरजंग शाखा का एलसी नंबर 00044743) राम सरीख (कर्जदार) राहुल कन्नौजिया (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 14,20,438/– (रूपए चौदह लाख बीस हजार चार सौ अड़तीस मात्र) एनपीए (11–04–2021)	फ्लैट नंबर 19, चतुर्थ तल, पाकेट–3, ब्लॉक सी–8, सेक्टर जी–8, नरेला डीडीए फ्लैट, नई दिल्ली–110040
(दिल्ली – सफदरजंग शाखा का एलसी नंबर 00044529) छोटे लाल (कर्जदार) गीता देवी (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 14,02,943/– (रूपए चौदह लाख दो हजार नौ सौ तेतालीस मात्र) एनपीए (11–04–2021)	सम्पत्ति सं. टी–92, फ्लैट नंबर 7 यूजीएफ फ्रंट साइड कॉर्नर एलएचएस पोर्शन, खसरा नंबर 1151/3, चौधरी दयाराम अपा., वार्ड–6, मेहरौली, नई दिल्ली–110030
(कनॉट प्लेस शाखा का एलसी नंबर 0000923) सुनील लोहानी (कर्जदार) मंजू लोहानी (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 13,26,943/– (रूपए तेरह लाख छब्बीस हजार नौ सौ तेतालीस मात्र) एनपीए (11–04–2021)	231, तृतीय तल, फ्रंट साइड, छत के साथ, टी–ब्लॉक एक्सटेंशन उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
(द्वारका शाखा का एलसी नंबर 00000416) प्रवीण चंद्रन (कर्जदार) सुधा चंद्रन (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 12,95,878/– (रूपए बारह लाख पिच्यानवे हजार आठ सौ अठहत्तर मात्र) एनपीए (11–04–2021)	खसरा नंबर 55/16 तथा 54/21/1, ग्राम पालम, राज नगर–2, नई दिल्ली–110045
(दिल्ली – सफदरजंग शाखा का एलसी नंबर 00042365) संजीत कुमार (कर्जदार) सोनी देवी (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 12,57,038/– (रूपए बारह लाख सत्तावन हजार अड़तीस मात्र) एनपीए (11–04–2021)	फ्लैट नंबर 419, द्वितीय तल, ब्लॉक सी, पाकेट–11, जासोला, नई दिल्ली–110025
(रोहतक शाखा का एलसी नंबर 00001046) नारायण झा (कर्जदार) सुधा झा (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 11,85,765/– (रूपए ग्यारह लाख पिचासी हजार सात सौ पैंसठ मात्र) एनपीए (11–04–2021)	छत का अधिकार नहीं, गली नंबर 8, खसरा नंबर 58/23/2, ग्राम पालम राज नगर–2, नई दिल्ली–110077
(अहमदाबाद शाखा का एलसी नंबर 00011227) विनय कुमार राधा मोहन सिंह (कर्जदार) रंजना सिंह (सह–कर्जदार 1) शांतिलाल डाभी (सह–कर्जदार 2)	16–06–2021/रू. 11,70,359/– (रूपए ग्यारह लाख सत्तर हजार तीन सौ उनसठ मात्र) एनपीए (11–04–2021)	फ्लैट नंबर–ए/406, शालीन हाइट्स–4, निकट ओमशांतिनगर, लाम्भा – वातवा रोड, नारोल, अहमदाबाद, गुजरात– 382405
(नेताजी सुभाष प्लेस शाखा का एलसी नंबर 00001104) लेखराज (कर्जदार) आशा रानी (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 11,60,221/– (रूपए ग्यारह लाख साठ हजार दो सौ इक्कीस मात्र) एनपीए (11–04–2021)	छत के अधिकार सहित पोर्शन, ब्लॉक–ए, गली नंबर 19, खसरा नंबर 109/14, ग्राम पालम, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110045
(नई दिल्ली – वेस्ट शाखा का एलसी नंबर 00001106) रमेश चंद बोयात (कर्जदार) शशांक बोयात (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 11,16,180/– (रूपए ग्यारह लाख सोलह हजार एक सौ अस्सी मात्र) एनपीए (11–04–2021)	फ्लैट नंबर 3, प्रथम तल, टावर 15, जारा आवास, सेक्टर–104, गुरूग्राम, हरियाणा–122001
(नोएडा शाखा का एलसी नंबर 00002454) आतम प्रकाश (कर्जदार) चिराग कथूरिया (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 10,53,397/– (रूपए दस लाख तिरेपन हजार तीन सौ सत्तानवे मात्र) एनपीए (11–03–2021)	डीडीए एलआईजी फ्लैट नंबर 168 ए, भू तल, ब्लॉक क्यूयू, निकट डीडीए मार्किट, पीतमपुरा, नई दिल्ली–110034
(दिल्ली–पीतमपुरा शाखा का एलसी नंबर 00041742) तरूण कुमार (कर्जदार) माया रानी (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 10,43,143/– (रूपए दस लाख तेतालीस हजार एक सौ तेतालीस मात्र) एनपीए (11–04–2021)	प्लॉट नंबर 86, अपर ग्राउंड फ्लोर, रियर साइड, खसरा नंबर 380, गली नंबर 2, ग्राम–बिंदापुर, सुभाष पार्क एक्सटेंशन, ब्लॉक–बी, नई दिल्ली–110059
(दिल्ली राजौरी गार्डन शाखा का एलसी नंबर 00001258) उमा कांत तिवारी (कर्जदार) प्रीति (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 9,97,608/– (रूपए नौ लाख सत्तानवे हजार छह सौ आठ मात्र) एनपीए (11–04–2021)	निकट बी ब्लॉक पार्क, डीएलएफ अंकुर विहार, लोनी, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश–201301
(भुवनेश्वर शाखा का एलसी नंबर 00001167) बिस्वजीत राउत (कर्जदार) प्रदीप्त कुमार नायक (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 9,94,637/– (रूपए नौ लाख चौरानवे हजार छह सौ सैंतीस मात्र) एनपीए (11–04–2021)	फ्लैट नंबर 210, द्वितीय तल, ब्लॉक ए, तुलसी गार्डन, मंगूली एमजैड–बड़ाकेशरपुर, प्लॉट नंबर 69, 69/373, 69/374, 67, 68, कटक उड़ीसा–753001
(गुरूग्राम – सोहना रोड शाखा का एलसी नंबर 00042774) आशुतोष कुमार (कर्जदार) खुशबू सिंह (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 9,38,309/– (रूपए नौ लाख अड़तीस हजार तीन सौ नौ मात्र) एनपीए (11–04–2021)	यूनिट नंबर 1208, टावर नंबर 4, पिरामिड अर्बन होम्स, सेक्टर–70 ए, सोहना गुरूग्राम, हरियाणा– 122001
(कनॉट प्लेस शाखा का एलसी नंबर 00000801) प्रेम कुमार (कर्जदार) कंचन (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 9,12,465/– (रूपए नौ लाख बारह हजार चार सौ पैंसठ मात्र) एनपीए (09–01–2021)	सम्पत्ति एमसीडी नंबर 34–सी, यूनिट नंबर 1, अपर ग्राउंड फ्लोर, खसरा नंबर 491/421, अर्जुन नगर, ग्राम हुमायूंपुर, नई दिल्ली–110029
(गुरूग्राम शाखा का एलसी नंबर 00000199) राजेश कुमार (कर्जदार) डिम्पल डी (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 8,92,784/– (रूपए आठ लाख बानवे हजार सात सौ चौरासी मात्र) एनपीए (11–04–2021)	फ्लैट नंबर 25, द्वितीय तल, डीडीए जनता फ्लैट, पाकेट–6, सनराइज अपा. नासिरपुर, द्वारका, नई दिल्ली–110075
(नोएडा शाखा का एलसी नंबर 00001699) रवीन्द्र (कर्जदार) कृष्ण चौधरी (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 8,52,304/– (रूपए आठ लाख बावन हजार तीन सौ चार मात्र) एनपीए (11–04–2021)	मकान नंबर ए–41, भू तल, ब्लॉक ए, पाकेट–11, जासोला, नई दिल्ली–110001
(गाजियाबाद शाखा का एलसी नंबर 00000776) माया (कर्जदार) बलबीर (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 7,95,723/– (रूपए सात लाख पिच्यानवे हजार सात सौ तेईस मात्र) एनपीए (11–04–2021)	प्लॉट नंबर सी–1/37, ब्लॉक सी–1, भू तल, फ्रंट साइड फ्लैट (जी–1), डीएलएफ अंकुर विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201202
(हरिद्वार शाखा का एलसी नंबर 00000932) कुलदीप सिंह भंडारी (कर्जदार) विनोद सिंह भंडारी (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 7,38,410/– (रूपए सात लाख अड़तीस हजार चार सौ दस मात्र) एनपीए (11–04–2021)	ग्राम सुमन नगर, परगना रूड़की, हरिद्वार, उत्तरांचल –249402
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर 00000969) राजेश कुमार (कर्जदार) डिम्पल (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 6,61,147/– (रूपए छह लाख इकसठ हजार एक सौ सैंतालीस मात्र) एनपीए (11–04–2021)	फ्लैट नंबर 25, द्वितीय तल, डीडीए जनता फ्लैट, पाकेट–6, नासिरपुर, द्वारका, नई दिल्ली–110075
(फरीदाबाद शाखा का एलसी नंबर 00000594) सचिन बजाज (कर्जदार) अंकुर बजाज (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 5,33,181/– (रूपए पांच लाख तेतीस हजार एक सौ इक्यासी मात्र) एनपीए (11–03–2021)	फ्लैट नंबर 902, 9वां तल, टावर ए–2, टाइप बी, एसआरएस पाम होम्स, सेक्टर–7, पलवल, फरीदाबाद, हरियाणा–121002
(गुरूग्राम – सोहना रोड शाखा का एलसी नंबर 00044454) मोहित तनेजा (कर्जदार) उमा तनेजा (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 4,84,271/– (रूपए चार लाख चौरासी हजार दो सौ इकहत्तर मात्र) एनपीए (11–04–2021)	प्लॉट नंबर 11, प्रथम तल (एल.एच.एस.) खसरा नंबर 80/5, रूप विहार, ओम विहार फेज–5, ग्राम हस्तसाल, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर 00001582) जसप्रीत सिंह (कर्जदार) मनप्रीत सिंह (सह–कर्जदार 1) जसवंत कौर (सह–कर्जदार 2)	16–06–2021/रू. 4,46,360/– (रूपए चार लाख छियालीस हजार तीन सौ साठ मात्र) एनपीए (11–04–2021)	प्लॉट नंबर आर–142, द्वितीय तल, पश्चिमी हिस्सा, खसरा नंबर 75, 76, 85 से 89, 92 से 97, 106, 120 ब्लॉक आर, ग्राम बिंदापुर, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
(गुरूग्राम शाखा का एलसी नंबर 00000723) पुनीत गोस्वामी (कर्जदार) रमेश गिरि (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 1,00,752/– (रूपए एक लाख सात सौ बावन मात्र) एनपीए (11–04–2021)	सम्पत्ति सं. बी–110, सी–3, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201001
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर 00002007) सुरेन्द्र कुमार शर्मा (कर्जदार) गौरव शर्मा (सह–कर्जदार 1) मीना शर्मा (सह–कर्जदार 2)	16–06–2021/रू. 17,32,456/– (रूपए सत्रह लाख बत्तीस हजार चार सौ छप्पन मात्र) एनपीए (11–04–2021)	प्लॉट नंबर ए–61, भू तल, नया नंबर सी–13, खसरा नंबर 828/2, ग्राम मंडावली फजल, गली नंबर 6, वेस्ट विनोद नगर, नई दिल्ली–110092
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर 00001234) सुनील शर्मा (कर्जदार) गौरव कुमार (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 16,46,295/– (रूपए सोलह लाख छियालीस हजार दो सौ पिच्यानवे मात्र) एनपीए (11–04–2021)	फ्लैट नंबर एल–605, छठा तल, ब्लॉक एल, आरोग्यम, ग्राम बढेडी राजपूताना, तहसील रूड़की, हरिद्वार, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश–247663
(दिल्ली – सफदरजंग शाखा का एलसी नंबर 00043583) वंदना (कर्जदार) जीवन सिंह (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 15,55,774/– (रूपए पंद्रह लाख पचपन हजार सात सौ चौहत्तर मात्र) एनपीए (11–04–2021)	पी. नंबर आरजैडए–10, तृतीय तल, रियर साइड (छत सहित), खसरा नंबर 16/6/2, ग्राम असालतपुर, महिन्द्रा पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
(नोएडा शाखा का एलसी नंबर 00002046) ताहिर नूर (कर्जदार) साबिस्ता (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 13,73,312/– (रूपए तेरह लाख तिहत्तर हजार तीन सौ बारह मात्र) एनपीए (11–04–2021)	सम्पत्ति एस–221/169, एफएफ छत के बगैर, ब्लॉक एस, गली नंबर 4, खसरा नंबर 20/5, ग्राम ख्याला, विष्णु गार्डन, नई दिल्ली–110018
(नोएडा सेक्टर–2 शाखा का एलसी नंबर 00042766) नीरज वर्मा (कर्जदार) अल्का वर्मा (सह–कर्जदार 1) सुभाष चंद गुप्ता (सह–कर्जदार 2)	16–06–2021/रू. 9,60,554/– (रूपए नौ लाख साठ हजार पांच सौ चौवन मात्र) एनपीए (11–04–2021)	1/5405, द्वितीय तल, छत नहीं, प्लॉट नंबर 30, खसरा नंबर 156, 158 एवं 159, गली नंबर 14–ए, बलबीर नगर एक्सटेंशन, शाहदरा, नई दिल्ली– 110032
(बहादुरगढ़ शाखा का एलसी नंबर 00000482) सोहन सिंह (कर्जदार) पुष्पिन्दरा कौर (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 5,60,953/– (रूपए पांच लाख साठ हजार नौ सौ तिरेपन मात्र) एनपीए (11–04–2021)	डब्ल्यूजैड 9/1, द्वितीय तल, छत का अधिकार नहीं, खसरा नंर 23/5, ग्राम केशोपुर, भूपिंदर नगर, नई दिल्ली–110001
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर 00001306) सरस्वती देवी (कर्जदार) शशांक (सह–कर्जदार 1)	16–06–2021/रू. 5,28,592/– (रूपए पांच लाख अठ्ठाईस हजार पांच सौ बानवे मात्र) एनपीए (11–04–2021)	1/9969 ए, प्रथम तल, गली नंबर 3 सी, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, नई दिल्ली–110032
(नई दिल्ली शाखा का एलसी नंबर 00003398) अजय विक्रम सिंह (कर्जदार) अनीता देवी (सह–कर्जदार 1) कृष्णा देवी (सह–कर्जदार 2)	28–06–2021/रू. 11,01,592/– (रूपए ग्यारह लाख एक हजार पांच सौ बानवे मात्र) एनपीए (12–05–2021)	प्लॉट नंबर 336, ओमैक्स ग्रीन मीडो सिटी, प्लॉट ओमैक्स सिटी–2, भिवाडी अलवर राजस्थान–301019
(नई दिल्ली शाखा का एलसी नंबर 00004112) अजय कश्यप (कर्जदार) संतोष कश्यप (सह–कर्जदार 1) आकाश कश्यप (सह–कर्जदार 2) विजय कश्यप (गारंटर 1)	28–06–2021/रू. 35,44,568/– (रूपए पैंतीस लाख चौवालीस हजार पांच सौ अड़सठ मात्र) एनपीए (12–05–2021)	सम्पत्ति सं. 9/67 (प्लॉट का भाग) शाम ब्लॉक, कैलाश नगर, निकट पीएनबी बैंक, गांधी नगर, नई दिल्ली–110031
(नई दिल्ली शाखा का एलसी नंबर 00004567) पुष्पेन्द्र सिंह (कर्जदार) नीरज (सह–कर्जदार 1)	28–06–2021/रू. 33,38,419/– (रूपए तेतीस लाख अड़तीस हजार चार सौ उन्नीस मात्र) एनपीए (12–05–2021)	प्लॉट नबर 89 का दक्षिणी भाग, जे पी कालोनी, टोंक फाटक, निकट जे पी अंडरपास, जयपुर भरतपुर, राजस्थान–321001
(नई दिल्ली शाखा का एलसी नंबर 00004994) भरत सिंह राणा (कर्जदार) प्रीति राणा (सह–कर्जदार 1)	28–06–2021/रू. 14,08,924/– (रूपए चौदह लाख आठ हजार नौ सौ चौबीस मात्र) एनपीए (12–05–2021)	फ्लैट नंबर 35, तृतीय तल, ब्लॉक सी–7, पाकेट–3, सेक्टर–जी–8, नरेला, नई दिल्ली–110040
(नई दिल्ली शाखा का एलसी नंबर 00005090) बंसी धर (कर्जदार) नीमा पंथ (सह–कर्जदार 1)	28–06–2021/रू. 9,03,801/– (रूपए नौ लाख तीन हजार आठ सौ एक मात्र) एनपीए (12–05–2021)	फ्लैट नंबर 318, भू तल, डीडीए जनता फ्लैट पाकेट–1, सेक्टर–ए–5, नरेला आवासीय स्कीम, नई दिल्ली–110040
(गाजियाबाद शाखा का एलसी नंबर 00001792) मुनीष अरोड़ा (कर्जदार) मीनाक्षी अरोड़ा (सह–कर्जदार 1)	28–06–2021/रू. 8,70,236/– (रूपए आठ लाख सत्तर हजार दो सौ छत्तीस मात्र) एनपीए (12–05–2021)	फ्लैट नंबर 184, एमआईजी फ्लैट, भू तल, ब्लॉक केजी–1, निकट केरल पब्लिक स्कूल, विकास पुरी, नई दिल्ली–110018
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर 00000365) तेजिन्दर सचदेव (कर्जदार) चारूल सचदेव (सह–कर्जदार 1)	28–06–2021/रू. 7,71,928/– (रूपए सात लाख इकहत्तर हजार नौ सौ अठ्ठाईस मात्र) एनपीए (12–05–2021)	प्लॉट नंबर बी–1/3, ब्लॉक बी–1, द्वितीय तल (फ्रंट सेंटर पोर्शन), डीएलएफ अंकुर विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201202
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर 00001091) कृष्णा तलवार (कर्जदार) ईशांत तलवार (सह–कर्जदार 1)	28–06–2021/रू. 18,33,634/– (रूपए अठारह लाख तेतीस हजार छह सौ चौंतीस मात्र) एनपीए (12–05–2021)	प्लॉट नंबर जे–118, प्रथम तल, विष्णु गार्डन, नई दिल्ली–110059
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर 00002189) सुनील गावस्कर (कर्जदार) सुभाष कुमार (सह–कर्जदार 1)	28–06–2021/रू. 20,58,913/– (रूपए बीस लाख अठ्ठावन हजार नौ सौ तेरह मात्र) एनपीए (12–05–2021)	फ्लैट नंबर एसएफ–3, प्लॉट नंबर बी–8/2, द्वितीय तल, रियर आरएचएस, डीएलएफ अंकुर विहार, ग्राम सादुल्लाबाद, परगना लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201004
(नई दिल्ली – वेस्ट शाखा का एलसी नंबर 00000723) धर्मेन्द्र कालरा (कर्जदार) कालरा स्टील ट्रेडर्स (सह–कर्जदार 1) मनोज कालरा (सह–कर्जदार 2) दौलत कुमारी कालरा (गारंटर 1)	28–06–2021/रू. 47,08,110/– (रूपए सैंतालीस लाख आठ हजार एक सौ दस मात्र) एनपीए (12–05–2021)	फ्लैट नंबर जीजी–1/180–ए, भू तल, ब्लॉक जीजी–1, डीडीए एमआईजी फ्लैट, विकास पुरी, नई दिल्ली–110018
(नई दिल्ली – वेस्ट शाखा का एलसी नंबर 00001532) अनुराधा भारद्वाज (कर्जदार) माम चंद भारद्वाज (सह–कर्जदार 1)	28–06–2021/रू. 16,04,853/– (रूपए सोलह लाख चार हजार आठ सौ तिरेपन मात्र) एनपीए (12–05–2021)	प्लॉट नंबर बी–52, टीएफ (फ्रंट साइड–मय छत) खसरा नंबर 593, केशो राम पार्क, बिंदापुर एक्सटेंशन, ग्राम बिंदापुर, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
(नोएडा शाखा का एलसी नंबर 00001814) सतीश कुमार शर्मा (कर्जदार) शशि शर्मा (सह–कर्जदार 1) जतिन कुमार शर्मा (सह–कर्जदार 2)	28–06–2021/रू. 21,04,309/– (रूपए इक्कीस लाख चार हजार तीन सौ नौ मात्र) एनपीए (12–05–2021)	प्लॉट नंबर 159 ए, द्वितीय तल, खसरा नंबर 11/27 का भाग, गोपाल पार्क, खुरेजी खास, शाहदरा, नई दिल्ली–110051

यदि उक्त कर्जदार डीएचएफएल को उपरोक्तानुसार भुगतान करने में विफल रहेंगे, डीएचएफएल अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के अधीन उपरोक्त प्रतिभूत आस्तियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रारंभ करेगी, जिसकी लागत और परिणामों की जोखिम के लिए उक्त कर्जदार पूर्णरूपेण जिम्मेदार होंगे। उपरोक्त आस्तियों का अंतरण डीएचएफएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना बिक्री, पट्टा या अन्य प्रकार से करने के संबंध में उक्त कर्जदारों पर अधिनियम के तहत रोक लगी है। कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अधिनियम अथवा उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है अथवा उस हेतु अभिप्रेरित करता है, अधिनियम के अधीन दी गई व्यवस्था के अनुसार कारावास तथा/अथवा आर्थिक दण्ड का भागी होगा।

तिथि : 18–09–2021
स्थान : दिल्ली

हस्ता./–
(प्राधिकृत अधिकारी)
दीवान हाउसिंग फाइनैंस कार्पोरेशन लिमिटेड

एयरपोर्ट के पास बनेगी इलेक्ट्रॉनिक सिटी सभी मोबाइल कंपनियां लगाएंगी प्लांट

● करीब 50 हजार करोड़ रुपए का निवेश आने की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

प्रदेश के एमएसएमई, निर्यात और निवेश मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने यमुना प्राधिकरण के अफसरों और इंडियन सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक एसोसिएशन आईसीईए के साथ बैठक की।

बैठक में एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के लिए पार्क विकसित करने का सुझाव दिया। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक एसोसिएशन कंपनियों के लिए पार्क विकसित किया जाएगा।

इस पार्क को सेक्टर-24, या फिर सेक्टर-10 में विकसित किया जाएगा। इस पार्क के विकसित होने से प्राधिकरण क्षेत्र में न केवल निवेश आएगा बल्कि लोगों को रोजगार भी मिल सकेगा। प्रतिनिधियों ने बताया कि इस पार्क के लिए तमाम सारी कंपनियां आने के लिए तैयार हैं। इससे निवेश बढ़ेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

इस पर सिद्धार्थ नाथ सिंह ने यमुना प्राधिकरण के अफसरों से चर्चा की और कहा कि इसके लिए जमीन की उपलब्धता कराई जाए। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि इस पार्क के लिए सेक्टर-24ए या सेक्टर-10 में जमीन मिल सकती है। उन्होंने इसका प्रस्ताव मंत्री के समक्ष रखा और इस पर जल्द निर्णय लेने की बात कही गई है। बैठक में कई और मुद्दों पर भी चर्चा की गई। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में आने वाले निवेश और कंपनियों के बारे में भी कैबिनेट मंत्री ने जानकारी ली। यमुना सिटी में काफी मोबाइल कंपनियों ने काम शुरू कर दिया है।

जेवर एयरपोर्ट के पास यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे बनने वाली इलेक्ट्रॉनिक सिटी से करीब 50 हजार करोड़ रुपए का निवेश आने की संभावना है। यह इलेक्ट्रॉनिक सिटी 250 एकड़ क्षेत्रफल में बसाई जाएगी। यहां मोबाइल टीवी और तमाम दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां आएंगी। इससे स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिलेंगे।

अपहरण का नाटक कर प्रेमी संग फरार हुई छात्रा गोंडा जिले से बरामद

नोएडा। कोतवाली बादलपुर क्षेत्र के सादोपुर गांव में रहने वाली एक छात्रा के परिजनों ने जीटी रोड 91 पर जाम लगा कर हंगामा किया था। इस दौरान परिजनों ने आरोप लगाया था कि गुरुवार सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान कार सवार बदमाशों ने उनकी बेटी का अपहरण कर लिया है।

पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने लापता छात्रा को उसके प्रेमी के साथ यूपी के जनपद गोंडा से बरामद कर लिया है। पुलिस ने बताया कि छात्रा अपनी मर्जी से एक दिन पहले ही प्रेमी के साथ घर से चली गई थी। परिजनों ने पुलिस को झूठी कहानी बता कर छात्रा के अपहरण की जानकारी दी थी। जानकारी के मुताबिक छात्रा नीट की तैयारी कर रही है। परिजनों ने दावा किया था बदमाशों ने उसका अपहरण कर लिया।

फर्जी दस्तावेजों से लोन दिलाने वाले 2 गिरफ्तार

● आरोपियों से 5 कार समेत 6 वाहन बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोतवाली दादरी पुलिस ने गुरुवार को फर्जी कागजात तैयार करके लोन करवाकर कार खरीदने वाले गिरोह के 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 3 अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पांच कार समेत 6 वाहन बरामद किये गये हैं। जानकारी के मुताबिक कोतवाली दादरी पुलिस ने ग्रेटर नोएडा की ओर से आ रही कार को रूपवास गोलचक्कर पर रूकने का इशारा किया। इस पर कार चालक ने पुलिस को देखकर यूटर्न लेकर भागने की कोशिश की। पुलिस ने घेराबंदी करके दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनकी पहचान अमित गोस्वामी और गौरव शर्मा के रूप में हुई है जबकि कार सवार आरोपियों के तीन अन्य साथी मौके से फरार हो गये। कोतवाली दादरी प्रभारी प्रदीप त्रिपाठी ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने पे-स्लिप फर्जी आधार और पैन कार्ड समेत अन्य फर्जी कागजात तैयार कर चार पहिया गाड़ियों का निजी बैंकों से लोन करवाते थे। इस दौरान यह लोग बैंक के सर्वेयर को प्रति गाड़ी 5 से 10 हजार रुपये देकर अपने पक्ष में सर्वे वेरीफाई करवा लेते थे और मामूली डाउन पेमेंट पर गाड़ी शोरूम से

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप, गिरफ्तार

● धर्म परिवर्तन का बना रहा था दबाव, पीड़िता से हड़पे पांच लाख

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बिसरख पुलिस ने युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने युवती से पांच लाख रुपये भी हड़प लिए थे और धर्म परिवर्तन कराने का दबाव भी बनाया था।

पुलिस ने आरोपी को तिगरी टेंपो स्टैंड के पास से गिरफ्तार कर लिया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाली एक युवती नोएडा की एक निजी फैक्ट्री में बतौर मैनजर नौकरी करती है। करीब तीन साल पहले युवती की मुलाकात फैक्ट्री में नौकरी करने वाले साजिद से हुई थी। आरोप है कि तीन वर्षों तक आरोपी साजिद ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान उसने पीड़िता से अलग-अलग बहाने बनाकर करीब पांच लाख रुपये हड़प लिए। जब युवती ने शादी के लिए कहा तो वह धर्म परिवर्तन कराने के लिए युवती पर दबाव बनाने लगा।

युवती ने धर्म परिवर्तन करने से इंकार कर दिया तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। इस बीच आरोपी ने एक अन्य युवती से निकाह कर लिया और आरोपी पीड़ित

जलभराव की समस्या से निजात दिलाये अधिकारी : आशा शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मेयर आशा शर्मा ने एक बैठक को संबोधित करते हुए जलकल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शहर की जनता को सीवर और जलभराव की समस्या का स्थाई हल निकालने के लिए ठोस कार्य योजना बनाएं और उस पर अमल करें।

उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि इस पर अमल नहीं किया गया संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है । शर्मा ने कहा कि हालांकि जल भराव से निजात के लिए जिस तरह से पिछले कुछ दिनों के दौरान जलकल विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने कार्य किया है वास्तव में काबिले तारीफ है क्योंकि कई कालोनियों में जनता को जलभराव जैसी समस्या से निजात मिल गयी है। इन कालोनियों में जलभराव से निजात नहीं मिल पा रही है। जल्द ही वहां के लोगों को जलभराव की समस्या का निस्तारण कर दिया जाएगा। शहर में सीवर की समस्याएं भी लगातार प्रकाश में आ रही है। इसके लिए भी ठोस कार्य योजना बनाने की जरूरत है।

भाजपा नेताओं ने मनाया पीएम मोदी का जन्मदिन

● कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह सेवा भाव से किया काम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71वां जन्मदिन को भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता पूरे देश में अलग-अलग तरह से उनका जन्मदिन मना रहे हैं। नोएडा में भी भाजपा के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सेवा अभियान की शुरुआत की। पार्टी ने सामाजिक सरोकारों और समाज सेवा के साथ पीएम के जन्मदिन को मनाया।

सांसद डॉ महेश शर्मा, पार्टी के वेस्ट यूपी के क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेनीवाल और नोएडा के विधायक पंकज सिंह समेत सभी वरिष्ठ पदाधिकारी और बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं ने सेवा समर्पण अभियान के तहत जगह.जगह सेवा कार्य किया। सबसे पहले फल वितरण का कार्यक्रम शुरू हुआ। इसके तहत सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने सरकारी अस्पताल सेक्टर-30 में मरीज़ों को वार्ड में जा कर फल वितरित किए। सेक्टर-110 के भंगेल सामुदयिक स्वास्थ्य केंद्र में नोएडा के विधायक पंकज सिंह और मनोज गुप्ता ने मरीज़ों को फल बांटे।

बाद में सांसद डॉ महेश शर्मा ने सेक्टर.115 के सोरखा में स्थित गुरुकुल वृद्धाश्रम में फल वितरण किए। यह कार्यक्रम भाजपा के ओबीसी मोर्चा और अनुसूचित जाति मोर्चा ने संयुक्त रूप से किया।

गाजियाबाद आबकारी विभाग ने वसूले 667 करोड़

● शराब तस्करों पर अभियान का असर, राजस्व के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंचा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

राकेश कुमार सिंह

गाजियाबाद का आबकारी विभाग पिछले पांच महीने के दौरान प्रदेश में राजस्व वसूली के मामले में दूसरे नंबर पर रहा है।

गाजियाबाद के आबकारी विभाग ने कुल 667 करोड़ 22 लाख का राजस्व प्राप्त किया और उत्तर प्रदेश में सभी जिलों को पछाड़ते हुए दूसरे नंबर पहुंच गया। प्रदेश का महोबा जिला अव्वल रहा। जहां पर सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य 84 .76 प्रतिशत राजस्व वसूला गया जबकि गाजियाबाद जिले में निर्धारित लक्ष्य का कुल 84.30 प्रतिशत राजस्व वसूला गया। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि गाजियाबाद में शराब माफियाओं व तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चल रहा है, जिससे शराब की तस्करी पर भी अंकुश लगा है और जिले में शराब की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है और राजस्व की प्राप्ति भी हुई है।

उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल से लेकर अगस्त 31 अगस्त तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो गाजियाबा राजस्व वसूली में लगातार बढ़ोतरी हो रही। गाजियाबाद में 667 करोड़ रुपए के राजस्व की प्राप्ति की। केवल अगस्त माह में 102.23 प्रतिशत करोड़ रुपये का राजस्व केवल अगस्त माह के दौरान शराब की बिक्री से प्राप्त हुआ ।

भौतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर– 23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कर्जदार और डीएचएफएल के बीच हुए ऋण अनुबंध के अनुसरण में मंजूर की गई आवास ऋण सुविधा के संबंध में प्रतिभूति के प्रवर्तन के संबंध में, निम्नवर्णित कर्जदारों को (बुनियादी समूह दीवान हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड द्वारा आईसीआईसीआई बैंक को समनुदेशित किए जाने पर) मांग सूचनाएं जारी की थी, जिसमें उनसे सूचना में वर्णितानुसार बकाया राशि का भुगतान, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।

कर्जदार उपरोक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है।

कर्जदार को विषेश रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा उक्त सम्पत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है तथा उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की बकाया राशि के प्रभाराधीन होगा।

क्र.	कर्जदार का नाम/ (ऋण खाता नंबर) (डीएचएफएल पुराना ऋण खाता नंबर एवं आईसीआईसीआई नया ऋण खाता नंबर)	सम्पति का विवरण/ भौतिक कब्जे की तिथि	मांग सूचना की तिथि/ मांग सूचना में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	सुबोध चौधरी/ सुनीता देवी/ खाता नंबर- 25500001227, खाता नंबर- QZPTU00005064384)	मकान नंबर– ई–1304 (पुराना नंबर डब्ल्यूजेड–480–सी), एलएचएस पहली मंजिल बिना छत, खसरा नंबर– 659 और 660, गांव बसई दारापुर, सुदर्शन पार्क दिल्ली/ सितंबर 15, 2021	दिसम्बर 11, 2019 ₹. 21,59,468/-	दिल्ली

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह–कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: सितंबर 18, 2021
स्थान: दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

संक्षिप्त समाचार

पुलिस लाइन का निरीक्षण करते एसएसपी

एसएसपी ने किया पुलिस लाइन का औचक निरीक्षण

गाजियाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गाजियाबाद पवन कुमार पुलिस लाइन का औचक निरीक्षण किया। पवन कुमार सुबह अचानक पुलिस लाइन पहुंचे तथा क्वार्टर गार्ड, राजकीय सम्पत्ति भंडार, पुलिस कैन्टीन, पुलिस चिकित्सालय, परिवहन शाखा का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने क्वार्टर गार्ड, परेड ग्राउंड , भोजनालय, पुलिस लाइन परिसर आदि में साफ सफाई, आवासीय परिसर का रखरखाव के निर्देश दिए।

आयुष्मान–2.0: कार्ड बनवाने के लिए भी किया प्रेरित

हापुड़। सिंभावली ब्लॉक के बाद शुक्रवार को धौलाना ब्लॉक में शुरू हुए नवनिर्वाचित प्रधानों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान क्षय रोग विभाग की ओर से ग्राम प्रधानों का टीबी के प्रति संवेदीकरण किया गया। इसके साथ ही आपके द्वार आयुष्मान-2.0 अभियान के दूसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीम धौलाना ब्लॉक कार्यालय स्थित कृषि भवन सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंची। ग्राम प्रधानों को टीम की ओर से आयुष्मान भारत योजना की विस्तार से जानकारी दी गई।योजना का लाभ उठाने के लिए हर लाभार्थी का आयुष्मान कार्ड होना जरूरी है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एडीओ पंचायत शिवम पांडेय, डीपीआरसी हरकीरत सिंह, मास्टर ट्रेनर प्रियंका सिंह और आशुतोष शर्मा मुख्य भूमिका में रहे।

नगर निगम ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

गाजियाबाद। नगर निगम में पुरानी सब्जी मंडी बस अड्डे के पास व जीडीए कार्यालय के पीछे बस अड्डे की चारों तरफ अतिगिमण को तोड़ दिया। सिटी जोन प्रभारी सुधीर शर्मा ने बताया कि कुछ दुकानदार बीच रास्ते पर दुकान लगाकर सब्जी बेचते हैं, जिससे आने जाने वालों को बहुत परेशानी होती है। इस संबंध में पूर्व में भी कई बार कार्रवाई की जा चुकी है परंतु जुर्माना व सामान जब्त करने के बावजूद भी बीच सड़क पर कुछ लोगों द्वारा दुकानें लगाई जा रही थी। जिन्हें हटवा दिया गया। इसी प्रकार पुराने बस अड्डे के चारों तरफ कुछ मोबाइल दुकानदारों द्वारा फुटपाथ पर लोहे के तख्त व जाल आदि रखकर फुटपाथ पर कब्जा कर लिया था।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली–110002, दूरभाष: 011–40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी–9 सेक्टर–3, नोएडा–201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 18 सितंबर, 2021

शिअद के आंदोलन से दिल्ली में चौतरफा जाम

आईटीओ पर लगा लंबा जाम। फोटो रंजन डिमरी।

● कृषि कानून के खिलाफ प्रदर्शन, पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल समेत कई नेता हिरासत में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के संसद से पारित होने का एक वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने 'काला दिवस' मनाया और पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व में सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने यहां कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध मार्च निकाला।

इस मार्च के कारण दिल्ली के आईटीओ, धौलाकुआं, नई दिल्ली समेत कई इलाकों में भीषण जाम लग गया। वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यातायात पुलिस ने यात्रियों को कुछ सड़कों को बंद करने के बारे में सतर्क किया और असुविधा से बचने के लिए अन्य मार्गों के उपयोग का सुझाव दिया। पुलिस ने कहा कि यातायात जाम के संबंध में ज्यादातर कॉल नई दिल्ली, धौला कुआं, आईटीओ, विकास मार्ग, दिल्ली गेट, करोल बाग के इलाकों से आईं। दिल्ली-गुड़गांव मार्ग पर कई घंटे तक वाहन चालक फंसे रहे। इसी तरह आईटीओ पर वाहनों की लंबी कतारें थीं। राम मनोहर लोहिया अस्पताल के चौराहे पर भी जाम लगा रहा।

जाम में फंसे अधिवक्ता रोहित तोमर ने कहा कि उन्हें 12 किलोमीटर की दूरी तय करने में दो घंटे से अधिक का समय लग गया।लक्ष्मी नगर से आईटीओ तक विकास मार्ग का पूरा हिस्सा जाम रहा। इस रास्ते पर वाहन रेंगते हुए चल रहे थे।

गीता कलोनी का क्षेत्र भी इसी तरह बंपर टू बंपर जाम था। जाम से बचने के लिए यातायात पुलिस लगातार ट्वीट कर जानकारी दे रही थी। एक ट्वीट में पुलिस ने कहा कि गुरुद्वारा रकाब गंज रोड, आरएमएल अस्पताल, जीपीओ, अशोक रोड, बाबा खड़ग सिंह मार्ग पर किसान आंदोलन के कारण भीड़भाड़ की आशंका। इसलिए इन मार्गों का इस्तेमाल करने से बचें। पुलिस के मुताबिक, सरदार पटेल मार्ग से धौला कुआं मार्ग भी बंद है। विरोध मार्च गुरुद्वारा रकाबगंज से संसद भवन तक निकाला गया।

दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे शिअद अध्यक्ष बादल, पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल और पार्टी के कई अन्य नेताओं को हिरासत में लिया। शिअद अध्यक्ष ने ट्वीट किया कि विरोध मार्च न केवल किसानों के असंतोष का प्रतीक है, बल्कि इसे एक ऐतिहासिक घटना के रूप में भी याद किया जाएगा जो अत्याचार की जड़ पर प्रहार करती है।

आश्रम में अंडरपास लगभग तैयार

● माह के अंत तक शिफ्ट हो जाएंगे अंडर ग्राउंड बिजली के तार, फिर बनेगा रैंप : जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आश्रम में निर्माणाधीन अंडरपास लगभग तैयार हो चुका है। रैंप बनाने का काम चल रहा है जिसमें बिजली की तारें बाधा बन रही हैं।

इन तारों को शिफ्ट करने का काम माह के अंत तक हो जाएगा। उसके बाद रैंप पर तेजी से काम आगे बढ़ेगा। इस तरह दो माह के अंदर यह अंडरपास वाहनों के लिए तैयार हो जाएगा। इससे यहां जाम से निजात मिल जाएगी। पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि जो भी दिक्कतें आ रही हैं, उन्हें शीघ्र दूर कर लिया जाएगा। आश्रम में बन रहे अंडरपास का काम हाई-पावर बिजली की तारों की वजह से बाधित हो रहा है। सरकार यहां 16 मीटर का एक रैम्प बनवा रही है, जिसके पास से अंडरग्राउंड डाले गए बिजली के तारों को शिफ्ट करने में समस्या आ रही है। इन तारों को हटाया जा रहा है।

कोरोना से सितंबर में तीसरी मौत, 33 नए मामले आए

नई दिल्ली। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण से एक और व्यक्ति की मौत हो गई और महामारी के 33 नए मामले सामने आए। राष्ट्रीय राजधानी में लोगों के नमूनों के संक्रमित पाए जाने की दर 0.04 प्रतिशत रही। स्वास्थ्य विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस महीने संक्रमण के कारण दिल्ली में मौत का यह तीसरा मामला है। इससे पहले सात और 16 सितंबर को एक-एक मरीज की मौत हुई थी।

'निर्माण स्थल पर दो हफ्ते में धूल प्रदूषण रोकें कंपनियां'

नई दिल्ली। सर्दियों में होने वाले प्रदूषण को काबू करने के उपायों को लेकर दिल्ली सरकार अभी से हरकत में आ गई है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सभी सरकारी व निजी निर्माण एजेंसियों को धूल प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए 14 सूत्रीय दिशा निर्देश जारी किए हैं। साथ ही उन्हें सख्त चेतावनी भी दी है कि सभी आदेश का पालन दो हफ्तों के अंदर पूरा करना होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजधानी में लगेगा देश का सबसे बड़ा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट

● रोजाना 564 लाख लीटर दूषित पानी शोधित करने की क्षमता, साफ होगी यमुना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश का सबसे बड़ा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट दिल्ली में बन रहा है। करीब 110 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस एसटीपी से रोजाना 564 मिलियन लीटर (एमएलडी) दूषित पानी शोधित होगा। इसका निर्माण वर्ष 2022 के अंत तक पूरा हो जाएगा।

सरकार इस परियोजना को समय से पहले पूरा करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। इस एसटीपी के पूरा होने के बाद, यमुना में बहने वाले सीवेज का एक बड़ा हिस्सा साफ हो जाएगा। इस ट्रीटेड पानी का उपयोग भू-जल को रिचार्ज करने के लिए किया जाएगा, जबकि शेष पानी को यमुना में छोड़ा जाएगा। जल मंत्री व दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने ओखला में बन रहे इस एसटीपी का दौरा करने के बाद यह जानकारी दी।

सत्येंद्र जैन ने इस केजरीवाल सरकार देश में सबसे बड़ा सिंगल एसटीपी का निर्माण कर रही है। इस एसटीपी की क्षमता 564 एमएलडी है। इसका मतलब है यह कि निर्माण के बाद यह एसटीपी 564 एमएलडी सीवेज को यमुना में बहने से रोकेगा। साथ ही बायो केमिकल ऑक्सीजन डिमांड और टोटल सस्पेंडेड सॉलिड (टीएसएस) को 10 मिलीग्राम प्रति लीटर करेगा, जो कि शोधित (ट्रीट) किए गए पानी का मानदंड हैं।

पीएम मोदी को जन्मदिन पर खट्टर ने दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 71वें जन्मदिन पर बधाई दी और कामना की कि उनके नेतृत्व में देश नई ऊंचाइयों को छुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा पिछले सात वर्षों में जनहित में लिए गए निर्णयों ने हर किसी में विश्वास जगाया है कि देश सुरक्षित और सही हाथों में है। उन्होंने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पूरी दुनिया ने तकनीक, चिकित्सा, शिक्षा और रक्षा के क्षेत्र में देश की प्रगति देखी है। खट्टर ने ट्वीट किया कि मैं कामना करता हूं कि आपके सक्षम नेतृत्व में देश नई ऊंचाइयों को छुए और आप दीर्घायु हों तथा खुश रहें। जन्मदिन मुबारक हो मोदी जी।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के अध्यक्ष मीनेश शाह को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह।

क्यूसीआई ने शुरू किया प्रयोगशाला उत्कृष्टता पुरस्कार

नई दिल्ली। भारतीय गुणवत्ता परिषद(क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया) ने गुरुवार को प्रो.एसके जोशी की स्मृति में प्रयोगशाला उत्कृष्टता पुरस्कार शुरू किया। यह पुरस्कार देश की प्रयोगशालाओं की गुणवत्ता और प्रदर्शन में सुधार को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। क्यूसीआई के अध्यक्ष आदिल ज़ैनुलभाई ने कहा कि इस पुरस्कार का लक्ष्य भारत की सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशालाओं का पता लगाने के साथ देश की प्रयोगशालाओं के उच्चतम मानक व गुणवत्ता को दुनिया के सामने लाना है। क्यूसीआई के महासचिव डॉ. रवि पी. सिंह ने कहा कि हमारी तरफ से देश भर में प्रयोगशालाओं की गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में कई कदम उठाए हैं इसके साथ ही प्रोफेसर एसके जोशी को सम्मानित करने का हमारा छोटा सा प्रयास है। इस वर्चुअल समारोह में एनएबीएल के चैयरमैन प्रो. डॉ. आरके कोटनाल, डीएसआईआर के सचिव व सीएसआईआर के डीजी डॉ. शेखर सी. मांडे, एनपीएल के निदेशक डॉ. वेणुगोपाल अचंता, एनएबीएच के चैयरमैन डॉ. बीके राव, टाटा मेडिकल एंड डाग्योनोस्टिक के सीईओ और एमडी गिरीश कृष्णमूर्ति मौजूद थे।

पीएम का जन्मदिन किसान कल्याण दिवस के रूप में मनाया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन किसान कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया। किसान कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर त्यागी के नेतृत्व में तिमारपुर स्थित मिशनरी आफ चैरिटी में दिव्यांगो और विकलांगों में फल व भोजन वितरण किया गया। इसके बाद देश के सभी प्रदेशों से आए किसान कल्याण परिषद के पदाधिकारियों की बैठक हिमाचल भवन में हुई। बैठक में देश के किसानों की समस्याओं को उठाने और उन समस्याओं को हल करने सहित केंद्र व राज्य सरकार की ओर से किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं का प्रचार-प्रसार व किसानों को जागरूक करने सहित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए किसान कल्याण परिषद के पदाधिकारियों ने सामूहिक शपथ संकल्प लिया।

1947 के विभाजन का दर्द–बुजुर्गों की जुबानी:

पाकिस्तान से भारत आते समय ट्रेन में ही दुनिया से विदा हो गईं दादी...

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

दादी के बीमार होने पर एक महिला को थमाई सोने की गठरी तो वह लेकर हो गई फरार

पाकिस्तान से ट्रेन को भारत पहुंचने में लगे थे सात दिन

एसएस हंस।

भारत –पाकिस्तान के बंटवारे के बाद पाकिस्तान में जो दंगे हुए, उनके प्रत्यक्षदर्शियों, पीड़ितों के मुंह से सुनकर यह सोचने, समझने में देर नहीं लगती कि उन्होंने कितनी यातनाएं झेली थी। 1947 के विभाजन का दर्द: बुजुर्गों की जुबानी सुनकर पता चलता है कि उन्होंने किस तरह से विस्थापित होकर खुद को भारत में स्थापित किया।

जिला झांग तहसील मघियाना बंटवारे के समय पाकिस्तान में आ गया था। उस क्षेत्र में रहने वाले उस समय करीब 15 साल के एसएस हंस आज करीब 90 वर्ष के हो गये हैं। भारत–पाक विभाजन के समय से पूर्व की बातें करते हुए वे बताते हैं कि उनके पिता मलिक हुकम चंद हंस वकील थे। उनका अपना बड़ा घर था। घर का अतिथि कक्ष हमेशा मेहमानों से भरा रहता था। वे चार भाई–बहन थे। परिवार में उनकी दादी भी थी। उनके पिता के दो भाई और उनके गांव में खेती की जमीन की देखभाल करने के लिए गांव थरेजा में रहते थे।

एसएस हंस बताते हैं कि एक दिन अचानक उन्हें कुछ जरूरी कपड़ों के साथ घर छोड़ने के लिए कहा गया। ऐसा इसलिए कि पाकिस्तान में दंगे शुरू हो गए थे। वे सब घर से उस ट्रेन में सवार होने को चल दिए, जो पाकिस्तान से भारत जाने को तैयार थी। उनके पिता अपने भाइयों के परिवारों को लेने के लिए कुछ सेना के जवानों के साथ गांव गए थे। क्योंकि उनके दोनों भाइयों का कुछ महीने पहले निधन हो गया था।

परिवार के छह सदस्य भारत के लिए चले

एसएस हंस के मुताबिक वे छह सदस्य खुद, उनकी दादी, मां, दो छोटे भाई और बहन किसी तरह ट्रेन तक पहुंचे। उन्होंने अपने साथ बंडल (गठरी) ली, जिसमें एक किलो यानी 100 तोला से अधिक सोना था। हंस बताते हैं कि उनकी दादी की तबीयत ठीक नहीं थी। उन सबको ट्रेन की छत पर जगह मिल सकती थी, क्योंकि ट्रेन बहुत अधिक भरी हुई थी। किसी तरह से वे ट्रेन में सवार हुए और ट्रेन कुछ सेना के जवानों साथ रवाना हुई।

लोग बोले, बीमार दादी को यहीं छोड़ दो

एसएस हंस बताते हैं कि रास्ते में उनकी दादी को डायरिया हो गया। लोगों ने कहा कि उन्हें वहीं छोड़ दो। लेकिन हम अपनी प्यारी दादी को इस तरह नहीं छोड़ सकते थे। ट्रेन को भारत पहुंचने में सात दिन लगे। रास्ते में उनकी दादी की मृत्यु हो गई। पीने के लिए पानी तक नहीं मिला। श्री हंस के मुताबिक अपनी दादी को श्रद्धांजलि देने के लिए कुछ रस्में करनी थी। उन्होंने एक महिला को सोने की गठरी कुछ समय के लिए रखने को कहा। ट्रेन भारत के पहले स्टेशन अटारी पहुंची। उन्होंने सोने की गठरी वापस लेने के लिए उस महिला को खोजा, लेकिन वह नहीं मिली। पूरा सोने लेकर भाग गई। अटारी के बाद सभी पंजाब के जालंधर शहर पहुंचे। कुछ समय शिविरों में रहे। उनके पिता कुरुक्षेत्र में एक सेटलमेंट कमिश्नर के रूप में चुने गए थे। आखिर में गुरुग्राम उनका स्थायी ठिकाना बना।

केक काटकर मनाई नर्सिंग ऑफिसर बनने की खुशी

स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज का किया धन्यवाद

अपने काम को और बेहतरी से करने की कही बात

गुरुग्राम में केक काटकर नर्सिंग ऑफिसर बनने की खुशी मनाते नर्सिंग स्टाफ।

गुरुग्राम में नर्सिंग ऑफिसर्स को नेम प्लेट लगाती चीफ नर्सिंग ऑफिसर सरोज।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नर्सिंग ऑफिसर का दर्जा मिलने के बाद शुक्रवार को यहां नागरिक अस्पताल सेक्टर–10 में नर्सिंग ऑफिसर्स ने खुशी मनाई। इस अवसर पर केक काटा गया। सीनियर, जूनियर सभी स्टाफ ने एकत्रित होकर एक–दूसरे को बधाई दी। सीनियर्स स्टाफ ने अपने जूनियर्स को नर्सिंग ऑफिसर की नेम प्लेट लगाई।

कार्यकारी चीफ नर्सिंग ऑफिसर सरोज, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर इंद्रा देवी, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर वर्षा, नर्सिंग ऑफिसर एवं गुरुग्राम नर्सेज एसोसिएशन की अध्यक्ष कमलेश सिवाच, नर्सिंग ऑफिसर रितु मलिक, नर्सिंग ऑफिसर पूनम सहराय, नर्सिंग ऑफिसर सुमन यादव, नर्सिंग ऑफिसर सुमन यादव, नर्सिंग ऑफिसर सीमा, नर्सिंग ऑफिसर जया, नर्सिंग ऑफिसर मोनिका, नर्सिंग ऑफिसर दीप्ति समेत काफी संख्या में स्टाफ मौजूद रहीं।

कार्यकारी चीफ नर्सिंग ऑफिसर सरोज ने नर्सिंग ऑफिसर्स को नेम प्लेट लगाकर उन्हें और भी बेहतरी से अपना काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग समर्पण और सेवा का दूसरा नाम है। हमें कई बार खुद की परेशानियों को दरकिनार करके मरीजों की निष्काम भाव से सेवा करनी पड़ती है। यही हमारी विशेषता भी होनी चाहिए कि हम अपनी समस्या भूलकर दूसरों की सेवा करें। उन्होंने सभी नर्सिंग ऑफिसर को इस नये पद नाम की बधाई देते हुए यह भी कहा कि अपने पद की गरिमा को ऊंचा रखना है। हमारा दायित्व और भी बढ़ गया है। हमारे काम पर कभी सवाल ना उठें, बल्कि हम अपने काम से खुद को, नर्सिंग पेशे को और अपने संस्थान को गौरवान्वित करें। उनके इस कथन पर सभी नर्सिंग ऑफिसर्स ने विश्वास दिलाया कि वे अपने पेशे में पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ काम करती रही हैं। भविष्य में भी उससे भी बढ़कर काम करते हुए इस पद की गरिमा को बढ़ाएंगी।

सेवाभाव के साथ चुना नर्सिंग प्रोफेशन

नर्सिंग ऑफिसर रितु मलिक और नर्सिंग ऑफिसर पूनम सहराय ने कहा कि नर्सिंग प्रोफेशन को हम सबने सेवाभाव के साथ चुना है। जो सेवा हम अपने बड़े–बुजुर्गों की करते हैं या करना चाहते हैं, उसी तरह की सेवा हमें मरीजों की भी करनी है। बीमार व्यक्ति को अपनी मीठी वाणी से हम आधा ठीक कर सकते हैं। दवा से अधिक काम हम सबका पॉजिटिव तरीके से बात करना काम करता है। नर्सों की तीन श्रेणियां स्टाफ नर्स, नर्सिंग सिस्टर और मैटर्न हैं। स्टाफ नर्स नर्सिंग ऑफिसर कहलाएंगी। नर्सिंग सिस्टर सीनियर नर्सिंग ऑफिसर और मैटर्न स्टाफ चीफ नर्सिंग ऑफिसर कहलाएंगी।

पानी व पर्यावरण बचाने के प्रति रहें सजग : पवन जिंदल

गुरुग्राम के राजकीय कन्या महाविद्यालय में पौधारोपण करते आरएसएस के हरियाणा प्रांत संघचालक पवन जिंदल, प्राचार्य डॉ. रमेश कुमार गर्ग साथ में अन्य।

राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 में किया पौधारोपण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आरएसएस के हरियाणा प्रांत संघचालक पवन जिंदल ने कहा कि पानी व पर्यावरण बचाने के लिए हम सबको सजग रहना होगा। यह समय की जरूरत है। अगर इसके प्रति अभी से नहीं चेते तो हमारी आने वाली पीढ़ियों को नुकसान होगा। यह बात उन्होंने राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर–14 में दो दिवसीय पौधारोपण उत्सव में बोलते हुए कही। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डा. रमेश कुमार गर्ग ने कही।

महाविद्यालय में आयुर्वेदिक पौधे लगाने की सलाह देते हुए पवन जिंदल ने कहा कि हम सभी को पौधारोपण करना चाहिए और इनकी देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने महाविद्यालय के स्टाफ और विद्यार्थियों से भी अपील की है कि पौधारोपण को बढ़ावा दें। हर कोई एक–दूसरे को इस कार्य के प्रति प्रेरित करें।

प्राचार्य रमेश कुमार गर्ग ने उन्हें विश्वास दिलाया कि महाविद्यालय में शीघ्र ही आयुर्वेदिक पौधों को लगाने का कार्य भी शुरू हो जाएगा। यह हमारे भविष्य के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में समय–समय पर इस तरह के अभियान जारी रखे जाएंगे, ताकि हरियाली बढ़े। वातावरण स्वच्छ हो। विद्यार्थियों का पढ़ाई में मन लगे। पौधारोपण उत्सव में महाविद्यालय के सभी विभागों के विभागाध्यक्षों, कालेज कौंसिल सदस्यों, एनएसएस, एनसीसी, महिला प्रकोष्ठ, बॉटनी विभाग के इंचार्ज ने लगभग 40 पौधे लगाए और इनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

युवक के परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

सोहना। तालाब में मृत मिला 28 वर्षीय युवक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम कराया। डॉक्टरों की बोर्ड टीम ने पोस्टमार्टम करने के बाद मौत के खुलासे के लिए लैब में जुटाए गए सबूतों को भेज दिया है।

एएसआई कृष्ण कुमार ने बताया कि राहुल के परिजनों की मांग स्वीकारते हुए डॉक्टरों का बोर्ड बनाया गया, उसके द्वारा पोस्टमार्टम हुआ। जांच अधिकारी ने बताया कि करीब तीन माह में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही राहुल की संदिग्धता में हुई मौत का खुलासा हो सकेगा। राहुल के पिता विनोद ने बताया कि राहुल को पानी में तैरना नहीं आता था। आरोपियों ने राहुल की हत्या करने के बाद शव खुर्दबुर्द करने के इरादे से जनस्वास्थ्य विभाग के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में बने करीब 12 फुट गहराई वाले तालाब में फेंक दिया।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में कैसे पहुंचा राहुल : राहुल की मौत के बाद जनस्वास्थ्य विभाग के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के अंदर राहुल का शव मिलने से यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगने लगे हैं। राहुल प्लांट के अंदर कैसे गया और उसे सुरक्षा गार्डों ने अंदर जाने की अनुमति क्यों दी।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी : जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ ओमप्रकाश ने बताया कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने के कारण बाहरी व्यक्ति अंदर नहीं जा सकता। प्लांट के पीछे साइड में नर्सरी खड़ी है। जहां पर दीवार कूदकर बाहरी व्यक्ति प्लांट में आ सकता है।

हत्यारोपी दोस्त गिरफ्तार, अदालत ने भेजा जेल

सोहना। पुलिस ने युवक की हत्या करने वाले आरोपी दोस्त को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने हत्यारोपी को 14 दिन के लिए भोंडसी जेल में भेज दिया है।

मामले की जांच कर रहे एसआई मुकेश कुमार ने बताया कि हत्यारोपी नरेश को गुरुवार शाम को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान लोहे की रॉड भी बरामद की है। जिसे उसने पास में ही छुपा दिया था। जांच अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर बाद हत्यारोपी नरेश को अदालत में पेश किया। अदालत ने नरेश को 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

प्रो. राम सिंह को मिला लाइफटाइम आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट अवॉर्ड

कीट विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रो. राम सिंह व उन्हें मिला अवार्ड।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में मानव संसाधन प्रबंधन के पूर्व निदेशक एवं कीट विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राम सिंह को आउटस्टैंडिंग लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया है।

यह सम्मान उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीट विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय अरुणाचल प्रदेश, आरवीएस कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर मध्य प्रदेश और नाबार्ड के सहयोग से सतत विकास के लिए कृषि, पर्यावरण और जैव विज्ञान में प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। कृषि पर्यावरण विकास सोसायटी ने 5 से 7 अगस्त, 2021 तक यह सम्मेलन किया। इस सम्मेलन में 500 से अधिक प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिकों, प्रशासकों, जैव प्रौद्योगिकीविदों, नीति निर्माताओं और उद्यमियों ने भाग लिया। इसी सम्मेलन में प्रो. राम सिंह को यह सम्मान दिया गया।

विवि से सेवानिवृति के बाद कर रहे यह काम : विवि से सेवानिवृत्त उपरांत प्रोफेसर राम सिंह मनुष्य की निरंकुश गतिविधियों के फलस्वरूप भविष्य की आपदाओं के कारणों और समाधानों पर अध्ययन कर रहे हैं। कुछ तथ्यों के आधार पर उनकी राय में यदि मनुष्य अगले 100 वर्षों में दो बिलियन तक की मानव आबादी का प्रबंधन करने में असमर्थ रहा तो मानव अत्यधिक प्राकृतिक हमले का सामना करने के लिए बाध्य होगा।

इन महत्वपूर्ण पदों पर रहे : वे विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड के तकनीकी सलाहकार, निदेशक मानव संसाधन प्रबंधन, डीन कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर (अतिरिक्त प्रभार), डीन कॉलेज ऑफ बेसिक साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज (अ. प्रभार), निदेशक छात्र कल्याण (अ. प्रभार), विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग (अतिरिक्त प्रभार) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे।

हॉकी एस्ट्रोटर्फ...मंत्रियों पर नहीं विश्वास, अब विधायक से है आस

नेहरू स्टेडियम के हॉकी मैदान में नया एस्टोटर्फ लगने की जगी उम्मीद

गुड़गांव के विधायक सुधीर सिंगला ने की घोषणा

वर्ष 2003 में बिछाया गया था यह एस्टोटर्फ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

यहां नेहरू स्टेडियम में खराब हो चुके हॉकी मैदान के एस्ट्रोटर्फ को लेकर पिछले 15 साल से जद्दोजहद जारी है। वर्ष 2003 में बिछाए गए एस्ट्रोटर्फ की हालत बहुत खस्ता हो चुकी है। मंत्रियों के लाख दावों के बावजूद इसकी कायापलट नहीं हो पाई। अब गुड़गांव के विधायक ने इसे बदलवाने की घोषणा की है। इस घोषणा के साथ ही खिलाड़ियों में हॉकी का बेहतर मैदान मिलने की उम्मीद जगी है।

विधायक बोले, जल्द नया एस्ट्रोटर्फ लगेगा

विधायक सुधीर सिंगला ने गुरुवार को यहां राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता के समापन अवसर पर शिरकत की। इस दौरान उनके समक्ष एस्ट्रोटर्फ का मुद्दा रखा गया। विधायक ने घोषणा की कि एस्ट्रोटर्फ को जल्द नया लगवाया जाएगा। खिलाड़ियों को सुविधाएं देने में सरकार कटिबद्ध है।

छह से सात साल होती है एस्ट्रोटर्फ की उम्र

हॉकी के मैदान में एस्ट्रोटर्फ की उम्र छह से सात साल के बीच होती है। यह भी तब जब उसका नियमित तौर पर सही रखरखाव किया जाए। अगर उसका रखरखाव नहीं किया गया तो वह इससे भी पहले खराब हो सकता है। यहां एस्ट्रोटर्फ वर्ष 2003 में लगाया गया था। 18 साल का लंबा समय बीत गया है। एस्ट्रोटर्फ पूरी तरह से खराब हो चुका है। बरसात के समय यह पानी से लबालब भरा रहता है। अधिक पानी भरा रहने के कारण भी यह खराब हो जाता है। ऐसी स्थिति में यहां खिलाड़ी कैसे हॉकी का जादू दिखाएं, यह उनके लिए चुनौती है।

कई बार इस हॉकी मैदान में एस्ट्रोटर्फ बिछाने की बातें हुई, लेकिन काम कुछ नहीं हुआ। अपने मंत्री काल में सुखबीर कटारिया ने यहां की बजाय अपने गांव गुड़गांव गांव में एस्ट्रोटर्फ बिछवा दिया, जबकि वे पहले नेहरू स्टेडियम में सहकारिता मंत्री रहते हुए एस्ट्रोटर्फ बिछाने की घोषणा करके गये थे। एस्ट्रोटर्फ का स्थान बदलने के कारण खिलाड़ियों में भी इस बात का रोष रहा। वर्तमान सरकार में खेल मंत्री सरदार संदीप सिंह ने भी स्टेडियम में दौरा किया था। उन्होंने यहां खिलाड़ियों व अधिकारियों के बीच एस्ट्रोटर्फ समेत अन्य सुविधाएं दुरुस्त कराने की बात कही थी। लेकिन काम उनकी घोषणा के बाद भी नहीं हो पाया।

खेल विभाग की ओर से तो कई बार इस हॉकी मैदान में एस्ट्रोटर्फ को दोबारा से बनाने के लिए जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग से ब्यौरा एवं एस्टीमेट मांगा है। विभाग द्वारा नगर निगम गुरुग्राम से कई बार एस्टीमेट तैयार कराकर चंडीगढ़ भेजा जा चुका है। अभी तक मामला फाइलों में ही अटका हुआ है। सरकार फाइलों का डिजिटली आदान–प्रदान के दावे कर रही है, जबकि यहां की फाइल कहां अटकी है, किसी को नहीं पता। पिछले 5 सालों में एस्ट्रोटर्फ लगवाने का एस्टीमेट 5 करोड़ से लगभग 10 करोड़ पहुंच चुका है। क्योंकि यह लगातार खराब ही होता जा रहा है।

नगर परिषद जिला अदालत का दरवाजा खटखटाएगी

सोहना। नगर परिषद जल्द ही अंसल रिट्रिट रेडिडेंशल वेलफेयर एसोसिएशन को उपमंडलीय अदालत से मिले स्टे के विरुद्ध जिला स्तरीय अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। अंसल रिट्रिट रेडिडेंशल वेलफेयर एसोसिएशन से जूड़े 165 फार्म हाउस मालिकों ने राहत की सास ली है।

नगर परिषद सोहना ने रायसीना व सोहना से लगती अरावली पर्वत श्रंखला में बने 434 फार्म हाउसों में से 330 मालिकों को अवैध निर्माण करने के नोटिस जारी किए थे। परिषद ने जनवरी से लेकर जुलाई माह तक बार–बार चलाए गए अभियान में लगभग सौ फार्म हाउसों को गिराया था। परिषद के अभियान के विरोध में रायसीना और सोहना में बने फार्म हाउसों के 165 मालिकों की गठित अंसल रिट्रीट रेडिडेंशन वेलफेयर एसोसिएशन ने उपमंडलीय अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उपमंडलीय अदालत ने हाल ही में एसोसिएशन को स्टे देते हुए परिषद को अंसल क्षेत्र में बने फार्म हाउसों की तोड़फोड़ न करने के लिए बाध्य कर दिया है।

आईएमटी गाजियाबाद ने अपग्रैड के साथ अपने ऑनलाइन शिक्षार्थियों के बैच के लिए पहला दीक्षांत समारोह का आयोजन किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

upGrad

अनेक सफल वर्चुअल दीक्षांत समारोह की मेजबानी करने वाले एशिया के उच्च एडटेक लीडर अपग्रैड ने हाल ही में इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी गाजियाबाद के मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले पहले चार बैचों के 750 से अधिक शिक्षार्थियों के लिए वर्चुअल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया।

यह युनिवर्सिटी के लिए पहला लाइव दीक्षांत समारोह था। शिक्षार्थियों को मैनेजमेंट में अपने ऑनलाइन पीजी प्रोग्राम पूरा करने के लिए सम्मानित किया। प्रो. विशाल तलवार–निदेशक, आईएमटी गाजियाबाद, प्रो. अमित सरीन– डीन, आईएमटी गाजियाबाद, प्रो. पूजा अग्रवाल गुलाटी– प्रोग्राम निदेशक, आईएमटी गाजियाबाद, प्रो. सपना पोपली– अध्यक्ष, एमडीपी, आईएमटी गाजियाबाद, जुजेर ताम्बावाला – निदेशक, प्रोडक्ट एंड मार्केटिंग फ्रैंकलिन टेम्पलटन, भारत और अपग्रैड के सह–संस्थापक और एमडी – मयंक कुमार उपस्थित थे। सफल दीक्षांत समारोह पर प्रो. अमित सरीन ने कहा कि मैं उन छात्रों को शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने अपग्रैड के प्रोग्राम को पूरा किया है। यह उनके करियर के लिए सबसे अच्छा है। आईएमटी संकाय पाठ्यक्रम के डिजाइन और प्रोग्राम की डिलिवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक सामान्य प्रबंधन प्रोग्राम में एक प्रबंधक को सिस्टम सोच विकसित करने में मदद करता है और संगठन के बारे में एक एकीकृत दृष्टिकोण बनाता है जहां वे एक संगठन में विभिन्न विभागों के रूप में काम कर रहे हैं जैसे कि विपणन, संचालन, वित्त और मानव संसाधन आपस में जुड़े हुए हैं।

डिजिटल वर्चुअल की दुनिया के बारे में बात करते हुए प्रो. विशाल तलवार ने कहा कि कोरोना महामारी ने मशीनों और प्रौद्योगिकी को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है। इसने हम सभी को एक तकनीक–संचालित वातावरण की ओर धकेल दिया है। इसने हमें पुनर्गणना और पुनर्विचार करने का अवसर भी दिया है। इन सभी परिवर्तनों को देखते हुए आज मैनेजमेंट एजुकेशन की महत्ता बढ़ गई है। एक अच्छी शिक्षा का वास्तविक मूल्य यह है कि आप अपने लिए सोचने में सक्षम हों, सही प्रश्न पूछें, कई दृष्टिकोणों से देखने में सक्षम हों, और एक स्वीकृत विचार को स्वीकार न करें। दीक्षांत समारोह में भारत में फ्रैंकलिन टेम्पलटन के प्रोडक्ट एवं मार्केटिंग के निदेशक जुजेर तांबावाला ने कहा, आज, मैं आपको तीन संदेश देना चाहता हूं, उनमें से एक है समय। आज आप अरबपति हैं! आप इस समय को अच्छी तरह से निवेश करें ताकि जब आप पीछे मुड़कर देखें तो आपको पता चले कि वह समय अच्छी तरह से व्यतीत हुआ। हर संकट एक अवसर है। यह आप पर निर्भर है कि अवसर क्या है। सफल होने का सूत्र है कड़ी मेहनत × किस्मत × अच्छे रिश्ते। आपको जोड़ चिह्न से गुणा की ओर जाने की आवश्यकता है क्योंकि यदि इनमें से कोई भी संख्या शून्य है, तो आपका परिणाम शून्य होगा।

अपग्रैड के सह–संस्थापक और एमडी मयंक कुमार ने कहा, अपग्रैड में हम अपने शिक्षार्थियों को ऑफलाइन डिग्री के सभी अनुभव प्रदान करने का प्रयास करते हैं और वर्चुअल दीक्षांत समारोह के बाद उनके समर्थन और कृतज्ञता के उत्साह को देखकर हम बेहद विनम्र हैं।

संक्षिप्त-समाचार

दो ट्रेनों को अनारक्षित करने व दो में महिला कोच की मांग

गुरुग्राम। दो ट्रेनों को अनारक्षित करने और दो ट्रेनों में महिला कोच लगाने, सुरक्षा बढ़ाने की मांग को लेकर दिल्ली रेल मंडल के सीनियर डिवीजनल कॉमर्शियल मैनेजर प्रवीण कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। मंडल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य और दैनिक रेल यात्री संघ पटौदी रोड के अध्यक्ष योगिन्द्र चौहान ने पूजा यादव के साथ मिलकर यह ज्ञापन मैनेजर प्रवीण कुमार को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि दिल्ली–रेवाड़ी सेक्शन पर ट्रेन नंबर–54414 के संचालन किया जाए। साथ ही श्रीगंगानगर–तिलकब्रिज ट्रेन को अनारक्षित किया जाए। इसके अलावा दिल्ली–सहारनपुर पर चलने वाली ट्रेन नंबर–04403 और 04404 में महिला कोच बनाये जाएं। पुलिस सुरक्षा की सुविधा भी ट्रेन में दी जाए। मैनेजर प्रवीण कुमार ने कहा कि इन सभी विषयों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री परिवार उत्थान योजना के तहत जल्द होगी सर्वे

सोहना। मुख्यमंत्री परिवार उत्थान योजना के तहत नगर परिषद के करीब 100 परिवारों को लाभ मिलेगा। योजना का लाभ लाभार्थियों को पहुंचाने के लिए पहले सर्वे किया जाएगा। जिसके लिए उपायुक्त के आदेश पर पांच सदस्यों की कमेटी का गठन किया है। नगर परिषद के 21 वार्डों में करीब 100 ऐसे परिवारों की सूची उच्चाधिकारियों से प्राप्त हुई है। जिन्हें मुख्यमंत्री परिवार उत्थान योजना से जोड़ा जाएगा। ऐसे परिवारों को केन्द्र व राज्य सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। जिससे परिवार को विकसित करने और उनकी आर्थिक हालत पहले से मजबूत हो सकेगी। योजना का लाभ प्राप्त करने वाले परिवार की वार्षिक आय एक लाख 80 हजार से नीचे होनी चाहिए। योजना से लाभ प्राप्त करने वाले परिवारों की आर्थिक स्थिति की जांच के लिए पांच सदस्यों की कमेटी का गठिन किया गया है। यह कमेटी उपायुक्त के आदेश पर बनाई गई है। जिसमें जयदीप कादयान प्रिंसिपल आईटीआई, सुनीता यादव मंडल रोजगार अधिकारी, पुनीता उपनिदेशक पशुपालन विभाग, महेन्द्र सिंह एनयूएलएम और पिंकी यादव जिला बागवानी अधिकारी। नगर परिषद के सचिव सुमित शर्मा ने बताया कि इस योजना का लाभ आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों उनके उत्थान के लिए अलग–अलग केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से दिया जाएगा। जिसमें परिवार के सदस्यों का कारोबार से संबंधित रोजगार के संसाधन उपलब्ध कराके, परिवार को भवन निर्माण कराके, लाडली योजना के तहत आदि अन्य शामिल है। उन्हें अभी तक उच्चाधिकारियों से सभी 21 वार्डों में रहने वाले एक सौ के लगभग परिवारों की सूची प्राप्त हो गई है। कमेटी जल्द ही अपना सर्वे का कार्य शुरु करके उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजेगी। उसके बाद ही परिवार के सदस्यों को मापदंड़ों को पूरा करने वाले परिवार योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

राष्ट्रीय पोषण माह शिविर में 190 रोगियों ने लिया उपचार

सोहना। आयुष विभाग गुरुग्राम के तत्वावधान में सोहना के नागरिक अस्पताल में लगाए गए शिविर में 190 लोगों ने होम्योपैथिक, आयुर्वैदिक और योग के माध्यम से रोगों का उपचार कराया। शुक्रवार को राष्ट्रीय पोषण माह के तहत नागरिक अस्पताल में आयुष विभाग गुरुग्राम के तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय शिविर में डॉ. भ्रम प्रकाश खटाना, डॉ. सूची और डॉ. भू देव ने शिविर में आए रोगियों को उपचार दिया। डॉ. भू देव के पास पहुंचे 40 लोगों ने योग के माध्यम से योगाशासन का ज्ञान प्राप्त किया। डॉ. भ्रम प्रकाश खटाना से 160 रोगियों ने आयुर्वेदिक नियम सलाह व दवाइयां ली। डॉ. रुची से होम्योपैथिक नियम से 62 रोगियों ने उपचार व सलाह ली। इस शिविर को सफल बनाने में आयुर्वेदिक फार्मेसिश विक्रम, फार्मेसिस्ट टिंकू यादव व मंजीत ने पूरी लगन से कार्य किया।

ग्राम पंचायतों को खुले में शौचमुक्त बनाने को चलेगा अभियान

सोहना। खंड की सभी 35 ग्राम पंचायतों में खुले में शौचमुक्त व्यवस्था बनाए रखने के लिए नागरिकों को जागरूक किया जाएगा। ग्राम सचिव गांव–गांव जाकर आजादी के अमृत महोत्सव समारोह का आयोजन कर ग्रामीणों के साथ बैठके करेंगे। जिसमें आशा वर्कर्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्कूली छात्र भी अपना श्रमदान करेंगे। प्रदेश सरकार के आदेश पर एक बार फिर खंड की सभी ग्राम पंचायतों में खुले में शौच मुक्त योजना को लेकर 100 दिन का अभियान चलाया जाएगा। अभियान में ग्राम पंचायत सचिव ग्रामीणों के साथ सामाजिक दायरों को निभाते हुए खुले में शौच न जाने की व्यवस्था को बरकरार रखने पर जोर देंगे। घरों से निकलने वाला गंदा पानी को भूमि जल संचय नियम के तहत वाटर हार्वेस्टिंग के नियम को अपनाने पर जोर दिया जाएगा। घरों से निकलने वाले कूड़ा कचरा को निरधारित स्थान पर डालने तथा गिला व सूखा कचरा को अलग–अलग स्थान पर गिराने पर जोर दिया जाएगा। गांवों के सार्वजनिक स्थानों के अलावा चौक–चौराहों व आम रास्तों में सफाई व्यवस्था को बनाने पर जोर दिया जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव अभियान में ग्राम सचिवों का सहयोग आशा वर्कर्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पूर्व पंच व सरपंच, नंबरदार, समाज सेवी और स्कूली छात्रा भी करेंगे। स्कूली छात्र रैलियां निकालते हुए जागरूक करेंगे। बीडीपीओ प्रमेंद्र सिंह का कहना है कि गुरुवार को सभी पंचायतों में लगे ग्राम सचिवों के साथ बैठक करते हुए आजादी का अमृत महोत्सव अभियान को सफल बनाने के लिए दिशा निर्देश दे दिए हैं।

आज भी पुलिस अपनी मर्जी से लिखती है पीड़ित की शिकायत

कविता। फरीदाबाद

लाख दावों के बाद चौकी थानों में अपनी मर्जी के मुताबिक शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। संजय कॉलोनी में नम्बर प्लेट चोरी की शिकायत देने पहुंचे, एक व्यक्ति से पुलिस ने नम्बर प्लेट के बरसात में बह जाने की शिकायत दर्ज कर ली। इसकी जानकारी व्यक्ति द्वारा एसीपी को दी गई, तो उसी दिन शाम को नम्बर प्लेट एक चोरी की गाड़ी पर लगी हुई पुलिस को मिल गई।

ये है पूरा मामला

संजय कॉलोनी निवासी रघुराज सिंह ने एसीपी मुजेसर को शिकायत दी कि, उनकी कार खाली प्लाट में तीन माह से बंद खड़ी थी। 14

एसीपी से शिकायत के बाद ही मिल सकी चोरी की कार पर लगी नम्बर प्लेट

सितम्बर की रात को किसी ने कार चुराने का प्रयास किया। स्टार्ट करने में सफल न होने पर चोर गाड़ी की दोनों नम्बर प्लेट चोरी ले गए। सीसीटीवी की फुटेज में बाइक से दो व्यक्ति चोरी का प्रयास करते देखे गए।

एसीपी को शिकायत

पीड़ित ने एसीपी मुजेसर को दी अपनी शिकायत में बताया कि वह जब संजय कॉलोनी पुलिस चौकी गया, तो पुलिस ने मेरे से एप्लिकेशन लिखवाई कि गाड़ी की नम्बर प्लेट बारिश में कहीं गिर गई है। जबकि ऐसा नहीं है, शिकायत के तीन दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं पुलिस ने सीसीटीवी जांच भी नहीं की।

मिल गई चोरी की गई नम्बर प्लेट

16 सितम्बर को एसीपी मुजेसर को शिकायत देने के बाद शाम को संजय कॉलोनी की गली नम्बर 20 में एक नई ईको गाड़ी मिली, जिस पर चोरी की गई नम्बर प्लेट लगी हुई थी।

यह बरती लापरवाही

पीड़ित पक्ष का कहना है कि पुलिस ने पहले तो उनकी शिकायत लेने से मना कर दिया। जब गुहार लगाई गई, तो पुलिस कर्मियों ने कहा कि नंबर प्लेट 700 की है। एक हजार रुपये से कम की शिकायत दर्ज नहीं होती। जब उन्होंने किसी अनहोनी का हवाला दिया तो पुलिस ने उनसे शिकायत में लिखवा लिया कि उनकी गाड़ी की नम्बर प्लेट बरसात में कहीं गिर गई है। ऐसे में यदि कोई घटना घटित हो जाती है, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। पुलिस या चोर?

पुलिस ने पीड़ित को इसकी सूचना दी। पीड़ित पक्ष जब वहां पहुंचा, तो उन्हें पुलिस ने बताया कि चोरी की नम्बर प्लेट मिल गई है।

एमटीपी एक्ट के बारे में जागरुकता कैंप

फरीदाबाद। वाईएस राठौर जिला एवं सत्र न्यायाधीश व चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद के आदेश अनुसार व मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद की देखरेख में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत एक विशेष जागरकता शिविर एमटीपी एक्ट के विषय परपैनल एडवोकेट अर्चना गोयलव संजय गुप्ता द्वारा खेड़ीकला स्थित स्वास्थ्य केन्द्र में किया गया। हॉस्पिटल में आए लोगों इस विषय पर समझाते हुए बताया अवैध रूप से गर्भपात कराना व करना एक कानूनी अपराध है। गर्भपात करने की एक प्रक्रिया वह स्थान सरकार द्वारा निश्चित की गई है जिनका पालन करना चाहिए।

पीएम मोदी के हाथों में देश की सुरक्षा और देश का खजाना सुरक्षित : गुर्जर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित सरकार : गुर्जर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में देश की सुरक्षा, देश की सीमाएं और देश का खजाना सुरक्षित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों, किसानों, व्यापारियों, कर्मचारियों, दुकानदारों सहित तमाम वर्गों के लोगों के लिए अलग-अलग योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित करके धरातल पर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया जा रहा है। भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर शुक्रवार को स्थानीय कन्वेंशन हॉल में आयुष्मान भारत के तहत गरीब परिवारों के लाभार्थियों के साथ सीधी बातचीत कर रहे थे।

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि दुनिया के सबसे श्रेष्ठ लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस आज पूरे देश में सेवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। लोगों के मेघा वैक्सीनेशन कैम्प लगाकर, पेड़ पौधे लगाकर, रक्तदान करने, गरीब परिवार में अनाज बांटने, फल वितरण करने सहित गरीबों की सेवाओं के लिए समर्पित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

आयुष्मान भारत देश दुनिया की सबसे बड़ी स्कीम

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि आयुष्मान भारत देश दुनिया की सबसे बड़ी स्कीम है। इसके साथ भारत देश में दुनिया के एक देश के 10 करोड़ परिवार जुड़े हुए हैं। देश में इस योजना का लाभ 50 करोड़ लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आयुष्मान भारत योजना के तहत 60 प्रतिशत जनता को लाभ देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत जिला फरीदाबाद में 187000 लोगों एक जोड़ा जाएगा। अब तक जिला में 33000 परिवारों की योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना से जुड़े बाकी के बचे 93000 लोगों को भी लाभ देना है।

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि कोरोना काल में इस योजना के तहत जिले में लगभग 7000 लोगों को लाभ दिया गया है। जिनका सरकार द्वारा कोरोना वायरस का निशुल्क इलाज किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश में नंबरदारों चौकीदारों, आशा वर्करों सहित तमाम गरीब परिवारों को जोड़ा गया। उन्होंने गरीब परिवारों की आय को भी 120000 रुपये से बढ़ाकर 180000 रुपये की आय वाले परिवारों को शामिल किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्रदेश में और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में 2014 से गरीबों के लिए समर्पित सरकार है। गरीबों के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं बनाकर बेहतर तरीके से क्रियान्वित करके अंतिम छोर जरूरत मंद व्यक्ति को लाभ दिया जाने का काम किया जा रहा है। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने एक एम्बुलेंस वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है जो बुजुर्गों और दिव्यांग जनों के घर पर जाकर वैक्सीनेशन करने का काम करेगी।

इस अवसर पर विधायक जितेंद्र यादव, सीमा त्रिखा, विधायक नरेन्द्र गुप्ता, भाजपा के जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय गुप्ता, रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव विकास कुमार सहित आयुष्मान भारत योजना से जुड़े परिवार उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस ने पकोड़े तल कर किया विरोध प्रदर्शन

मोदी के जन्मदिन को किया राष्ट्रीय बेरोजगारी दिवस घोषित

फरीदाबाद। बढ़ती महंगाई एवं बेरोजगारी की बढ़ती संख्या देखते हुए हरियाणा युवा कांग्रेस ने बल्लभगढ़ के आंबेडकर चौक पर पकोड़े तल कर विरोध प्रदर्शन किया और पीएम मोदी के जन्मदिन को राष्ट्रीय बेरोजगारी दिवस के रूप में मनाया। युवा कांग्रेसियों ने हरियाणा की खट्टर सरकार एवं केंद्र सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त कर नारे लगाए।

हरियाणा युवा कांग्रेस के मयंक चौधरी ने कहा कि आज कोरोना महामारी और लॉकडाउन के चलते बेरोजगारी बढ़ गई है। शिक्षित बेरोजगार दर- दर भटकने को मजबूर हैं। मोदी और शाह ने कहा था कि युवाओं को पकोड़े तलना चाहिए। अब पकोड़े भी तलना मुश्किल हो गया क्योंकि तेल रिफाइंड का दाम ढाई गुना बढ़ गया। आज केंद्र-प्रदेश सरकारों ने नौकरियां खत्म कर दी हैं, भर्तियों पर प्रतिबंध है। आज का बेरोजगार युवा कहां जाए। यहां तक कि हरियाणा में तमाम परीक्षाओं के पहले पेपर लीक हो जाते हैं और लाखों बेरोजगार युवाओं के अरमानों पर पानी फिर जाता है।

मयंक चौधरी ने कहा कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बने सात वर्ष से अधिक हो गए। उन्होंने हर वर्ष दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन बेरोजगारी काफी बढ़ गई है। सरकार को चाहिए कि वह युवाओं को रोजगार दे। पीएम बनने से पहले युवाओं को सुनहरे सपने दिखाए, लेकिन जब सपने साकार कराने की बात आई तो वे कुछ नहीं कर रहे हैं। देश की सार्वजनिक संपत्तियां बेचने पर लगे हैं। आंबेडकर चौक पर प्रदर्शन करने के बाद युवा कांग्रेसी बल्लभगढ़ तहसील पहुंचे और वहां भी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस मौके पर अभिलाष नागर, आकाश शर्मा, दिवाकर वशिष्ठ, विनोद कौशिक, सूरज नेहरा, सुरेंद्र रावल, ललित बैसला, सत्तन डेढ़ा, कुलदीप नागर, सचिन नागर आदि दर्जनों युवा कांग्रेसी मौजूद रहे।

नीलमी में सम्पत्ति खरीदने पर किया जा रहा है परेशान

फरीदाबाद। बैंक का लोन न चुकाने पर नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने खुली बोली में एक सम्पत्ति को नीलाम किया था, लेकिन अब नीलाम कारखाने को खरीदने वाले व्यवसायी को पूर्व मालिक द्वारा विभिन्न तरीकों से परेशान किया जा रहा है।

शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी, कारखाने को खरीदने वाले वर्तमान मालिक साहिल विरमानी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि एनसीएलटी ने अखबारों में एक विज्ञापन दिया था कि वह मथुरा रोड स्थित एक कारखाने द्वारा बैंक का लोन न चुकाने के कारण खुली बोली लगाई जाएगी। जिसमें तीन अन्य बोली दाताओं के साथ साहिल विरमानी और स्वर्गीय देवेंद्र उर्फ पप्पू ने मार्स इंफ्रा इंजीनियरिंग कंपनी के नाम से 52 करोड़ 83 लाख की सबसे ज्यादा बोली लगाकर उसे खरीद लिया। उसके बाद कारखाने के पूर्व मालिक करन गंभीर ऊपरी अदालत में चला गया। जहां उसने कहा कि मेरी जमीन मार्केट भाव से सस्ती बेच दी है। परंतु एनसीएलटी के फैसले को सही मानते हुए अदालत ने गंभीर पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। जोकि प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा करने के आदेश दिए गए थे। इसके बाद करन गंभीर ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की।

सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों की बात सुनते हुए जनवरी में फैसला दिया कि निचली अदालत का फैसला सही है और इसमें दखलांदाजी से मना कर दिया। उसके बाद विरमानी ने अदालती आदेश दिखाते हुए तहसील के लिकविडेटर से बयनामा करवाया और उसका दाखिला खारिज भी करवाया। इसके बावजूद दूसरा पक्ष कई तरह के आरोप लगा रहे हैं, जोकि गलत है। जिसके लिए विरमानी ने कहा कि वह वकीलों से राय लेकर मानहानि का दावा करेंगे। वहीं इस बारे में करन गंभीर ने एप्लेट ट्रिब्यूनल में एक केस फाइल किया है। जिसकी सुनवाई के लिए 21 सितंबर की तारीख लगी हुई है।

हर 15 दिन में अटल भूजल योजना की समीक्षा करें : डीसी

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा कि जल संरक्षण के लिए केंद्र सरकार, विश्व बैंक व राज्य सरकार के संयुक्त तत्वावधान में अटल भूजल योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना का उद्देश्य भूजल का संरक्षण करना है। इसके लिए सिंचाई विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। ऐसे में सिंचाई विभाग के अधिकारी सभी संबंधित विभागों के साथ प्रत्येक 15 दिन में समीक्षा मीटिंग आयोजित करें।

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा कि योजना का लाभ जल्द से जल्द जिला के गांवों में दिख सके इसके लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों की जनभागीदारी सुनिश्चित करनी होगी व साथ ही फरीदाबाद जिला के चिह्नित 71 ग्राम पंचायतों में जाकर लोगों को योजना के उद्देश्यों एवं उससे होने वाले लाभों के बारे में जागरूक करना होगा। उन्होंने बताया कि मानव रचना यूनिवर्सिटी को योजना में जिला क्रियान्वयन भागीदार बनाया गया है।

वेतन न मिलने पर कर्मचारियों ने लगा दिया एमसीएफ पर ताला

एमसीएफ का गेट बंद होने से परेशान हो गई जनता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दो महीने से वेतन और पेंशन का भुगतान न किए जाने से खफा फरीदाबाद, नगर निगम के कर्मचारियों ने टूलडाउन हड़ताल की। टूलडाउन हड़ताल के कारण कर्मचारियों ने गुस्से में नगर निगम फरीदाबाद के गेट पर ताला लगा दिया। जिस कारण यहां आए लोग परेशान हो गए। उनका कहना था कि शुक्रवार को ताला बंद हो जाने से उन्हें अब अपने कामों के लिए सोमवार तक का इंतजार करना होगा। लोगों को यहां परेशानियों का सामना करके लौटना पड़ा।

फेडरेशन प्रधान रमेश जागलान ने बताया कि नगर निगम के तीनों जोनों के कार्यालय बन्द रहे। निगम के तीनों जोनों में कर्मचारियों की टूलडाउन हड़ताल के कारण निगम परिसर में सन्नाटा छाया रहा। कार्यालय बंद होने से आम पब्लिक अपने कार्य के लिए इधर-उधर भटकती रही। टूलडाउन हड़ताल को नगर पालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नगर पालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा, म्युनिस्पल कॉरपोरेशन इम्पलॉइज फेडरेशन फरीदाबाद के आंदोलन पर छतरी बने रहने का काम करेगी और आगे सब मिलकर एक बड़ा आंदोलन करेंगे कर्मचारियों की सभी मांगें जब तक पूरी नहीं होगी आंदोलन जारी रहेगा। नगर पालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के कर्मचारी एवं फेडरेशन के कर्मचारियों ने निगम मुख्यालय से लेकर नीलम चौक से जलूस निकालते हुए निगम आयुक्त के कार्यालय पर नारेबाजी की। प्रदर्शन में फेडरेशन उपप्रधान शाहाबीर खान, रमेश पहलवान, रणसिंह भडाना, मटरू लाल, सेवानिवृत्त कर्मचारी प्रधान यूसुफ खान, कार्यालय कर्मचारी यूनियन प्रधान नरेश बैंसला, राम बिहारी, प्रमोद रोहिल्ला, राजपाल तेवतिया, शशी अधाना आदि मौजूद थे।

10, 15 साल पुराने वाहन चलाने पर पाबन्दी

प्रदूषण फैलाने वाले इन वाहनों को फरीदाबाद पुलिस करेगी इंपाउंड

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने अपने कार्यालय में हुई बैठक में सड़क सुरक्षा व सुचारू यातायात संचालन के संबंध में पुलिस अधिकारियों को 15 वर्ष से अधिक समय पूरा करने वाले पेट्रोल ईंधन चालित वाहनों और 10 वर्ष से अधिक समय पूरा करने वाले डीजल ईंधन चालित वाहनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

पुराने वाहनों की समस्या व समाधान पर नई वाहन कबाड़ नीति के अनुसार 15 साल पुराने व्यवसायिक वाहनों को स्क्रैप किया जाएगा यानी उन्हें सड़कों पर चलाने की अनुमति नहीं है। जबकि निजी वाहन (पर्सनल व्हीकल) के लिए इस अवधि को 20 वर्ष तय किया गया है, लेकिन दिल्ली-एनसीआर में रहने वालों के लिए यह नियम लागू नहीं है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल का कहना था कि एक डीजल व्हीकल 24 पेट्रोल कारों या 40 सीएनजी व्हीकल्स के बराबर प्रदूषण करता है। जिसके बाद एनजीटी ने दिल्ली-एनसीआर के आरटीओ को ऐसे सभी वाहन डी-रजिस्टर करने का आदेश है। अगर आपकी गाड़ी दिल्ली-एनसीआर में रजिस्टर है और गाड़ी के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट पर 15 साल की वैधता लिखी है, तो भी अगर वह डीजल गाड़ी है तो 10 साल और पेट्रोल गाड़ी है तो 15 साल ही चल सकेगी। दिल्ली एनसीआर में राजधानी दिल्ली के अलावा हरियाणा के 13 जिले फरीदाबाद, गुरुग्राम, मेवात, रोहतक, सोनीपत, रेवाड़ी, झज्जर, पानीपत, पलवल, चरखी-दादरी के साथ भिवानी, महेंद्रगढ़, जिंद और करनाल आते हैं। इन जिलों में भी 10 और 15 साल वाला नियम लागू होगा। अगर आप का डीजल वाहन 10 साल और पेट्रोल वाहन 15 साल की उम्र पूरी कर चुका है तो तुरंत उसे स्क्रैप (समाप्त) करा दें, सड़क पर निकाला तो कार्रवाई होगी।

ऐसे वाहनों को कोई रियायत नहीं मिलेगी और मालिकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी। जिसमें पकड़े जाने पर गाड़ी जब्त और 10 हजार का जुर्माने का प्रावधान है। वाहन सड़क पर नहीं चल सकेगा, उसे स्क्रैप कराना होगा। वाहन मालिक अपने ऐसे वाहनों को स्क्रैप करा लें जिनके परिचालन नहीं हो सकता। प्राइवेट व्यक्ति या कबाड़ी से वाहन को स्क्रैप न कराएं, ध्यान देने की बात यह है कि सरकार से अधिकृत एजेंसियों के अलावा किसी प्राइवेट व्यक्ति या कबाड़ी से वाहन को स्क्रैप नहीं कराएं। यह कानून का उल्लंघन है। ऐसे वाहनों को दिल्ली-एनसीआर से बाहर दूसरे शहर में बेच सकते हैं। 20 साल वाली नीति दिल्ली-एनसीआर के बाहर लागू है और गाड़ी का खरीदार अगले 10-11 साल तक पुरानी गाड़ी चला सकता है।

भगवान विश्वकर्मा पूजा में पूर्व विधायक रही मुख्य अतिथि

बल्लभगढ़। पूर्वाचल सेवा समिति ने सेक्टर 3 में विश्वकर्मा जयंती का आयोजन किया। भगवान विश्वकर्मा की पूजा के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। पूर्व विधायक शारदा राठौर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

समिति के सदस्यों ने उनका पगड़ी और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। शारदा राठौर ने सभी को विश्वकर्मा दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा शिल्प कला और अन्य हस्त कलाओं के प्रवर्तक थे। उन्होंने भगवान कृष्ण के लिए द्वारिका में महल वह पांडवों के लिए इंद्रप्रस्थ में महल बनाए। भगवान विश्वकर्मा सभी देवताओं के लिए अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण करते थे। सभी कामगारों पर भगवान विश्वकर्मा की कृपा बनी रहे। पूर्वांचल से आए लोगों का प्रदेश की अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान है।

कृषि राज्य मंत्री ने कहा, फोर्टिफिकेशन के जरिये पोषक तत्वों की कमी को दूर करने की दिशा में काम कर रही सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले 30 वर्षों में विश्व की जनसंख्या में दो अरब की वृद्धि होने का अनुमान है, जिससे मौजूदा 7.7 अरब की आबादी 2050 तक बढ़कर 9.7 अरब हो जाएगी। भारत की जनसंख्या चीन से आगे निकल जाने का अनुमान है और यह 1.3 अरब से बढ़कर 1.6 अरब हो जाएगी। सूक्ष्म पोषक तत्वों के बिना उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग वैश्विक आबादी को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ी चिंता का विषय है।

सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी और देश की खाद्य व पोषण सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा करने के लिए इंटरनेशनल जिंक एसोसिएशन (आईजेडए) ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) और इंडिया लीड जिंक डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईएलजेडडीए) से साझेदारी में जिंक उर्वरक और खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए कच्चे माल पर एक वर्चुअल राउंडटेबल की मेजबानी की।

कार्यक्रम के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, आईजेडए, अमेरिका के डॉ. एंड्रयू ग्रीन, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीईओ अरुण मिश्रा, इंडिया लीड जिंक डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईएलजेडडीए) के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एल पुगाजेंती उपस्थित रहे।

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फोर्टिफाइड क्रॉप की आपूर्ति एवं फर्टिलाइजर सब्सिडी समेत विभिन्न कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'जिंक जैसे माइक्रो न्यूट्रिएंट का नहीं होना फसलों पर सीधा प्रभाव डालता है, जो खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरा है। हम मृदा परीक्षण के लिए व्यवस्था को मजबूत करने, माइक्रोन्यूट्रिएंट फर्टिलाइजर्स को विकसित करने के लिए जरूरी रिसर्च एवं डेवलपमेंट करने और संबंधित लोगों में जागरुकता लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। हम अगले कुछ वर्षों में इस लक्ष्य को पाने की उम्मीद कर रहे हैं।'

अपने संबोधन में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा, 'महामारी के इस दौर में हमारी इम्युनिटी को बढ़ाने और हमारी सुरक्षा करने में जिंक की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमारे रोजाना के भोजन में इस महत्वपूर्ण माइक्रोन्यूट्रिएंट की कमी सभी के लिए चिंता की बात है और सभी को फूड फोर्टिफिकेशन की दिशा में मिलकर काम करना होगा। हमने आईजेडए से साझेदारी की है और नए उत्पादों व टेक्नोलॉजी के लिए शोध कर रहे हैं, जिससे जिंक को जिंक फर्टिलाइजर उत्पादन के लिए कच्चे माल में बदला जा सके। हमने राजस्थान के उदयपुर में जिंक फर्टिलाइजर ट्रायल भी शुरू किया है।'

संक्षिप्त समाचार

केएल मेहता कॉलेज में लगा वैक्सरीन शिविर

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित केएल मेहता महिला महाविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस तथा एनएसएस इकाइयों द्वारा आयोजित शिविर में लगभग सात सौ लोगों ने कोरोना से बचाव का इंजेक्शन लगवाया। शिविर में चीफ गेस्ट के मौके पर बड़खल विधायक सीमा त्रिखा, महाऋषि दयानंद एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन प्रेजीडेंट आनंद महता, उनकी धर्मपत्नी शुभ महता जोकि कॉलेज में डायरेक्टर सेल्फ फाइनेंस के पद पर तैनात हैं, मुख्य रूप से मौजूद रहीं। इन सभी का कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. वंदना मोहला ने बुके देकर स्वागत किया। कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं ने भी टीके लगवाये। डॉ. वंदना मोहला और स्टाफ ने शिविर को सफल बनाने के लिए पूर्ण योगदान दिया।

शिवालिक ग्रुप ने फहराया 105 फीट का तिरंगा

फरीदाबाद। शिवालिक ग्रुप द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर आयोजित नेशनल फ्लैग होस्टिंग सेरेमनी में शिवालिक ग्रुप ने 105 फीट ऊंचा तिरंगा कंपनी में फहराया। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा, विधायक नरेन्द्र गुप्ता, शिवालिक ग्रुप से नरेंद्र अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल सहित शहर के गणमान्य इंडस्ट्रिज के लोग मौजूद रहे। मूलचन्द शर्मा ने कहा कि तिरंगा 135 करोड़ जनता का सम्मान और उसकी शान है इस तिरंगे में देश की आन बान शान बसती है।

आरपीसीए स्टोर ने कृष्णा नर्सिंग होम को 88 रन से हराया

फरीदाबाद। रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी मैदान पाली में प्रैक्टिस मैच खेला गया। मैच में आरपीसीए स्टोर ने कृष्णा नर्सिंग होम को 88 रन से हरा दिया। बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि आरपीसीए स्टोर ने टॉस जीत कर पहले खेलते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 173 रन बनाए। पीयूष श्रीवास्तव 62 रन, प्रबल शर्मा ने 29 रन, अंशुल यादव ने 18 रन, सिद्धांत शर्मा ने 17 रन बनाए। कृष्णा नर्सिंग होम के चमन भाटी ने चार विकेट, रोहित शर्मा ने एक विकेट ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए कृष्णा नर्सिंग होम की टीम 17.4 ओवर में 10 विकेट में 85 रन ही बना सकी। रिजवान खान ने 23 रन, मोहित ने 19 रन, पवन ने 12 रन बनाए। आरपीसीए स्टोर टीम के आर्यन बैसोया ने चार विकेट, सिद्धांत शर्मा ने तीन विकेट, जय डागर और रुस्तम एक-एक विकेट ली। मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पीयूष श्रीवास्तव को मिला।

साहिल ने जेवेलिन थ्रो में स्वर्ण पदक जीता

फरीदाबाद। एथलेटिक्स हरियाणा के मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन 15 से 19 सितम्बर तक जेएन स्टेडियम वारंगल तेलंगाना में किया जा रहा है। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव राजकुमार मिटान ने बताया कि साहिल सिलवाल चरखी दादरी ने 77 मीटर 79 सैंटीमीटर जेवेलिन थ्रो कर इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर हरियाणा राज्य का मान बढ़ाया। एथलेटिक्स हरियाणा टीम कोच रोहताश सिवाच और टीम मैनेजर सत्यवीर धनखड़ ने पदक विजेता खिलाड़ियों को आशीर्वाद प्रदान किया। एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला, कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान सिंह भादू और महासचिव राजकुमार मिटान ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान कीं।

कोरोना के दो मरीज आए पॉजिटिव

फरीदाबाद। जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को दो नए संक्रमित मरीज सामने आए हैं। जिससे जिले में कोविड-19 के एक्टिव केसों की संख्या छह हो गई। वहीं जिले में फिलहाल कोविड-19 का आंकड़ा 99843 पर पहुंच गया। वहीं जिले में पिछले 24 घंटों में 2327 लोगों ने जांच करवाई। जिसमें सरकारी के 1567 मरीजों की रिपोर्ट और निजी लैब में लिए गए 438 सैम्पलों की रिपोर्ट आनी शेष है।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांच	: 1115528
अब तक पॉजिटिव	: 99843
अब तक नेगेटिव	: 1013680
रिपोर्ट आनी शेष	: 2005
अब तक मौत	: 716
अब तक ठीक	: 99121

फौगाट स्कूल की पायल ने जीता सर्वश्रेष्ठ वक्ता का खिताब

फरीदाबाद। सेक्टर 56 फरीदाबाद स्थित फौगाट पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में आयोजित 7वीं इंटरस्कूल जिलास्तरीय हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में चौदह प्रतिभागी स्कूलों के 28 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रथम स्थान ठाकुर राम आर्य कन्या व. मा. विद्यालय को मिला। शिवा पब्लिक सी से स्कूल सीकरी द्वितीय स्थान पर और कुंदन ग्रीन वैली स्कूल फरीदाबाद तृतीय स्थान पर रहे। फौगाट स्कूल की छात्रा पायल को सर्वश्रेष्ठ वक्ता चुना गया। निर्णायक मंडल में टीडी दिनकर, सुशील शास्त्री और स्नेहलता था टाइमकीपर की भूमिका में कुमार अमरेन्द्र उपस्थित थे। प्रतियोगिता का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलित कर आईआरएस डालचंद (उपायुक्त जीएसटी) ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में सफलता पाने के सूत्र और कड़ी मेहनत के परिणाम पर चर्चा की और फौगाट स्कूल प्रबंधन के इस प्रकार के सकारात्मक साहित्यवर्धन कार्यक्रम के लिए बधाई दी। अपने पूर्वजों की याद में ऐसे कार्यक्रम करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। स्कूल प्रधानाचार्य निकेता सिंह, संस्थापक चौधरी रणधीर सिंह, निदेशक डॉ. सतीश फौगाट भी उपस्थित थे। डॉ. सतीश फौगाट ने बताया कि हमारे कायक्रम के जरिए हम बच्चों भय निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

अफगान जनता की स्थिति

आतंक और भूख

आतंक के साथ ही भूख और पोषण की कमी अफगान जनता को परेशान कर रही है। समय आ गया है कि अफगानिस्तान में भूख और आतंक के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया जाए। राहत गतिविधियों में लगे संरा. संगठनों की गतिविधियां प्रभावित होने के कारण लाखों लोगों के जीवन पर संकट मंडरा रहा है क्योंकि विशाल ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूद भोजन का स्टाक एक महीने से अधिक नहीं चल सकता है। ऐसे में भूख और पोषण की कमी देश की अर्थव्यवस्था को रसातल में ले जा रहे हैं। शहरी दूकानों में भी आवश्यक वस्तुओं का भंडार समाप्त हो रहा है। सब्जियों की कमी से इनकी कीमतें दूनी हो गई हैं। 15 अगस्त को तालिबान के सत्ता पर कब्जे के बाद से लोग घबराहट में खरीदारी कर रहे हैं जिससे दूकानों का सामान समाप्त हो रहा है तथा उनमें नया सामान नहीं आ रहा है। आटा और तेल की कीमतें पहले ही गरीबों की पहुंच से बाहर हो गई हैं। गांवों में स्थिति और खराब है जहां गरीब लोग भविष्य में बीज के लिए एकत्र गेंहू व अन्य अनाज खा रहे हैं। वैसे भी सूखा और अकाल कई बार इस देश को अपना शिकार बना चुके हैं। भूख के साथ ही जनसंख्या के बड़े हिस्से के पलायन का खतरा है। अगस्त के पहले ही लड़ाई के कारण 6,00,000 से अधिक अफगानों को अपने घर छोड़ने पड़े थे। संरा. एजेंसियों का अनुमान है कि लगभग 3.5 मिलियन लोग आंतरिक विस्थापन का शिकार हैं। कम से कम 10 मिलियन बच्चों का बड़ा हिस्सा कुपोषित है और वे जीवित रहने के लिए भी मानवीय सहायता पर निर्भर हैं। संरा. विश्व खाद्य कार्यक्रम ने कहा है कि अनेक अफगानों के पास समुचित भोजन खरीदने के लिए पैसा नहीं है। इसका कारण बैंकों का 15 अगस्त के बाद से बंद रहना है। तालिबान अब बैंकों से बात कर रहे हैं कि वे अपनी शाखायें खोलें, लेकिन उन्होंने बैंकों से साप्ताहिक निकासी की सीमा 200 डालर तय कर दी है।

अफगानिस्तान के अर्थशास्त्री अब निर्वासित हैं। उन्होंने जोर दिया है कि वर्तमान स्थिति से मुद्रा कमजोर हो सकती है, मुद्रास्फीति बढ़ सकती है तथा पूंजी से नियंत्रण समाप्त हो सकता है। अधिकांश सिविल कर्मचारियों को महीनों से वेतन नहीं मिला है। बहुत से अन्य लोगों का दावा है कि तालिबान के सत्ता पर कब्जे के बाद उनके वेतन में 75 प्रतिशत तक की भारी कटौती की गई है। इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि तालिबान को इन स्थितियों से चिन्ता है। उनकी ओर से कोई कारगर आर्थिक फैसला सामने नहीं आया है। उनका योगदान केवल संकट से निपटने के लिए कुछ अनजान अधिकारियों को केन्द्रीय बैंक का नेतृत्व सौंपने तक सीमित है। उनके कामकाज के बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन तालिबान नेताओं को इससे फर्क नहीं पड़ता है क्योंकि कहा जाता है कि उनके पास अफीम व अन्य नशों के व्यापार से काफी पैसा एकत्र हुआ है। वे आंतरिक झगड़ों में उलझे हैं जो अंतरिम व्यवस्था की घोषणा के बाद से तीखे हुए हैं। तालिबान अपने अस्तित्व की बहस में उलझे हैं जो शहरी राजनीतिक शक्तियों तथा कट्टरपंथी सशस्त्र कमांडरों के बीच है और जिनका प्रतिनिधित्व मुल्ला अब्दुल गनी बरादर व खलीलुर रहमान हक्कानी कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या तालिबान बाकी दुनिया के साथ एक खेल खेलते हुए उसे आर्थिक व्यवस्था बहाल करने के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। क्या वे प्रतीक्षा कर रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पुनर्वास कार्यों के लिए पैसा दे? अथवा क्या वे अंतरिम सरकारी व्यवस्था को मान्यता मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं? इसका संबंध अफगान सरकार की अरबों डालर की परिसंपत्तियां फ्रीज होने से है जिन पर केवल मान्यता प्राप्त सरकार को ही अधिकार मिल सकता है।

भारतीय कृषि के समक्ष चुनौतियां

भारत दुनिया के पास दुनिया की कृषि शक्ति बनने की क्षमता है, पर वर्तमान समय में हम उसका केवल एक हिस्सा प्रयोग कर रहे हैं तथा बाकी बेकार जा रहा है।

सुभाष चंद्र पांडेय
(लेखक भारत सरकार के पूर्व विशेष सचिव हैं)

वर्तमान समय में कृषि पर सार्वजनिक विमर्श उसकी मार्केटिंग व्यवस्था पर केन्द्रित है जिसकी पृष्ठभूमि पिछले साल पास हुए तीन विवादास्पद कृषि कानून हैं। इस वर्ष के प्रारंभ में सर्वोच्च न्यायालय ने इनके क्रियान्वयन पर अस्थाई स्थगनादेश देते हुए एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त की थी जिसकी रिपोर्ट मार्च से स्वीकृति की प्रतीक्षा कर रही है। सरकार ने कानून में विशिष्ट परिवर्तनों के सुझाव मांगे थे, पर इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया तथा प्रदर्शनकारी इन कानूनों को पूरी तरह समाप्त करने की जिद कर रहे हैं। यह मुद्दा अब पूरी तरह राजनीतिक हो गया है। केवल मार्केटिंग पर ध्यान केन्द्रित होने से पानी का बढ़ता संकट, मृदा क्षरण व पर्यावरण क्षरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान नहीं जा रहा है। वर्तमान कृषि व्यवहारों के कारण खासकर हवा में नाइट्रोजन प्रदूषण तथा जल प्रदूषण बढ़ रहा है। इन मुद्दों और सरोकारों पर की चर्चा जरूरी है। महामारी से ग्रस्त दुनिया में समयबद्ध रूप से भूख और कुपोषण को 2030 तक समाप्त करना अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता तथा संयुक्त राष्ट्र टिकाऊ विकास लक्ष्यों-एसडीजी में शामिल है जिसे पर्यावरणीय हितैषी तरीके से करना है। जल्द ही वैश्विक तैयारियों की समीक्षा के लिए खाद्य व्यवस्था सम्मेलन होने वाला है। सबके लिए सुरक्षित व पोषक खाद्य प्राप्त करने, टिकाऊ उपभोग पैटर्नों के विकास, प्रकृति के प्रति सकारात्मक उत्पादन, समतापूर्ण आजीविकाओं को बढ़ावा तथा जोखिमों, आपातस्थितियों व दबावों से निपटने की व्यवस्था करने की आवश्यकता है।

हालांकि, भारत ने अपने प्रचुर अन्न भंडारों के प्रयोग का प्रस्ताव अत्यधिक भूख से निपटने के लिए किया है, पर भारत ज्यादा कुछ नहीं कर सकता है। भारत दुनिया के पास दुनिया की कृषि शक्ति बनने की क्षमता है, पर वर्तमान समय में हम उसका केवल एक हिस्सा प्रयोग कर रहे हैं तथा बाकी बेकार जा रहा है। इस बारे में कुछ सुझावों पर गौर किया जा सकता है। 1960 के दशक मध्य तक लगातार सूखे का शिकार होने के कारण भारत 'जहाजों से मुंह तक' वाली अर्थव्यवस्था बन गया था और उसे अमेरिका से पीएल 480 के अंतर्गत मिलने वाले गेंहू की प्रतीक्षा रहती थी। आज भारत चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है तथा चीन के बाद गेंहू व चावल का सबसे बड़ा उत्पादक है। तिलहन और दालों को छोड़ कर भारत अब अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर है। यह उपलब्धि 1960 के दशक में 'हरित क्रांति' से प्राप्त हुई है। लेकिन हरित क्रांति का एक नकारात्मक प्रभाव पोटैशियम व फास्फेरस पाने के लिए अन्य रासायनिक उर्वरकों व मुख्यत: नाइट्रोजन हेतु यूरिया प्रयोग के रूप में सामने आया है। वैज्ञानिक बताते हैं कि दलहनी फसलों की जड़ों में रहने वाले बैक्टीरिया 'नाइट्रोजन स्थिरीकरण' करते हैं। वे वातावरण में मौजूद नाइट्रोजन व नाइट्रोजन यौगिकों का प्रयोग उर्वरकों के रूप में करते हैं। इस प्रकार ये पौधे स्वाभाविक रूप से मृदा में नाइट्रोजन की कमी पूरी करते थे। 'फसल चक्र' के परंपरागत कृषि व्यवहार में अन्य फसलों के बीच दलहनी पौधे लगाए जाते थे जो मृदा में नाइट्रोजन की कमी पूरी करते थे।

हरित क्रांति ने ऐसे अनेक व्यवहार बदल दिए हैं। इससे उत्पादन बढ़ा, लेकिन तीन अन्य प्रभाव भी हुए। पहला, इसका प्रभाव मुख्यत: कुछ अन्नों, मुख्यत: गेंहू व चावल तक सीमित था और यह पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश के कुछ अतिरिक्त जल वाले क्षेत्रों तक केन्द्रित था। लेकिन अब यहां पानी अधिक नहीं है तथा पानी का तल लगातार नीचे गिरता जा रहा है। नई किस्मों के लिए रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों की जरूरत होती है जिनके हवा और पानी में मिलने का खतरा है। चावल, गेंहू और गन्ना की फसलें सिंचाई वाले पानी का 75 से 80 प्रतिशत प्रयोग करती हैं। इस स्थिति में जल के ज्यादा समतापूर्ण वितरण हेतु ज्वार, दालों, तिलहन व बागवानी के रूप में कृषि विविधीकरण की आवश्यकता है। इससे टिकाऊ व पर्यावरण हितैषी खेती का विकास होगा जो पोषण में कमी की समस्या से निपटने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। दालों, फलों व सब्जियों के बजाय अनाजों और गन्ने पर ज्यादा निर्भरता स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है।

इसके बावजूद कुछ दिग्भ्रमित पर्यावरणविदों ने किसानों को पर्यावरणीय रूप से गैर-टिकाऊ तरीके अपना कर अनाजों के अति-उत्पादन के लिए भ्रमित किया है। ऐसे में संरा एजेंसियों-एफएओ, आईएफएडी, डब्ल्यूएचओ, यूनीसेफव डब्ल्यू एफपी द्वारा 13 जुलाई, 2020 को जारी दुनिया में खाद्य सुरक्षा व पोषण स्थिति रिपोर्ट पर गौर करना जरूरी हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम पांच साल से जारी प्रवृत्ति को देखते हुए कुपोषित लोगों की संख्या 2030 तक 84 करोड़ से अधिक हो जाएगी, जबकि एसडीजी लक्ष्यों के अनुसार इसे शून्य पर लाना है। इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों से पैदा पर्यावरण प्रदूषण का मुद्दा भी है। नाइट्रोजन प्रदूषण से ग्लोबल वार्मिंग भी बढ़ रही है।

किसानों को पहले गेंहू व चावल की उत्पादकता में चार से दस गुना वृद्धि की आवश्यकता बताई गई थी। उन्होंने लगातार उर्वरक व खासकर सस्ती यूरिया का प्रयोग बढ़ाना जारी रखा। इससे मृदा का प्राकृतिक स्वास्थ्य नष्ट हुआ तथा उसे यूरिया का 'नशा' हो गया। उर्वरकों की प्रभावक्षमता घटने के कारण किसान न्यूनतम आवश्यकता के बजाय ज्यादा फसल पैदा होने की उम्मीद में अधिक उर्वरक प्रयोग करने लगे। वैज्ञानिकों ने पाया कि फसलें आमतौर से खेतों में छिड़के जाने वाले उर्वरकों से केवल 30 प्रतिशत नाइट्रोजन प्रयोग करती हैं, जबकि बाकी पर्यावरण में मिल कर स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है तथा ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनता है। फसलों तथा पशुपालन को शामिल करने वाली विश्व खाद्य व्यवस्था में "नाइट्रोजन प्रयोग क्षमता" बहुत कम, केवल 15 प्रतिशत है। इसका अर्थ है कि नाइट्रोजन रसायनों का 85 प्रतिशत हवा या भूमिगत जल में मिल जाता है अथवा सतह पर फैल जाता है। इससे हवा, मृदा व ताजे पानी की गुणवत्ता प्रभावित होती है तथा जलवायु परिवर्तन होता है। इस कारण परिस्थितिकी व मानव स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। नाइट्रस आक्साइड अत्यधिक हानिकारक ग्रीनहाउस गैस है जो कार्बन डाईआक्साइड की तुलना में 300 गुना वातावरणीय गरमी रोकती है। भारत में कृषि के कारण लगभग 70 प्रतिशत नाइट्रस आक्साइड उत्सर्जन होता है। भारतीय नाइट्रोजन आंकलन, 2017 के अनुसार इसमें से 77 प्रतिशत का योगदान उर्वरक व मुख्यत: यूरिया करते हैं। भारत में अनाज 69 प्रतिशत नाइट्रोजन उर्वरकों का प्रयोग करते हैं और इस प्रवृत्ति में 1970 से हर साल लगभग 6 प्रतिशत वृद्धि हो रही है।

यूरिया के अत्यधिक उपयोग तथा उसके पर्यावरण पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के कारण नीम-कोटेड यूरिया का महत्वपूर्ण नीतिगत हस्तक्षेप किया गया था। यूरिया पर नीम की कोटिंग से यह पानी में जल्दी नहीं घुलती है तथा मृदा को अतिरिक्त प्राकृतिक कीटनाशक मिलता है। इससे हमें धीरे-धीरे रसायन मुक्त खेती की ओर लौटने का अवसर मिलता है। हम श्रीलंका के रास्ते पर नहीं चल सकते हैं जिसने डालर के गंभीर संकट के कारण रासायनिक उर्वरकों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे खाद्य उत्पादन प्रभावित हुआ है तथा आपातस्थिति लगानी पड़ी है।

रसायन-मुक्त खेती या आर्गेनिक खेती या जीरो बजट प्राकृतिक खेती की ओर परिवर्तन अभी तेज नहीं हुआ है। वर्तमान समय में लगभग 30 लाख किसान 38 लाख हेक्टर कृषि क्षेत्र पर आर्गेनिक खेती करते हैं तथा 7,000 करोड़ की निर्यात व 4,400 करोड़ की घरेलू मांग पूरी करते हैं। घरेलू मांग 17 प्रतिशत की गति से बढ़ रही है। अनुमान है कि आर्गेनिक खाद्य बाजार 2021 के अंत तक 87.1 करोड़ हो जाएगा जो 2016 में 53.3 करोड़ था। आर्गेनिक उत्पादों के निर्यात में पिछले साल की तुलना में 2021 में 42 प्रतिशत वृद्धि हुई है। अप्रैल 2020 से फरवरी 2021 के बीच आर्गेनिक उत्पादों का निर्यात 8,19,250 मीट्रिक टन था जिससे 948 मिलियन डालर मिले।

'श्रेष्ठ नेचुरल बायोप्रोडक्ट' एक टिकाऊ आजीविका उद्यम है जिसने देश के 45,000 से अधिक किसानों को आर्गेनिक खेती से जोड़ा है। कंपनी ने 15 राज्यों में दो लाख एकड़ जमीन पर आर्गेनिक खेती शुरू कराई है। इसके लगभग 200 उत्पाद 10,000 स्टोरों में बेचे जाते हैं तथा '24 मंत्रा' ब्रांड नाम से 50 देशों में निर्यात किए जाते हैं। 'जैविक खेती' वेब पोर्टल बेहतर कीमतों के लिए किसानों को उपभोक्ताओं से जोड़ता है। ये उत्साहवर्धक लेकिन बहुत छोटे कदम हैं। आर्गेनिक खेती को अमीरों की सनक और महंगी माना जाता है और यह उस समय तक जनता में व्यापक नहीं हो सकती है जब तक आर्गेनिक उत्पाद सस्ते तथा प्रमाणित न हों। लेकिन सवाल यह भी है कि किसानों की 'महापंचायतें' भारतीय कृषि के समक्ष मौजूद इन चुनौतियों पर कब चर्चा करेंगी?

पीएम मोदी की दूरदर्शिता एवं करिश्माई नेतृत्व

जासिम मोहम्मद
(लेखक एक प्रोफेसर एवं नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र, अलीगढ़ के संस्थापक अध्यक्ष हैं)

इस साल 17 सितंबर को, जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 71 वर्ष के हो गए, तो उनके प्रशंसकों ने राजनीतिक रेखाओं को काटते हुए खुद को याद दिलाया कि कैसे वह एक दूरदर्शी और करिश्माई राजनेता साबित हुए हैं, जो दूसरों के लिए अनुकरणीय हैं। यहां तक कि उनके विरोधियों को भी स्वीकार करना होगा कि उनकी सार्वजनिक छवि चमकती है, जैसा कि हाल ही में मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वेक्षण से पता चलता है कि उन्हें दुनिया के 13 नेताओं में सबसे लोकप्रिय माना जाता है।

70 प्रतिशत तक की स्वीकृति रेटिंग के साथ, उन्हें सबसे ऊंचे नेता के रूप में ताज पहनाया गया, उसके बाद मैक्सिकन राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर 64 प्रतिशत के स्कोर के साथ थे। उसके बाद इटली के प्रधान मंत्री मारियो ड्रैगी (63 प्रतिशत), जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल (52 प्रतिशत), अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन (48 प्रतिशत), ऑस्ट्रेलियाई पीएम स्कॉट मॉरिसन (48 प्रतिशत), कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो (45 फीसदी), यूके के पीएम बोरिस जॉनसन (41 फीसदी), ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो (39 फीसदी), दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे-इन (38 फीसदी), स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज (35 फीसदी) और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों (34)।

इसमें कोई शक नहीं, 24 सितंबर को जब मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करेंगे, तो उनके राष्ट्रपति बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार अफगानिस्तान सहित विषयों पर द्विपक्षीय वार्ता के लिए राष्ट्रपति बिडेन से मिलने की संभावना है। कई कारण हैं कि मोदी ने विश्व स्तर पर यह हासिल किया है जो कई अन्य भारतीय पीएम विफल रहे। उनमें से एक सार्वभौमिक दूरदर्शिता है जिसका श्रेय उन्हें दिया जाता है। वह आगे आने वाली चुनौतियों का पूर्वाभास कर सकता है और उनके लिए समाधान तैयार कर सकता है। इस गुण ने उन्हें न केवल अपने पूर्ववर्तियों से अलग बना दिया बल्कि उन्हें अन्य शीर्ष विश्व नेताओं से आगे रखा। कोविड-19 महामारी का ही मामला लें, जिसने पिछले साल दुनिया को ठप कर दिया था। घर पर

विपक्षी दलों की आलोचना का सामना करते हुए, मोदी एक वैश्विक मसीहा के रूप में उभरे और यह सुनिश्चित करते हुए कि भारतीयों को टीके की आपूर्ति प्रतिकूल रूप से प्रभावित न हो, टीकों के साथ अन्य देशों तक पहुंचे। यदि यह पर्याप्त नहीं था, तो उन्होंने 9 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता में स्वास्थ्य को प्रमुख वैश्विक एजेंडा में बदल दिया। उन्होंने विकास की दुनिया से परे फार्मा और वैक्सीन उत्पादन क्षमताओं में विविधता लाने के द्वारा टीकाकरण की गति और पहुंच को बढ़ाकर 'बिल्डबैक' को तेज करने की आवश्यकता पर बल दिया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मेजबान के रूप में मोदी की एक और बड़ी सफलता आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक रुख और अमेरिका द्वारा सैनिकों की वापसी के बाद अफगानिस्तान में नाटकीय रूप से सामने आई अभूतपूर्व स्थिति के बारे में चीनी राष्ट्रपति शी जिंगपिंग की उपस्थिति में उनकी पुष्टि थी। कम्युनिस्ट चीन के रुख के मद्देनजर, जिसने न केवल व्यावसायिक हितों के लिए बल्कि गुप्त रणनीतिक उद्देश्यों के लिए भी अफगानिस्तान में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए पाकिस्तान के साथ तालिबान के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है, एक ऐसा विकास जो भारत के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। मोदी चतुराई से चार अन्य देशों को नई दिल्ली घोषणा से जोड़ने में सफल रहे हैं।

संयुक्त प्रस्ताव ने रेखांकित किया : ''हम अफगानिस्तान में नवीनतम घटनाओं का पालन करते हैं। हम हिंसा से बचने और शांतिपूर्ण तरीकों से स्थिति को सुलझाने का आह्वान करते हैं। हम स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक समावेशी अंतर-अफगान वार्ता को बढ़ावा देने में योगदान करने की आवश्यकता पर बल देते हैं, देश में नागरिक शांति, कानून और व्यवस्था। हम हामिद करजई काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास आतंकवादी हमलों की कड़ी शब्दों में निंदा करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में मौतें और घायल हुए। हम आतंकवाद से लड़ने की प्राथमिकता को रेखांकित करते हैं, जिसमें आतंकवादी के प्रयासों को रोकना भी शामिल है। संगठनों को अफगान क्षेत्र को आतंकवादी अभयारण्य के रूप में उपयोग करने और अन्य देशों के खिलाफ हमले करने के लिए, साथ ही साथ अफगानिस्तान के भीतर नशीली दवाओं के व्यापार के लिए। हम मानवीय स्थिति को संबोधित करने और महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों सहित मानवाधिकारों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हैं।''

गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले रूस और भारत ने नई दिल्ली में एनएसए स्तर की वार्ता के दौरान अफगानिस्तान पर आपस में समन्वय स्थापित करने पर चर्चा की थी। नई दिल्ली की घोषणा में मोदी की ओर से पाकिस्तान के लिए एक परोक्ष लेकिन कड़ी चेतावनी भी दी गई है, जो ब्रिक्स का हिस्सा नहीं है, लेकिन चीन के साथ जुड़ा हुआ है और तालिबान जैसे आतंकवादी संगठन का समर्थन करके अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई और भारत के अनुकूल सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है।

सैन्य रूप से अगर चीन, पाकिस्तान के इशारे पर, भविष्य में भारत को निशाना बनाकर अफगानिस्तान से कोई शरारत करने की हिम्मत करता है, तो मोदी और तीन अन्य देशों के नेताओं को समझौते के उल्लंघन के लिए जिनपिंग का सामना करने का पूरा अधिकार होगा। और यह निश्चित रूप से बीजिंग या इस्लामाबाद के नेताओं के लिए अच्छा अनुभव नहीं होगा।

आप की बात

सामाजिक भेदभाव

समाज प्रकृति में क्षणिक है, जो लोगों को अपनी सोच, मानसिकता और जीवन शैली को विकसित करने की मांग करता है। समाज के सच्चे प्रतिनिधि उसके लोग हैं, जिनका कर्तव्य भेदभावपूर्ण रहित प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान करना होता है। लेकिन जब हम जमीनी हकीकत देखते हैं तो बात कुछ और ही होती है, लोग समाज में खुद को हैसियत में बांटते नजर आते हैं। दरअसल सामाजिक भेद कई प्रतिभाशाली लोगों की प्रतिभा का गला घोट देता है और ये सिलसिला पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहता है। यही कारण है की समाज का एक तबका अपनी आकांक्षाओं को कुचलकर जीने पर मजबूर है। असल में भेद का भाव रखना अनुचित कहलाता है, ये समाज को अंदर से खोखला कर देता है तथा सामाजिक मूल्यों को प्रभावित करता है। पिछड़े वर्ग, उनकी क्षमताओं को प्रोत्साहित करने और ऐसी अजीब मानसिकता को हतोत्साहित करने के लिए हमें अपने घरों से ही शुरुआत करने की जरुरत है। ये चीजें पीढ़ी दर पीढ़ी चलती हैं, हमें अपने बच्चों को सिखाना होगा कि किसी भी स्थिति में वह किसी के साथ भेदभाव न करें। समाज के प्रतिनिधि होने के नाते यह हमारा फर्ज है कि हम उस वर्ग को आगे लेकर आए जो पिछड़ा हुआ है।

- **निखिल रस्तोगी**, कुरुक्षेत्र विवि

फैल रहा आतंक का जाल

पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी आई एस आई समर्थित मॉड्यूल के 6 आतंकियों को ए टी एस ने उप्र के चार शहरों से गिरफ्तार करने के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सौंप दिया गया। दिल्ली पुलिस ने यूपी पुलिस को छह आतंकियो के सक्रिय होने की खबर दिया था। मंगलवार को रायबरेली, लखनऊ, प्रतापगढ़ और प्रयागराज में छापे मारी कर 6आतंकियों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में विस्फोटक व असलहे बरामद किया। पकड़े गए जीशान ने पाकिस्तान जाकर आतंकी कंप में प्रशिक्षण लिया था। दिल्ली और यूपी पुलिस लगातार छापेमारी कर कानपुर में आतंकियो को पकड़ने की कोशिश कर रही है। सभी भीड़भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग और संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। पकड़े गए आतंकी आई एस आई व अंडरवर्ड से जुड़े थे। जो देश में खौफनाक संसद जैसी घटनाओं को अंजाम देना चाहते थे। इन आतंकियों को पाक में आतंकी कैम्प में प्रशिक्षण देकर जेहादी बनाया गया था। पाकिस्तान में पाकिस्तान गुप्तचर एजेंसी और सेना लश्कर ए तैयबा व जैश ए मोहम्मद को भी थट्टा इलाके में बने कैम्प में प्रशिक्षण दिया जाता है।

- **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

पत्रलेखन और साहित्य

हस्त लिखित कला में पत्र लेखन विधा कम्प्यूटर युग में खो सी जाने लगी है। सबकुछ कम्प्यूटर में आनलाइन उपलब्ध होने लगा है। ईमेल के चलते पत्र लेखन के प्रति लोगों की रुचि अब खत्म होती नजर आ रही है। सुन्दर अक्षरों की लिखावट के शालाओं में अंक दिए जाते थे। साथ ही सुन्दर लेखन की तारीफें होती थी। जो जीवन पर्यन्त तक साथ रहती थी। सुन्दर लेखन प्रतियोगिता भी होती थी ,अब ये विधा शायद विलुप्ति की कगार पर जा पहुंची है। किन्तु अब एक आशा की किरण में एक नई ऊर्जा का समावेश हुआ। पत्र लेखन को विलुप्त होने से बचाने पत्र लेखन विधा और साहित्यिक किताबों के प्रति अनुराग को हमें जारी रखना होगा।साहित्य एक सागर के समान है। जितना ज्ञान प्राप्त करेंगे ज्ञानार्जन में वृद्धि होगी। पत्र लेखन में नए विचारों का उदय होता वही साहित्यिक किताबें ता उम्र तक साथ इंसानों को देती है। बस इनके लिए लिखना, पढ़ना जारी रखना होगा। बेहतर होगा आने वाली पीढ़ी इस शौक को बरकार रख सकें।

- **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

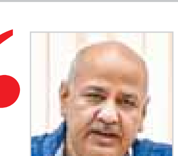

सत्ता में आने के 24 घंटे के भीतर आप यूपी में हर एक व्यक्ति को आवासीय उपयोग के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली मुहैया कराएगी।

- **मनीष सिसोदिया**
दिल्ली के उपमुख्यमंत्री

हम किराए की बंदूक की तरह थे। हमें अफगानिस्तान में अमेरिका को युद्ध जीत दिलाना था, जो हम कभी नहीं कर सके।

- **इमरान खान**
पाक वज़ीरे आज़म

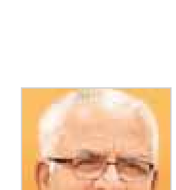

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से हरियाणा में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और अन्य राज्यों के साथ इसकी कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

- **मनोहर लाल खट्टर**
हरियाणा के मुख्यमंत्री

दिव्यांग बच्चों से मिले मुख्यमंत्री, बांटे उपहार

दिव्यांग शब्द पीएम मोदी की देनः योगी आदित्यनाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर सीएम योगी आदित्नाथ ने आज राजकीय बालक एवं बालिका विशेषीकृत गृह स्थित निर्वाण पुनर्वास केन्द्र पहुंच कर मानसिक मंदित एवं दिव्यांग बच्चों को उपहार भेंट किये और बच्चों से बातचीत की। इस मौके पर उन्होने कहा कि दिव्यांग शब्द भी प्रधानमंत्री की देन है। श्री योगी ने कहा कि दिव्यांगजन के प्रति प्रधानमंत्री के लगाव को ध्यान में रखते हुए उनके 71वें जन्मदिन के अवसर पर आज से लेकर 7 अक्टूबर तक सेवा सत्कार का 20 दिवसीय सेवा समर्पण कार्यक्रम प्रारम्भ हो रहा है। उन्होंने दिव्यांग बच्चों के पास जाकर उन्हें उपहार स्वरूप फल की टोकरी व बैग प्रदान किए तथा उनसे उनका कुशलक्षेम भी पूछा। निर्वाण पुनर्वास केन्द्र पहुंचने के बाद उन्होंने केन्द्र का निरीक्षण किया तथा दिव्यांग बच्चों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने देशभक्ति गीत भी प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री द्वारा संस्था की विजिटर्स पुस्तिका में अपने विचार अंकित किये गये। उन्होंने पुस्तिका में लिखा कि निर्वाण पुनर्वास केन्द्र में आकर मानवीय सेवा का अद्भुत कार्य देखाए अत्यन्त अभिभूत करने वाला है। दिव्यांगजन के प्रति हमारा दृष्टिकोण अत्यन्त संवेदनापूर्ण एवं मानवीय होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस सम्बन्ध में अनेक कदम उठाये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जने जन्म दिन पर आज का यह कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण हैए क्योंकि वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने देश को विभिन्न क्षेत्रों में एक नई दिशा दी। प्रधानमंत्री ने सन्देश दिया कि दिव्यांगजन के अन्दर भी प्रतिभा है। उस प्रतिभा को समाज व देश के लिए उपयोगी बनाने के लिए उन्हें उचित मंच देना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 7 वर्षो मे दिव्यांगजन से सम्बन्धित जितने भी कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं आजादी के बाद से लेकर वर्ष 2014 तक इतने कार्यक्रम नहीं हुए। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने का उनका उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को प्रधानमंत्री की ओर से उज्ज्वल भविष्य के प्रति आश्वस्त करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्वाण पुनर्वास केन्द्र अपनी बेहतर सेवा तथा मानवता के कल्याण के लिए समर्पित है। दिव्यांग बच्चों के प्रति हमारी सहानुभूति होनी चाहिए। इन्हें आगे बढ़ाने के लिए हमें हर सम्भव मदद देनी चाहिए। संस्था द्वारा प्रत्येक बच्चे को आगे बढ़ाने के लिए उनके साथ पूरी सहानुभूति व संवेदना पूर्ण व्यवहार करना चाहिए। संस्था को यह ध्यान देना होगा कि दिव्यांग बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की अवांछनीय घटना घटित न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्था यहां पर एक इन्टीग्रेटेड सेन्टर खोलना चाहती है। प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में ही 5 ऐसे सेन्टर खोलने का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। इस पर कार्यवाही भी प्रारम्भ हो चुकी है।

बारिश की तबाही में पीड़ितों को तुरंत मदद देंः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दो दिनों की रिकार्ड बारिश से हुये नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अहम बैठक करके ताजा हालात की समीक्षा की और उन्होने पीडित परिवारों की तत्काल मदद किये जाने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहत कार्य पूरी सक्रियता से संचालित करने तथा प्रभावितों को तत्परतापूर्वक मदद एवं राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि जहां कहीं भी जल भराव हुआ है, उन क्षेत्रों में तत्काल जल निकासी की व्यवस्था की जाए। नगरीय निकायों द्वारा पूरी क्षमता के साथ जल निकासी के प्रबंध किए जाएं। ग्रामीण इलाकों में भी इसी प्रकार जल जमाव की समस्या का समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संक्रामक रोग न फैलने पाएं, इसके लिए सभी जरूरी इंतजाम किये जायें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राथमिक/ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा जिला अस्पतालों में डॉक्टरों, पैरामेडिक्स सहित सभी आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनाये रखी जाए। एन्टी रेबीज इंजेक्शन तथा एन्टी स्नेक वेनम सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध रहे।

उन्होंने शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में फॉगिंग और एन्टी लार्वा स्प्रे करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को सक्रियतापूर्वक पीड़ितों की मदद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि आपदा के प्रभावितों को तत्काल अनुमन्य आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए।

शराब माफियाओं के खिलाफ आबकारी विभाग का अभियान जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● इस माह अब तक 1212 अभियुक्त गिरफ्तार, 67973 लीटर अवैध शराब बरामद

अपर मुख्य सचिव, आबकारी संजय आर. भूसरेड्डी के निर्देशन में अवैध शराब के कारोबार में लिप्त माफिआओं के खिलाफ आबकारी विभाग का अभियान लगातार जारी है। अभियान के तहत इस माह अब तक प्रदेश में 3114 मामले अवैध शराब के पकड़े गए, जिसमें 67,973 लीटय अवैध शराब बरामद की गयी तथा शराब बनाने के लिए तैयार किये गये 3,19,718 किग्रा लहन को मौके पर नष्ट किया गया। अवैध मदिरा के कार्य में संलिप्त 1212 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा 25 वाहन जब्त किये गये। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि दैनिक प्रवर्तन कार्यवाही के दौरान बीते दो दिनों में प्रदेश में 315 मुकदमे दर्ज किये गयेए जिसमें 7,186 लीण् अवैध शराब की बरामदगी की गयी तथा लगभग 32,387 किण्ग्राण् लहन एवं कई भट्ठियों को मौके पर नष्ट किया गया। शराब के कारोबार में संलिप्त 120 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम एवं आईपीसी की सुसंगत धाराओं में कार्यवाही की गयी तथा 5 वाहन जब्त किया गया। आबकारी आयुक्त सेंथिल पांडियन सी. ने बताया कि दैनिक प्रवर्तन कार्यवाही में प्रदेश में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के निर्माणए बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार छापेमारी की जा रही है। इसके अतिरिक्त अन्य राज्यों से आने वाले अवैध शराब की रोकथाम के लिये राज्य की सीमाओं पर लगातार चौकसी बरती जा रही है।

भाजपा के संकल्प पत्र में 70 लाख रोजगार देने का वादा हवा-हवाईः सचिन रावत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सचिन रावत ने कहा कि आज प्रदेश चौतरफा अव्यवस्था से जूझ रहा है। विकास अवरुद्ध है। जनता आर्थिक रुप से टूट चुकी है। छात्रए नौजवान बेरोजगारी की मार झेल रहे है। भाजपा और मुख्यमंत्री योगी ने पिछले चुनाव से पहले प्रदेश की जनता से घूम-घूमकर पांच साल में 70 लाख यानि 14 लाख रोज़गार प्रतिवर्ष देने का वादा किया थाए पर साढ़े 4 साल बीत जाने के बाद मुख्यमंत्री योगी खुद 4 लाख रोजगार देने की बात कर रहे हैं, हालांकि इसमें भी आंकड़ों की हेराफेरी की गयी है। कांग्रेस पार्टी ने आरटीआई के माध्यम से सरकार से सवाल पूछा था कि 4 लाख रोजगार किन विभागों में दिये गये हैं। सरकार का जवाब आया कि डाटा उपलब्ध नहीं है। योगी सरकार बड़ी.बड़ी होर्डिंग लगाकर रोज़गार देने का झूठा प्रचार कर रही है। हक़ीक़त ये है कि प्रदेश में बेरोजगारी की स्थिति बहुत भयावह है। कांग्रेस प्रवक्ता सचिन रावत ने बताया कि सेन्टर फॉर मानिटरिंग इंडियन इकोनामी ने कहा है कि नौकरी पेशा व्यक्तियों की कुल संख्या जुलाई में लगभग 40 करोड़ से घटकर अगस्त में 39.7 करोड़ हो गयी। विशेष रुप से 13 लाख नौकरियों का नुकसान अकेले ग्रामीण भारत में हुआ है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में बेरोजगारी की दर तेजी से बढ़ी है। बेरोजगारी दर अगस्त में बढ़कर 8.32 फीसदी हो गयी है जो जुलाई में 6.95 फ़ीसदी थी। आकड़ों से पता चलता है कि बेरोजगारी अगस्त में बढ़कर 9.78 हो गयी। योगी सरकार अपने बयानों से नौजवानों के ज़ख्मों पर नमक छिड़कने का काम भी करती है। नौजवान सबकुछ देख रहा है। वह कुछ भूलेगा नहीं और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में अगले चुनाव में बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकेगा।

कर्तव्यों में लापरवाही बरतने पर दो सहायक आबकारी आयुक्त निलम्बित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर संजय आर. भूसरेड्डी, अपर मुख्य सचिव आबकारी विभाग ने दो सहायक आबकारी आयुक्तों डीएन सिंह एवं संजय त्रिपाठी को विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संस्थित करते हुए निलम्बित कर दिया है। दोनों अधिकारियों को मुख्यालय-प्रयागराज से सम्बद्ध कर दिया गया है। अपर मुख्य सचिव द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि डीएन सिंह पिछले दो वर्षों से वेब आसवनी में सहायक आबकारी आयुक्त के पद पर तैनात थे। पिछले दिनों मदिरा की भराई को लेकर उच्चाधिकारियों से जांच कराई गई थीए जिसमें मदिरा की तीव्रता निर्धारित मानक के अनुरूप नहीं पाई गई जिसके लिए गम्भीर रुख अपनाते हुए शासन द्वारा उक्त कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार संजय त्रिपाठी के बुलन्दशहर में तैनाती के दौरान 6 व्यक्तियों की मत्यु अवैध शराब के सेवन से हुई थी। जिसमें पर्यवेक्षणीय दायित्वों के निर्वहन में शिथिलता बरतने के लिए उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संस्थित करते हुए निलम्बित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आबकारी मंत्री अपर मुख्य सचिव आबकारी एवं आबकारी आयुक्त को भविष्य में राजकीय कार्यों में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कड़ी कार्यवाही किये जाने का निर्देश दिया गया।

यूपी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने गठित की स्क्रीनिंग कमेटी

लखनऊ। यूपी में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी एक बयान के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इसकी घोषणा की। कांग्रेस महासचिव जितेंद्र सिंह इस समिति के अध्यक्ष बनाए गए हैं। सांसद दीपेंद्र हुड्डा और महाराष्ट्र सरकार की मंत्री वर्षा गायकवाड़ इसके सदस्य हैं। पार्टी महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू विधायक दल की नेता अराधना मिश्रा और राज्य में पार्टी के सह.प्रभारी की भूमिका निभा रहे सभी राष्ट्रीय सचिव इस समिति में पदेन सदस्य होंगे। कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों से टिकट की दावेदारी करने वाले दावेदारों के नाम का चुनाव कर केंद्रीय चुनाव समिति को भेजने का दायित्व निभाएगी।

प्राविधिक शिक्षा परिषद ने अंतिम सेमेस्टर व वार्षिक परीक्षा का परीक्षाफल किया घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा अंतिम सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षा अंतिम वर्ष अगस्त 2021 का परीक्षाफल शुक्रवार को घोषित कर दिया गया है। यह जानकारी प्राविधिक शिक्षा परिषद के सचिव सुनील कुमार सोनकर ने दी। उन्होंने बताया कि अंतिम सेमेस्टरध्अंतिम वर्ष की परीक्षा में कुल 113974 परीक्षार्थी पंजीकुत थेए जिसमें 111160 छात्र/छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए। छात्र/छात्राओं का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 90.38 रहा। उन्होंने बताया कि अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में फहीन याकूब ने फैशन डिजाइनिंग एण्ड गारमेन्ट टेक्नोलॉजी में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहलाए रिचा निरंकारी ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 90.36 अंक प्राप्त कर दूसरा एवं अन्जू यादव ने मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेण्ट एण्ड सेक्रिटेरियल प्रैक्टिस में 89.12 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया है।

यूपी बोर्ड की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की अंक सुधार परीक्षा आज से

● नकल विहीन परीक्षा संपादित कराने हेतु परीक्षा केंद्रों पर एसटीएफ की भी रहेगी निगरानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

माध्यमिक शिक्षा परिषद् उप्र प्रयागराज की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की अंक सुधार बोर्ड परीक्षा शनिवार से कोविड गाइडलाइन के अनुरूप शुरू होगी। अंक सुधार हेतु 18 सितंबर से 6 अक्टूबर के मध्य हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं आयोजित की जायेगी। हाईस्कूल परीक्षा 12 कार्य दिवसों में सम्पन्न होकर 4 अक्टूबर को समाप्त होगी। इण्टरमीडिएट परीक्षा 15 कार्य दिवसों में सम्पन्न होकर 6 अक्टूबर को समाप्त होगी।

अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद, उप्र प्रयागराज की घोषित परीक्षाफल 2021 में अंक सुधार हेतु आयोजित की जाने वाली परीक्षा में हाईस्कूल में 24667 बालक, 13264 बालिका सहित कुल 37931 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हैं। जबकि इंटरमीडिएट में 27949 बालक, 13406 बालिका सहित कुल 41355 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इस प्रकार हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में कुल परीक्षाथिर्यों की संख्या 79286 है। हाईस्कूल में 36788 संस्थागत एवं 3764 व्यक्तिगत कुल 37931 परीक्षार्थी जबकि इंटरमीडिएट में 36788 संस्थागत एवं 3764 व्यक्तिगत कुल 37931 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा ने बताया कि अंक सुधार परीक्षा वर्ष 2021 में निर्धारित किये गये परीक्षा केन्द्रों की कुल संख्या 590 है, जिसमें से 213 राजकीय, 373 अशासकीय सहायता प्राप्त एवं 04 वित्तविहीन विद्यालय परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। अंक सुधार परीक्षा वर्ष 2021 की परीक्षा में 2971 परीक्षा कक्ष एवं 1180 अतिरिक्त कक्ष सहित कुल 4151 कक्ष उपयोग में लाये जायेंगे। प्रदेश के सभी जनपदों में वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती की गयी है जो सभी मूलभूत सुविधाओं तथा कोविड प्रोटोकाल के अनुसार हो रही परीक्षाओं का पर्यवेक्षण करेंगे। सभी केन्द्र व्यवस्थापकों को कायर्पालक मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान की गयी है। अंक सुधार परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न कराए जाने हेतु पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पूरे प्रदेश में परीक्षा केन्द्रों पर लगभग 8302 सीसीटीवी एवं 4151 वायस रिकार्डर का प्रयोग किया जाएगा। परीक्षा कक्षों में लगभग 5942 कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी लगायी जायेगी। प्रदेश के अन्तर्गत 2 परीक्षा केन्द्र संवेदनशील चिन्हित किये गये हैं (जनपद गोण्डा में)। सवार्धिक 21 परीक्षा केन्द्र जनपद जौनपुर में बनाये गये हैं। सबसे कम परीक्षा केन्द्र जनपद श्रावस्ती में बनाये गये हैं। सवार्धिक 3797 परीक्षार्थी सीतापुर में पंजीकृत हुए हैं। सबसे कम 152 परीक्षार्थी जनपद महोबा में पंजीकृत हैं। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि परीक्षा से संबंधित समस्त तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रश्न पत्रों को सीसीटीवी की निगरानी में रखा गया है एवं प्रश्न पत्रों की सुरक्षा हेतु पुलिस बल की व्यवस्था कर ली गयी है। नकल विहीन परीक्षा संपादित करने के लिए समस्त जनपदों में कन्ट्रोल रूम की स्थापना की जा चुकी है। परीक्षा केन्द्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेटए सेक्टर मजिस्ट्रेट जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किये जा चुके हैं। परीक्षों केंद्रों पर सीसीटीवी एवं वायस रिकार्डर लगाने की व्यवस्था कर ली गयी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय लखनऊ में केन्द्रीयकृत आनलाइन मॉनिटरिंग हेतु राज्य स्तरीय कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है। जिसमें लगभग 50 कम्प्यूटर स्थापित किये गये हैं। इस कन्ट्रोल रूप से प्रत्येक जनपद के प्रत्येक परीक्षा केन्द्र की निगरानी की जा रही है। परीक्षा केंद्रों पर धारा 144 लागू रहेगी। परीक्षा केंद्र परिसर में मोबाइल फोन पूर्णता प्रतिबंधित रहेगा।

सपा सरकार बनी तो विश्वकर्मा जयंती पर घोषित होगा अवकाश, गोमती किनारे बनवाएंगे मंदिर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा के राज में विश्वकर्मा समाज समेत समाज के सभी वर्गों के लोग अपमानित हुए हैं। कोई बचा नहीं है। उत्तर प्रदेश में होने वाला चुनाव देश का सबसे बड़ा चुनाव है। लोकतंत्र के परीक्षा की भी यह सबसे बड़ी घड़ी है। भाजपा षडयंत्रकारीए झूठ और भ्रम फैलाने वाली पार्टी हैं इससे सावधान रहना है। वैसे जनता ने भाजपा के विरोध में मन बना लिया है। यह भाजपा सरकार जाने वाली है। उसका सफाया होना तय है।

अखिलेश यादव शुक्रवार को पार्टी मुख्यालयए लखनऊ में अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के तत्वावधान में आयोजित विश्वकर्मा जयंती समारोह में आए जनसमुदाय को सम्बोधित कर रहे थे। भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण और आरती के पश्चात उन्होंने आयोजन में बड़ी संख्या में आए विश्वकर्मा समाज का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। उन्होंने घोषणा की कि समाजवादी पार्टी विश्वकर्मा समाज के सुझावों को घोषणा पत्र में स्थान देगी। समाजवादी सरकार में 17 सितम्बर विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित होगाए गोमती नदी के किनारे भव्य विश्वकर्मा मंदिर की स्थापना होगी और विश्वकर्मा समाज को सम्मान मिलेगा।

यादव ने कहा कि कभी इतना झूठ नहीं बोला गया, जितना भाजपा राज में बोला गया। भाजपा झूठ का प्रशिक्षण केन्द्र चला रही है। यह जनता को गुमराह करने का काम करती है। लगातार जनता को धोखा दिया जा रहा है। भाजपा राज में कोई काम नहीं हो रहा है। उत्तर प्रदेश में बड़े उद्योगपति बुलाए गएए 4 लाख करोड़ के एमओयू साइन हुए पर जमीन पर कोई उद्योग नहीं आया। कोरोना काल में सब कारोबार बंद हो गएए अर्थव्यवस्था चौपट हुई। दवा.इलाज और ऑक्सीजन के अभाव में हजारों जानें चली गईं। तब भी काम आई सपा सरकार की चलाई 108 एम्बुलेंस सेवा और सपा सरकार में बने अस्पताल क्योंकि एक भी अस्पताल भाजपा सरकार में नहीं बना।

यादव ने कहा कोरोना महामारी के दौर में श्रमिक पैदल घर जाने को मजबूर थे, भाजपा ने उद्योगपतियों अमीरों के लिए हवाई जहाज की सेवा चालू रखी। ट्रेनें.बसे बंद कर दी। कोरोना हवाई जहाज के यात्रियों से आया। लेकिन जनसामान्य को अनाथ छोड़ दिया गया। लाशें गंगा किनारे मिलीं, दुनिया में उनकी तस्वीरें छपीं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने वादे पूरे नहीं किए। किसान की आय दोगुनी नहीं हुई।

2022 के चुनाव में यूपी की जनता योगी सरकार को 440 वोल्ट का झटका देगीः सभाजीत सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने पार्टी द्वारा यूपी की जनता के लिए 300 यूनिट और किसानों के लिए बिजली फ्री देने की घोषणा पर आई योगी सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की प्रतिक्रिया पर तीखा पलटवार किया। प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता वैभव माहेश्वरी के साथ प्रदेश कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में सभाजीत सिंह ने सवाल खड़ा किया कि मुख्यमंत्रीए सांसद और विधायकों को फ्री बिजलीए फ्री बंगलाए फ्री गाड़ीए मोटी तनख्वाहए फ्री रेल और हवाई जहाज का सफर मिल सकता हैए तो भाजपा आम आदमी को 300 यूनिट फ्री बिजली दिए जाने पर मुफ्तखोर और लालची क्यों कह रहीघ् उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री ने श्आपश् की बढ़ती लोकप्रियता की बौखलाहट में इस तरह का बयान देकर यूपी की सम्मानित जनता का अपमान किया है। कृषि मंत्री के इस बयान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी की जनता से माफी मांगें। सभाजीत सिंह ने कहा कि केजरीवाल की 300 यूनिट फ्री बिजली की गारंटी से बौखलाई योगी सरकार के मंत्री ने जो बयान दिया है उसके बदले यूपी की जनता 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 440 वोल्ट का झटका देगी। सभाजीत सिंह ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया द्वारा यूपी के लिए की गई लोक कल्याणकारी घोषणाओं को फिर दोहराया। इस मौके पर वैभव माहेश्वरी ने कृषि मंत्री के आरोप पर उन्हें आईना दिखाया। कहा नीयत साफ हो तो जनता को फ्री बिजली दी जा सकती है। उन्होंने इसका पूरा अंकगणित भी समझाया।

यूपी में 75 फीसद ग्रामीण आबादी और 25 फीसद शहरी आबादी से विभाग बिल ही नहीं वसूल पाता। इसके साथ ही यूपी सरकार बिजली विभाग के जिस घाटे का रोना रोती है दरअसल उस 90000 करोड़ रुपये में से सरकार के मंत्री विधायक एवं प्रशासन के अफसरों के आवास और कार्यालयों पर अकेले ही 20000 करोड़ रुपये बकाया है। सरकार चाहे तो तमाम विभागों के बजट से यह धनराशि काटकर सीधे बिजली विभाग को देकर उसका घाटा एक झटके में खत्म कर सकती है लेकिन सरकार की नीयत ही ठीक नहीं।

माफियाराज का खात्मा और 'योगी रिटर्न्स' की आहट!

डॉ. महेंद्र कुमार सिंह

विष्णु त्रिपाठी

मुजफ्फरनगर दंगे की चीख हो या मथुरा का जवाहर बाग हिंसा कांड, जो एक माफिया के इशारे पर आग में जल उठा था। इन घटनाओं ने उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरे देश में शर्मसार कर दिया था। उस वक्त राज्य में ऐसी पार्टी सत्तासीन थी, जिसने कहा था, 'उत्तर प्रदेश में दम है, क्योंकि जुर्म यहां कम है।' पूर्ववर्ती सरकार का यह दावा जितना खोखला था, उससे भी ज्यादा खोखली प्रदेश की कानून व्यवस्था हुआ करती थी। 'लड़कों से जलती हो जाती है' कहने वाले 'नेता जी' की पार्टी में रसूखदारों, बाहुबलियों के साथ अपराधियों एवं माफियाओं का ऐसा 'गठजोड़' था, जिससे आम जनता में घुटन और बेचैनी थी। मार्च 2017 में सत्ता बदलते ही उत्तर प्रदेश की 'फिजा' बदली-बदली सी नजर आने लगी। साढ़े चार साल पहले योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनते ही सबसे पहली चोट अपराधियों व माफिया पर की गई। योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि अपराधी या तो अपराध छोड़ देगा या यूपी छोड़ेगा। विधानसभा चुनाव 2022 में अब कुछ महीने ही शेष हैं, लेकिन यह कहा जा सकता है कि योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में सत्ता माफियाओं के महलों से निकलकर जनता के दरवाजे तक पहुंच चुकी है। प्रदेश की राजनीति अब चंद लोगों की हनक से नहीं बल्कि आम लोगों के विश्वास से तय हो रही है। यही वजह है कि जनता एक बार फिर योगी आदित्यनाथ को सत्ता में देखना चाह रही है। योगी आदित्यनाथ के चार वर्ष से अधिक के कार्यकाल में प्रदेश में गैंगेस्टर अधिनियम के तहत कुल 15 अरब 74 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्तियों का जब्तीकरण किया गया। 13 हजार से अधिक अभियोग गैंगेस्टर अधिनियम के तहत दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें 43 हजार से अधिक अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई है। मार्च 2017 से जून 2021 तक की अवधि में कुल 139 अपराधी गिरफ्तारी के दौरान हुई पुलिस मुठभेड़ में मारे गये हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए वर्षों से चल रही पुलिसकर्मियों की रिक्तता को बिना भ्रष्टाचार और भेदभाव के भर्तियों के माध्यम से पूरा किया। सर्विलांस सिस्टम मजबूत हुआ, गोरखपुर में विधि विज्ञान प्रयोगशाला को मंजूरी दी गई, साइबर अपराधों को रोकने के लिए कई जिलों में साइबर थाने, नए थानों, महिला पुलिस चौकियों की स्थापना की गई, कमिश्नरेट प्रणाली का रास्ता खोला गया और डायल 112 में पीआरवी का बाइक दस्ता लाकर उसे संकरी गलियों तक पहुंचाया गया। बदले हालात में कई बड़े अपराधी थाने में आकर आत्मसमर्पण कर रहे हैं या तो अपराध से तौबा कर लिया। चाहे वह कानपुर का विकास दूबे हो, मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद हो या गोरखपुर का सुधीर सिंह, प्रदीप सिंह या विनोद उपाध्याय। कार्रवाई कर उन्हें जेल में सलाखों के पीछे भेजा गया। इससे आम लोगों के मन में पुलिस का भरोसा बढ़ा और योगी आदित्यनाथ की सख्त छवि की धाक जमी। मुख्यमंत्री योगी के सामने महिलाओं में सुरक्षा का भाव जगाना एक बड़ी चुनौती थी। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए थाने में अलग से महिलाओं के लिए महिला हेल्प डेस्क स्थापित किए, थानों को सीसीटीवी से लैस किया गया, बीट पुलिसिंग को मजबूत कर उससे महिला पुलिसकर्मियों को जोड़ा गया। वहीं प्रभावी पैरवी कर बहराइच सहित अन्य जनपदों में महिलाओं के साथ हैवानियत करने वाले आरोपितों को सजा दिलाई गई। जिससे महिलाओं में योगी सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। लचर कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार, गुंडाराज, माफियाराज से त्रस्त उत्तर प्रदेश अब 'नए उत्तर प्रदेश' के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। विकास के साथ निवेश के नए द्वार खुल रहे हैं। पर्यटन एवं रोजगार के अवसर ने दुनियाभर में उत्तर प्रदेश की नई तस्वीर पेश की है। यही वजह है कि विधानसभा चुनाव 2022 में 'योगी रिटर्न्स' को भी बल व आधार मिला है। हाल ही में हुए एक सर्वे में बतौर मुख्यमंत्री लगभग 40 प्रतिशत लोगों ने योगी आदित्यनाथ को पसंद किया है, वहीं बीजेपी को लगभग 42 फीसदी वोट के साथ 259 से 267 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है।

(डॉ महेंद्र कुमार सिंह वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक एवं स्तंभकार व विष्णु त्रिपाठी वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

किसानों की पीड़ा के प्रति भाजपा सरकार संवेदनहीनः सपा प्रमुख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में अतिवृष्टि से जन.धन की व्यापक क्षति हुई है। हजारों एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गए है। किसानों की खड़ी फसल डूब गई है। धान, गन्ना, मक्का, केला, उड़द, बाजरा आदि फसलों को भारी पहुंचा है। भाजपा सरकार किसानों की पीड़ा और नागरिकों की व्यथा से संवेदनहीन बनी हुई है।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा अपनी किसान विरोधी नीतियों के चलते किसानों की उपेक्षा और पूंजीघरानों का पोषण करती आई है। उसके सत्ता में आने के बाद से ही उसकी दशा बिगड़ती गई है। खेती के काम आने वाली हर चीज मंहगी हो गई है। किसानों को धोखा देते हुए भाजपा सरकार कभी आय दुगनी करने की बात करती है तो कभी एमएसपी का भरोसा दिलाती है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में किसानों के लिए जो वायदे किए उनमें से एक को भी पूरा नहीं किया है। किसान को राहत देने में भाजपा को कोई रूचि नहीं है। पेट्रोल-डीजल, बिजली, खाद बीज, कीटनाशक इन सबके दाम आसमान छू रहे हैं। धान की खेती की लागत 40 प्रतिशत बढ़ गई है। इन सब परेशानियों से जूझ रहे किसान पर अब अतिवृष्टि की मार पड़ी है। वह आत्महत्या न करे तो क्या करे। यादव ने कहा कि अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत की दिशा में भाजपा सरकार का कोई कदम न उठाना चिंता का विषय है। किसान के मवेशी भी इस संकट में फंसे है। बरसात के साथ बीमारियों के दौर भी शुरू हो जाते है। वर्षा से जलमग्न इलाकों में पानी निकालने का भी प्रबन्ध नहीं हो पा रहा है। भाजपा सरकार ने बरसात से पहले की चेतावनी पर ध्यान दिया होता तो जनता परेशानी में नहीं पड़ती। किसान की फसल का नुकसान नहीं होता। अपनी अकर्मण्यता के बाद अब भाजपा सरकार को तुरन्त राहत कार्य शुरू करना चाहिए।

युवा कांग्रेस ने राष्ट्रीय बेरोजगारी दिवस के रूप में मनाया पीएम का जन्मदिन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन राष्ट्रीय बेरोजगारी दिवस के रुप में मनाया। इस मौके पर राजधानी लखनऊ के युवा कांग्रेसियों ने दुबग्गा चौराहे पर युवा कांग्रेस लखनऊ पूर्वी के अध्यक्ष अंकित तिवारी एवं पश्चिमी के अध्यक्ष सैय्यद इमरान के नेतृत्व में अपने हाथों में राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस का बैनर लेकर प्रदर्शन किया। इस मौके पर युवा कांग्रेस लखनऊ के अध्यक्ष अंकित तिवारी एवं सैय्यद इमरान ने कहा कि प्रधानमंत्री को हम आज उनके जन्मदिन पर बताना चाहते हैं कि राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस की जरूरत पड़ती ही नहीं यदि प्रधानमंत्री ने युवाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था की होती। उन्होने कहा कि आज बेरोजगारी की हालत यह है कि पिछले 45 वर्षों में सर्वाधिक बेरोजगारी दर भारत में बढ़ चुकी है। करोड़ों लोगों ने प्रधानमंत्री जी के गलत निर्णयों के चलते अपनी नौकरियां खोई हैं। पूरा देश बेरोजगारी की आग में झुलस रहा है। सालाना दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया थाए रोजगार देना तो दूर करोड़ों लोगों का रोजगार ही छीन लिया।

गुजरात में व्यापक फेरबदल से दिया अहम संदेश

● किसी राज्य में पूरी की पूरी सरकार को बदलने का गुजरात का घटनाक्रम पहली बार देखने को मिला

भाषा। नई दिल्ली

गुजरात में सरकार में व्यापक फेरबदल करने और मुख्यमंत्री से लेकर समस्त मंत्रियों तक को बदलने का भारतीय जनता पार्टी का असामान्य कदम किसी भी सत्ता-विरोधी लहर की आशंका को निर्मूल करने और सभी क्षेत्रीय छत्रपों को यह स्पष्ट संदेश देने की रणनीति को दर्शाता है कि जनता का समर्थन बनाए रखने के पार्टी के प्रयास में किसी पर भी गाज गिर सकती है। किसी राज्य में पूरी की पूरी सरकार को बदलने का गुजरात का घटनाक्रम पहली बार देखने को मिला, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल से ही बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों को दरकिनार करने और नए चेहरों को लाने की रणनीति अपनाते रहे हैं ताकि मतदान के समय पार्टी को लेकर लोगों में किसी तरह की नाराजगी हो तो उसे दूर किया जा सके। यही रणनीति 2014 और 2019 में केंद्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से दूसरी जगहों पर भी देखी जाती रही है। भाजपा ने 2017 में दिल्ली नगर निगम चुनावों में अपने एक भी मौजूदा पार्षद को नहीं उतारा था और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य के अपने 10 लोकसभा सदस्यों को टिकट नहीं दी। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के मजबूत प्रतिद्वंद्वी के तौर पर उभरने के बावजूद भाजपा ने तीनों नगर निगमों पर अपना नियंत्रण बरकरार रखा। भाजपा की यह रणनीति छत्तीसगढ़ में भी काम आई और पिछले लोकसभा चुनाव में राज्य की 11 में से नौ सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार विजई हुए। भाजपा के एक नेता ने कहा, आपको एक ऐसे नेता की जरूरत है जिसके पास इस तरह के साहसिक कदम उठाने का अधिकार और जनता का समर्थन हो। जबकि इस तरह के कदमों के अपने जोखिम हैं। मोदी उसी तरह के नेता हैं। पार्टी ने गुजरात के लोगों को बिल्कुल नई सरकार दी है। अगर उन्हें पिछली सरकार से कोई नाराजगी रही होगी तो वह अब निश्चित रूप से समाप्त हो जाएगी। एक अन्य नेता ने कहा कि यह एक लोकतांत्रिक प्रयोग है और किसी सत्तारूढ़ दल ने सरकार में इतने व्यापक स्तर पर फेरबदल पहले कभी नहीं की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम के बावजूद किसी तरह के असहमति के स्वर नहीं उठने से स्पष्ट हो जाता है कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व का दबदबा पार्टी में कायम है।

गुजरात में अगले साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं और वहां के हालिया घटनाक्रम से चुनाव से पहले राजनीतिक विमर्श बदलना तय है। अब नई सरकार को लेकर जनता की सोच अहम होगी। अब लोग इस बात को लेकर चर्चा करने लगे हैं कि क्या भाजपा अन्य राज्यों में भी नए नेताओं को सामने लाएगी जहां वह सत्ता में है। भाजपा ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से निपटने के तरीकों को लेकर कुछ राज्यों की आलोचनाओं के बाद अपने शासन वाले कुछ प्रदेशों में सांगठनिक और प्रशासनिक कामकाज की व्यापक समीक्षा की है। दूसरी तरफ केंद्र सरकार के मंत्रिपरिषद विस्तार में कुछ बड़े चेहरों को दरकिनार करने और बड़ी संख्या में नए चेहरों पर भरोसा जताने पर विपक्षी दलों ने मोदी पर निशाना साधा है।

भाजपा ने हाल में कर्नाटक और उत्तराखंड में भी अपने मुख्यमंत्रियों को बदला था।

मुंबई में निर्माणाधीन फ्लाईओवर का एक हिस्सा गिरने से एक दर्जन मजदूर घायल हुए

एआईएमआईएम सांसद मराठवाड़ा मुक्ति दिवस समारोह में शामिल हुए

औरंगाबाद। एआईएमआईएम नेता और स्थानीय सांसद इम्तियाज जलील ने शुक्रवार को मराठवाड़ा मुक्ति दिवस पर ध्वजारोहण समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान सांसद अतीत में ऐसे कार्यक्रमों में अनुपस्थिति को लेकर पूछे गए सवाल से बचते नजर आए। मध्य महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र का बहुत बड़ा हिस्सा 1948 से पहले तक निजाम के शासन में था। मुक्ति दिवस पर स्थानीय लोगों के संघर्ष को याद किया जाता है जिन्होंने निजाम शासित प्रदेश का स्वतंत्र भारत में विलय के लिए संघर्ष किया। जलील ने सिद्धार्थ गार्डन में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया जहां तिरंगा फहराया गया। पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि सांसद निर्वाचित होने के छह साल बाद वह मुक्ति दिवस समारोह में शामिल क्यों हो रहे हैं, इस पर जलील ले कहा, मैं इसके पक्ष में तर्क रख सकता हूं।

हाथ से मैला उठाने की प्रथा समाप्त करने की जिम्मेदारी महाराष्ट्र सरकार की: हाईकोर्ट

● महाराष्ट्र सरकार से बंबई उच्च न्यायालय ने पूछे इस मसले से जुड़े हुए कई अहम सवाल

भाषा। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र में हाथ से मैला उठाने की शर्मनाक प्रथा को खत्म करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ ने राज्य सरकार से पूछा कि हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 लागू होने के बाद क्या उसने राज्य में हाथ से मैला उठाने वाले लोगों का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण कराया है। साथ ही खंडपीठ ने पूछा कि उनके पुनर्वास के लिए इसने क्या कदम उठाए हैं। अदालत ने यह भी जानना चाहा कि 1993 के बाद हाथ से मैला उठाने वाले कितने कर्मियों की काम के दौरान मौत हुई है और क्या राज्य सरकार ने उनके परिवार को मुआवजा दिया है। अदालत तीन महिलाओं की तरफ से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिनके पति हाथ से मैला उठाते थे और दिसंबर 2019 में गोवंदी उपनगर में एक निजी सोसायटी के सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय उनकी मौत हो गई थी। याचिकाकर्ताओं ने कानून के प्रावधानों के मुताबिक सरकार से मुआवजे की मांग की थी। अदालत ने शुक्रवार को मुंबई के जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि मुआवजे के तौर पर प्रत्एक याचिकाकर्ता को दस लाख रुपए की राशि दी जाए। अदालत ने कहा, जिलाधिकारी यह राशि याचिकाकर्ताओं के पति की मौत के जिम्मेदार व्यक्ति या संस्था से वसूल करेंगे। राशि का भुगतान चार हफ्ते के अंदर करना होगा। सरकारी वकील पूर्णिमा कंथारिया ने अदालत से कहा कि जिस कंपनी ने उन लोगों को काम के लिए नियुक्त किया था उसने घटना के बाद प्रत्एक याचिकाकर्ता के लिए सवा- सवा लाख रुपए का चेक जमा कराया था। अदालत ने निर्देश दिया कि चेक याचिकाकर्ताओं को सौंपा जाए और कहा कि शेष राशि उन्हें जिलाधिकारी सौंपेंगे। अदालत ने राज्य सरकार से कहा कि उसने जितनी भी सूचनाएं मांगी है उन्हें सुनवाई की अगली तारीख 18 अक्टूबर को सौंपी जाए। अदालत ने याचिकाकर्ताओं के पति की मौत के सिलसिले में गोवंदी थाने में दर्ज प्राथमिकी की स्थिति भी जाननी चाही।

सीएम ने कांग्रेस प्रमुख चोडानकर पर किया पलटवार

पणजी। भारतीय जनता पार्टी ने पात्र 100 फीसदी लाभार्थियों को कोविड टीके की पहली खुराक दिए जाने के राज्य सरकार के दावे पर गोवा कांग्रेस प्रमुख गिरीश चोडानकर की गई टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। चोडानकर ने दावा किया था कि सरकार का 100 फीसदी पहली खुराक कवरेज का दावा गलत है क्योंकि उन्होंने और उनके परिवार ने अब तक कुछ संदेहों की वजह से टीके की खुराक नहीं ली है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में बृहस्पतिवार को यह बयान दिया था। उसके बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने उन्हें टीकाकरण प्रक्रिया के बारे में नकारात्मकता छोड़ महामारी से निपटने के प्रयासों में मदद करने की सलाह दी। सावंत ने कहा, दुनिया ने कोविड-19 टीका स्वीकार किया है और उसके बारे में कोई शंका नहीं है।

अवैध छापे, जबरन वसूली के मामले में तीन अधिकारी समेत चार गिरफ्तार

मुंबई (भाषा)। दक्षिण मुंबई के कालबादेवी में एक व्यक्ति के परिसर में राज्य जीएसटी कार्यालय को सूचित किए बिना कथित रूप से अवैध छापा मारने और 11 लाख रुपए की जबरन वसूली के मामले में दो बिक्री कर निरीक्षक तथा एक आयकर निरीक्षक के साथ एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि घटना जोतिकुमार जैन के कार्यालय में 14 जून को घटी थी और इस मामले में बृहस्पतिवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, जैन की शहर के अनेक इलाकों में संपत्तियां हैं और उनकी तरफ से दो लोग किराया वसूलते हैं। 14 जून को चारों आरोपियों ने उनके परिसरों पर छापा मारा।

CSB Bank

CORRIGENDUM TO PUBLIC NOTICE FOR AUCTION OF PLEDGED GOLD ORNAMENTS

Public is hereby informed that The CSB Bank Ltd. published Public notice for auction of pledged Gold Ornaments on 17.09.2021 but inadvertently in the said public notice the outstanding amount of the loan of Karol Bagh, Dwarka, Janakpuri, Rohini Sector-7, New Delhi, Shalimar Bagh, Okhla, & GK-II branches has been left over therefore the same may be read as under with regard to the above branches:-

S. No.	Pledged Branch	Name of Borrower	Outstanding as on 14.09.21 (in Rs.)	S. No.	Pledged Branch	Name of Borrower	Outstanding as on 14.09.21 (in Rs.)
1	Dwaraka	P JACOB	27,468.00	112	Okhla	RAMU SHARMA	922,224.15
2	Dwaraka	ANIL KHANNA	46,824.56	113	Okhla	BHAKTA KUMAR SHARMA	1,017,790.50
3	Dwaraka	P JACOB	46,948.68	114	Okhla	FAHEEM ANWAR	1,392,725.00
4	Dwaraka	UMA DEVI SHRIVAS	48,239.00	115	Okhla	RAMU SHARMA	1,704,004.56
5	Dwaraka	SUNEEL KUMAR GOSWAMI	80,729.28	116	Okhla	MANJEET KATARIA .	2,066,596.02
6	Dwaraka	OMKAR SINGH	87,448.95	117	Rohini Sector 7	MOHIT YADAV	10,393.50
7	Dwaraka	OMKAR SINGH	327,547.83	118	Rohini Sector 7	VISHAL CHAUHAN	19,292.50
8	Dwaraka	ANIL GIRDHAR	455,369.18	119	Rohini Sector 7	Ranjit Singh	20,043.86
9	Greater kailash ii	BAJRANGI RAM	7,214.00	120	Rohini Sector 7	KANCHAN	20,748.50
10	Greater kailash ii	Situ .	13,863.86	121	Rohini Sector 7	PARVEEN KUMAR	21,320.72
11	Greater kailash ii	Situ .	18,662.50	122	Rohini Sector 7	BHUWNESH VERMA	21,450.50
12	Greater kailash ii	PREM PRAKASH SINGH	22,711.30	123	Rohini Sector 7	NAVEEN	22,530.22
13	Greater kailash ii	PANKAJ MITTAL	31,506.00	124	Rohini Sector 7	NIKHIL CHHABRA	25,808.42
14	Greater kailash ii	Deepak Kumar Tiwari	32,683.02	125	Rohini Sector 7	NIKHIL CHHABRA	27,480.50
15	Greater kailash ii	DEVENDER	32,810.44	126	Rohini Sector 7	REKHA	30,264.90
16	Greater kailash ii	PREM PRAKASH SINGH	37,898.52	127	Rohini Sector 7	AMIT BHATIA	33,755.58
17	Greater kailash ii	AMAR SINGH	71,904.64	128	Rohini Sector 7	DEVENDER KUMAR	37,489.44
18	Greater kailash ii	PANKAJ MITTAL	82,693.00	129	Rohini Sector 7	VANDANA ROHTAGI	38,664.44
19	Greater kailash ii	GAJAY SINGH	88,762.10	130	Rohini Sector 7	PARAMVEER SINGH	39,974.78
20	Greater kailash ii	NILESH BIDHURI	90,256.40	131	Rohini Sector 7	AMARJEET SINGH MAKAN	43,441.58
21	Greater kailash ii	ANJANA SAINI	101,223.36	132	Rohini Sector 7	SURJEET YADAV	44,038.22
22	Greater kailash ii	Deepak Singh Bisht	105,890.50	133	Rohini Sector 7	DEVENDER KUMAR	49,193.36
23	Greater kailash ii	GAJAY SINGH	183,281.78	134	Rohini Sector 7	RAJENDER SINGH	51,247.36
24	Greater kailash ii	NIKHIL SONI	196,205.13	135	Rohini Sector 7	Vinay Prasad	55,029.50
25	Greater kailash ii	NILESH BIDHURI	221,818.52	136	Rohini Sector 7	NURJAHAN	58,578.72
26	Greater kailash ii	AMIT SHARMA	224,833.74	137	Rohini Sector 7	Shiv Ratan	59,445.50
27	Greater kailash ii	BHIM RAJ SINGLA	331,763.44	138	Rohini Sector 7	YASHBIR RANA	60,739.68
28	Greater kailash ii	NILESH BIDHURI	404,720.86	139	Rohini Sector 7	Shiv Ratan	63,844.50
29	Janakapuri	ANURAG GUPTA	24,972.02	140	Rohini Sector 7	ASHISH GAURAV	65,423.00
30	Janakapuri	RANI SHARMA	54,299.68	141	Rohini Sector 7	Ikramuddin A	65,543.12
31	Janakapuri	Deepak Kumar	60,498.10	142	Rohini Sector 7	NEHA	69,237.04
32	Janakapuri	Santhosh Kumar	120,666.06	143	Rohini Sector 7	LAKHI DEVI	72,999.50
33	Janakapuri	JAYANT KUMAR DHAL	121,854.58	144	Rohini Sector 7	DEVENDER KUMAR	74,674.54
34	Janakapuri	KUNAL	163,605.80	145	Rohini Sector 7	MOHD KALAM	78,380.10
35	Janakapuri	Deepak Kumar	228,721.58	146	Rohini Sector 7	SUNITA .	110,198.04
36	Janakapuri	ARMAN SINGH NANRA	352,866.90	147	Rohini Sector 7	RAJ KUMAR GUPTA	124,545.56
37	Karol Bagh	SEEMA .	10,404.46	148	Rohini Sector 7	AMARJEET SINGH MAKAN	129,500.08
38	Karol Bagh	NARENDER KUMAR	14,544.36	149	Rohini Sector 7	Abhimanyu Bhardwaj	130,484.50
39	Karol Bagh	AMAN	26,723.20	150	Rohini Sector 7	SUDHANSHU KUMAR	132,269.08
40	Karol Bagh	BHARTI	35,299.70	151	Rohini Sector 7	YETENDER KUMAR	146,087.96
41	Karol Bagh	DURGESH	36,433.56	152	Rohini Sector 7	SREE LATHA	153,867.12
42	Karol Bagh	REKHA	47,954.42	153	Rohini Sector 7	SUNITA .	162,194.82
43	Karol Bagh	PANKAJ KUMAR	48,269.60	154	Rohini Sector 7	RAHUL SETIA	176,625.78
44	Karol Bagh	DURGESH	50,318.32	155	Rohini Sector 7	YASHBIR RANA	220,137.56
45	Karol Bagh	PRABHJEET SINGH	62,557.56	156	Rohini Sector 7	GUNJAN ARORA	222,104.54
46	Karol Bagh	MAMTA	112,694.44	157	Rohini Sector 7	PRIYAM BANSAL	264,378.44
47	Karol Bagh	AMAN	139,860.02	158	Rohini Sector 7	POOJA SINGHAL	265,601.70
48	Karol Bagh	HIMANSHU KUMAR PRAJAPATI	151,029.94	159	Rohini Sector 7	YASHBIR RANA	271,614.50
49	Karol Bagh	ABHISHEK KUMAR	156,931.32	160	Rohini Sector 7	SACHIN SINGHAL	288,461.28
50	Karol Bagh	MAMTA	169,685.78	161	Rohini Sector 7	Joginder Singh	310,315.00
51	Karol Bagh	USHA	190,048.88	162	Rohini Sector 7	VISHAL CHAUHAN	316,201.50
52	Karol Bagh	ANURADHA BOKOLIA	200,236.24	163	Rohini Sector 7	ARYAN NARULA	361,024.72
53	Karol Bagh	CHATTER PAL	217,723.50	164	Rohini Sector 7	SUNIL KUMAR SETIA	363,054.48
54	Karol Bagh	SHWETA JAIN	375,650.44	165	Rohini Sector 7	AMIT ARORA	399,446.06
55	Karol Bagh	GEETA NARULA	736,594.68	166	Rohini Sector 7	AMIT ARORA	453,002.02
56	New delhi	DEEPAK KUMAR	9,395.76	167	Rohini Sector 7	GEETA NARULA	456,629.24
57	New delhi	MANISH KUMAR	37,485.02	168	Rohini Sector 7	krishan kumar	489,607.50
58	New delhi	AMAR KUMAR	74,780.10	169	Rohini Sector 7	AMIT ARORA	518,313.50
59	New delhi	DR.PREM PRAKASH AGGARWAL	. 76,396.00	170	Rohini Sector 7	ARYAN NARULA	527,016.30
60	New delhi	AMAR KUMAR	111,167.84	171	Rohini Sector 7	GEETA NARULA	593,763.44
61	New delhi	ANNA DURAI	117,467.54	172	Rohini Sector 7	HITESH KUMAR PARMAR	617,054.59
62	New delhi	SHAMA .	135,301.88	173	Rohini Sector 7	SATISH KUMAR JAIN	709,760.09
63	New delhi	MOHD MANSOOR	187,556.78	174	Rohini Sector 7	RAHUL SHARMA	831,834.60
64	New delhi	SHAMA .	225,828.22	175	Rohini Sector 7	RAJNI BANSAL	876,608.64
65	New delhi	DOMNIC ANTHONY ACHARYA	287,737.61	176	Rohini Sector 7	RAKESH KAUSHIK	951,020.98
66	New delhi	ANUJ AGGARWAL	410,826.70	177	Rohini Sector 7	RAHUL KASHYAP	956,085.58
67	New delhi	MOHD MANSOOR	488,301.72	178	Rohini Sector 7	SANDEEP BANSAL	964,267.16
68	New delhi	DR.PREM PRAKASH AGGARWAL	. 496,389.56	179	Rohini Sector 7	PARVEEN KUMAR BANSAL	1,063,850.38
69	New delhi	DR.PREM PRAKASH AGGARWAL	. 499,577.94	180	Rohini Sector 7	PAYAL KAUSHIK	1,159,910.00
70	New delhi	ANUJ AGGARWAL	1,616,924.30	181	Rohini Sector 7	ATUL BHATIA	1,268,513.00
71	New delhi	MRADU AGGARWAL	2,056,704.10	182	Rohini Sector 7	SATISH KUMAR ANAND	1,428,105.50
72	Okhla	NASIR AHMAD	5,816.76	183	Rohini Sector 7	POOJA SINGHAL	2,139,762.96
73	Okhla	NITU	7,434.28	184	Shalimarbagh	Anu Malhotra	8,993.97
74	Okhla	Deepu Deepu	9,550.74	185	Shalimarbagh	ASHA	15,718.50
75	Okhla	MANISH CHAWLA	11,709.54	186	Shalimarbagh	EKTA	16,367.42
76	Okhla	VEENA BHALLA	14,513.22	187	Shalimarbagh	GOLDI TIWARI	19,029.46
77	Okhla	ANITA DEVI	21,379.00	188	Shalimarbagh	PARVEEN KUMAR	19,400.30
78	Okhla	BHUWNESH VERMA	23,375.50	189	Shalimarbagh	RENU KHARBANDA	26,080.72
79	Okhla	MANISH CHAWLA	24,085.00	190	Shalimarbagh	MOHD HASIM MALIK	32,127.44
80	Okhla	RAM SARAN	24,633.92	191	Shalimarbagh	SAMASAD	35,317.82
81	Okhla	MANISH CHAWLA	26,128.49	192	Shalimarbagh	Vijay Dhingra	37,782.83
82	Okhla	Kamlesh X	31,528.50	193	Shalimarbagh	JAI KISHAN BALWANI	41,698.72
83	Okhla	GOURAV SONI	31,644.36	194	Shalimarbagh	REENA BAUKHANDI	41,866.56
84	Okhla	MANISH CHAWLA	33,235.49	195	Shalimarbagh	ASHA	51,230.50
85	Okhla	Madan Chauhan	34,655.46	196	Shalimarbagh	JAKIR AHMAD	54,152.84
86	Okhla	TEJ SINGH	35,210.76	197	Shalimarbagh	SAHANI DAYAL	58,762.66
87	Okhla	RADHA .	39,026.50	198	Shalimarbagh	RUCHI SRIVASTAVA	58,882.20
88	Okhla	RAJESH KUMAR	43,664.48	199	Shalimarbagh	Sanjay Seghal	72,863.80
89	Okhla	RAJU	49,918.30	200	Shalimarbagh	NAVDEEP GUPTA	76,360.22
90	Okhla	RAJESH KUMAR	56,671.44	201	Shalimarbagh	NAVDEEP GUPTA	89,309.00
91	Okhla	MANISH CHAWLA	57,280.19	202	Shalimarbagh	JAI KISHAN BALWANI	99,188.82
92	Okhla	ANKIT PANDEY	62,886.85	203	Shalimarbagh	EKTA	124,183.62
93	Okhla	Prakash Kumar Singh	67,170.50	204	Shalimarbagh	REENA BAUKHANDI	127,314.22
94	Okhla	MAMTA .	72,848.71	205	Shalimarbagh	MANISH KUMAR	151,125.30
95	Okhla	MANISH CHAWLA	76,574.05	206	Shalimarbagh	VIVEK KUMAR	152,905.60
96	Okhla	MANISH CHAWLA	91,169.12	207	Shalimarbagh	SAHIL NARULA	186,185.00
97	Okhla	Sanjay Kumar	92,701.04	208	Shalimarbagh	RAVI SAINI	197,178.00
98	Okhla	MOHD ZUNAID	101,590.50	209	Shalimarbagh	ASHA	205,696.50
99	Okhla	SUMIT BIDHURI	106,234.34	210	Shalimarbagh	SUMER CHAND JAIN	206,154.42
100	Okhla	Raghvendra Singh	122,899.40	211	Shalimarbagh	DALIP KUMAR	208,356.34
101	Okhla	MANISH CHAWLA	185,518.74	212	Shalimarbagh	SUMER CHAND JAIN	260,293.74
102	Okhla	DHRAMVEER	214,509.50	213	Shalimarbagh	SUMER CHAND JAIN	283,183.64
103	Okhla	RAJESH KUMAR	217,062.48	214	Shalimarbagh	SUMIT CHOPRA	287,333.54
104	Okhla	FAYAZ AHMED	228,582.50	215	Shalimarbagh	AJAI SINGH	316,245.50
105	Okhla	HEMLATA BAIRWA	228,858.40	216	Shalimarbagh	ATUL SRIVASTAVA	343,479.28
106	Okhla	SONU SINGH	242,799.82	217	Shalimarbagh	SAHIL NARULA	622,177.62
107	Okhla	RAMU SINGH	268,294.46	218	Shalimarbagh	SACHIN SETH	817,264.50
108	Okhla	Pankaj Chauhan	289,083.30	219	Shalimarbagh	MAMTA JANGID	960,792.22
109	Okhla	Parveen Parveen	502,804.28	220	Shalimarbagh	ATUL GOVIL	1,076,864.52
110	Okhla	GEETA .	726,840.50				
111	Okhla	MANGESH DEVI	891,518.50				

The rest of terms and conditions and content of the public notice for auction Pledged gold ornaments dated 17.09.2021 will be same.

Date:16.09.2021, Place: Delhi **Authorised Officer, (CSB Bank Limited)**

राणे अपने खिलाफ दर्ज छह एफआईआर के लिए अलग-अलग याचिकाएं दायर करें: हाईकोर्ट

● महाराष्ट्र के सीएम के खिलाफ विवादित टिप्पणी का मामला

भाषा। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को निर्देश दिया कि वह मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ की गई अपनी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर राज्य भर के छह पुलिस थानों में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों को रद्द करने के लिए अलग-अलग याचिकाएं दायर करें। राणे ने महाड, नासिक, पुणे, ठाणे, जलगांव और अहमदनगर में अपने खिलाफ दर्ज मुकदमों को रद्द करने का अनुरोध करते हुए एक याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति एस एस शिंदे और न्यायमूर्ति एन जे जामदार की खंडपीठ ने शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि बेहतर होगा कि प्रत्एक प्राथमिकी के लिए अलग-अलग याचिका दायर की जाए। अदालत ने कहा, प्राथमिकी अलग-अलग थानों की हैं। प्रत्एक प्राथमिकी को चुनौती अलग-अलग याचिकाओं में दी जाए। इससे अभियोजन पक्ष के लिए भी प्रत्एक थाने से निर्देश लेना आसान होगा। राणे के वकील अशोक मुंदरगी और वकील अनिकेत निकम ने सहमति जताते हुए कहा कि वे अलग-अलग याचिकाएं दायर करेंगे। साथ ही उन्होंने सभी मामलों में अंतरिम संरक्षण प्रदान करने का अनुरोध किया। मुंदरगी ने कहा, अभियोजन पक्ष ने पहले कहा था कि वे नासिक साइबर पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में राणे के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्वाई नहीं करेंगे। अन्य मामलों में भी इसी तरह की सुरक्षा दी जानी चाहिए। अदालत ने कहा कि वह पहले याचिकाओं पर सुनवाई करेगी और फिर फैसला लेगी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 30 सितंबर तय की है। अभियोजन की ओर से पेश अतिरिक्त सरकारी वकील जएश याज्ञनिक ने कहा कि राणे ने आश्वासन दिया था कि वह नासिक पुलिस द्वारा की जा रही जांच में सहयोग करेंगे और उन्हें अपना बयान दर्ज कराने के लिए 25 सितंबर को पुलिस के समक्ष पेश होना होगा। मुंदरगी ने कहा कि राणे सहयोग करेंगे और वीडियो कांफ्रेंस के जरिए पेश होंगे।राणे ने पिछले महीने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को देश के स्वतंत्रता के वर्ष की जानकारी नहीं होने के लिए कथित तौर पर थप्पड़ मारने की बात कही थी।

दुर्गा मूर्ति की ऊंचाई तय करने के फैसले के खिलाफ याचिका खारिज

● ओडिशा उच्च न्यायालय ने सुनाया फैसला

भाषा। कटक

ओडिशा उच्च न्यायालय ने राज्य में देवी दुर्गा की मूर्ति की अधिकतम ऊंचाई चार फुट निर्धारित करने के सरकार के फैसले के खिलाफ दाखिल एक याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि इस मामले को किसी परंपरा या प्रथा के ऐसे आवश्यक पहलू के रूप में नहीं देखा जा सकता है, जिसके बिना त्योहार का महत्व न हो। मुख्य न्यायाधीश एस मुरलीधर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता अदालत को यह समझाने में सक्षम नहीं हैं कि अगर मूर्ति की ऊंचाई चार फुट तक सीमित है, तो यह किस तरह इस अवसर की पवित्रता, उत्सव से जुड़ी भक्ति और उत्साह, व लोगों की धार्मिक भावनाओं में विपरीत तरीके से हस्तक्षेप के समान है। पीठ ने यह टिप्पणी सरकार के आदेश के खिलाफ कटक की बालूबाजार पूजा समिति और उसके तीन पदाधिकारियों द्वारा दायर याचिका पर की। अदालत ने यह भी कहा कि अन्य दुर्गा पूजा समितियों में से किसी ने भी प्रतिबंध को सार्वजनिक भावनाओं को आहत करने या उनके समारोहों में हस्तक्षेप करने वाला नहीं पाया। ओडिशा सरकार ने 9 अगस्त को पूजा आयोजकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि कोविड-19 महामारी के कारण लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए खतरे के आलोक में दुर्गा की मूर्तियों की ऊंचाई चार फुट से कम होगी।

एनआईए की छापेमारी में एक गिरफ्तार

भाषा। चेन्नई

राष्ट्रीय अन्वेषण अधिकरण (एनआईए) ने तमिलनाडु में दो स्थानों पर छापे मारे तथा इस्लामिक स्टेट और कट्टरपंथी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर की विचारधारा का समर्थन करने वाले फेसबुक पोस्ट से संबंधित मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जांच एजेंसी के अधिकारी ने बताया कि तिरुवरूर जिले के बावा बहरुदीन को एनआईए ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि यह मामला मदुरै में दर्ज है और यह मोहम्मद इकबाल से संबंधित है, जो अपने फेसबुक अकाउंट का उपयोग एक खास समुदाय को बदनाम करने तथा विभिन्न धर्मों के बीच सांप्रदायिक वैमनस्य को बढ़ावा देने वाले पोस्ट अपलोड करता था।

अधिकारी ने बताया कि इकबाल ने हिज्ब-उत-तहरीर के नाम पर बहरुदीन सहित अन्य लोगों के साथ मिलकर इस्लामिक स्टेट को फिर से स्थापित करने और भारत सहित विश्व भर में शरिया कानून लागू करने की साजिश रची। अधिकारी के अनुसार, इस साजिश को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने बंद कमरों में बैठकें की थीं और भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करने के इरादे से पोस्ट अपलोड करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर कई अकाउंट बनाए थे। ऐसी बैठकें बहरुदीन द्वारा संचालित की गईं तथा तमिलनाडु के मदुरै, इरोड, सलेम और तंजौर जिलों में हुईं। उन्होंने बताया कि तिरुवरूर जिले के मन्नारगुडी और तंजौर जिले के मंसूर अली थैकल इलाके में बृहस्पतिवार को मारे गए छापों में हिज्ब-उत-तहरीर से संबंधित आपत्तिजनक साहित्य व तीन डिजिटल उपकरण जब्त किए गए। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच की जा रही है।

शॉर्ट्स पहनकर परीक्षा देने पहुंची लड़की को पर्दे से पैर ढकने को कहा गया, जांच के आदेश

भाषा। गुवाहाटी

असम के तेजपुर में परीक्षा देने पहुंची 19 वर्षीय एक लड़की को तब पर्दे से अपने पैर ढकने पड़े जब परीक्षा निरीक्षक ने उसके शॉर्ट्स पहनकर आने पर आपत्ति जताई। इस घटना से विवाद खड़ा हो गया है और विश्वविद्यालय अधिकारियों को जांच का आदेश देना पड़ा है। लड़की के परिजनों ने हालांकि कहा कि वे अपनी बेटी के शैक्षिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए मामले को तूल नहीं देना चाहते। घटना बुधवार को तब हुई जब लड़की अपने गृहनगर बिस्वनाथ चरियाली से असम कृषि विश्वविद्यालय (एएयू) की प्रवेश परीक्षा देने तेजपुर पहुंची थी। वह बिना किसी रोकटोक के परीक्षा स्थल पर पहुंच गई, लेकिन परीक्षा हॉल में मौजूद परीक्षा निरीक्षक ने उसके शॉर्ट्स पहने होने पर आपत्ति जताई। लड़की के पिता बाबुल तामुली ने पीटीआई-भाषा को शुक्रवार को बताया कि जब गिरिजानंद चौधरी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज (जीआईपीएस) में परीक्षा निरीक्षक ने उनकी बेटी से यह कहा कि उसे शॉर्ट्स पहनकर परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी तो उसने अधिकारियों के समक्ष मामला उठाया और इसके साथ ही प्रवेश पत्र में भी ड्रेस कोड का कोई उल्लेख नहीं था। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी ने यह भी बताया कि वह हाल में शॉर्ट्स पहनकर नीट परीक्षा में भी बैठी थी। परीक्षा निरीक्षक पर जब कोई असर नहीं पड़ा तो लड़की परीक्षा केंद्र के बाहर मौजूद अपने पिता के पास पहुंची और संबंधित मामले की जानकारी दी। इसपर तामुली ट्राउजर खरीदने के लिए तत्काल पास के बाजार के लिए रवाना हो गए, लेकिन जब तक वह लौटते तब तक अधिकारियों ने पैर ढकने के लिए लड़की को एक पर्दा उपलब्ध करा दिया था। लड़की ने फिर पर्दे से अपने पैरों को ढककर परीक्षा दी। तामुली ने कहा, मेरी बेटी घबरा गई थी और उसने इस अपमानजनक घटना के बारे में कुछ स्थानीय पत्रकारों से बात की तथा फिर यह बात सोशल मीडिया पर छा गई। अनेक लोगों ने घटना की निंदा की, लेकिन कई ने मेरी बेटी पर ही हमला बोला, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गई है। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने अधिकारियों के खिलाफ कार्वाई के लिए मामले को आगे बढ़ाने का सुझाव दिया, लेकिन परिवार ने इसे और तूल न देने का फैसला किया है। तामुली ने कहा, हमने अपनी बेटी की मानसिक कुशलक्षेम के हित में मामले को आगे न बढ़ाने का निर्णय किया है। हम चाहते हैं कि वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करे। विश्वविद्यालय ने हालांकि घटना की जांच के लिए तीन सदस्ईय समिति गठित कर दी है। इसके रजिस्ट्रार तपन कुमार गोहैन ने कहा कि कृषि संकाय के डीन के नेतृत्व में समिति जांच करेगी और 10 दिन के भीतर रिपोर्ट देगी। उन्होंने कहा कि एएयू ने परीक्षार्थियों के लिए कोई ड्रेस कोड लागू नहीं किया था। अनेक लोगों ने घटना पर नाराजगी जताई है।

मुनाफा वसूली से शेयर बाजार की तेजी थमी

भाषा। मुंबई

शेयर बाजारों में पिछले तीन दिनों से जारी तेजी पर शुक्रवार को विराम लग गया और बीएसईएस सेंसेक्स 125 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि, कारोबार के दौरान शुरुआत में सूचकांक रिकार्ड उंचाई तक चले गए थे लेकिन अंत में निवेशकों की रिलायंस इंडस्ट्रीज, धातु और आईटी शेयरों में मुनाफसूली से बाजार नीचे आ गए।

कारोबार के दौरान तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में 866 अंक का उतार-चढ़ाव आया। अंत में यह 125.27 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,015.89 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 44.35 अंक यानी 0.25 प्रतिशत फिसलकर 17,585.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 17,792.95 अंक के उच्चतम स्तर तक चला गया था। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक 3.57 प्रतिशत के नुकसान में टाटा स्टील का शेयर रहा। इसके अलावा, एसबीआई, टीसीएस, एचयूएल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा और आईसीआईसीआई बैंक में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, कोटक बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, मारुति, नेस्ले इंडिया और बजाज फिनसर्व में 5.26 प्रतिशत की तेजी रही। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 710 अंक यानी 1.21 प्रतिशत जबकि निफ्टी 215.90 अंक यानी 1.24 प्रतिशत उंचे रहे। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, टीकाकरण की तेज गति और निर्यात आंकड़ा उत्साहजनक रहने के साथ बाजार 60,000 के करीब पहुंचा .... लेकिन जीएसटी परिषद की बैठक के परिणाम आने से पहले मुनाफावसूली के कारण लाभ बरकरार नहीं रह पाया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि मजबूत शुरूआत के बावजूद घरेलू शेयर बाजार मुनाफावसूली और वैश्विक स्तर पर मिले-जुले रुख के साथ अंत में हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। उन्होंने कहा, सरकार की तरफ से बैंकों में दबाव वाली संपत्ति के निपटान को लेकर राष्ट्रीय संपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी लि. के लिए 30,600 करोड़ रुपए की गारंटी की मंजूरी के बावजूद मुनाफावसूली के सबसे ज्यादा शिकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ही रहें ...। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, टोक्यो, सियोल और हांगकांग लाभ में रहें। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.54 प्रतिशत फिसलकर 75.26 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर चार पैसे की बढ़त के साथ 73.48 पर बंद हुई। शेयर बाजार के आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक बृहस्पतिवार को पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने I,621.88 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे।

50 करोड़ लोगों को कौशल प्रशिक्षण देने के लिए बड़ी संख्या में प्रशिक्षकों की जरूरतः कौशल विकास सचिव

भाषा। नई दिल्ली

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सचिव रवि मित्तल ने शुक्रवार को कहा कि देशभर में अगले कुछ वर्षों के दौरान करीब 50 करोड़ लोगों को कौशल प्रदान करने के लिए लाखों प्रशिक्षकों की जरुरत है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह के कौशल को बढ़ावा देने में प्रशिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

मित्तल ने कहा, अगले कुछ वर्षों के दौरान 50 करोड़ लोगों को कौशल प्रदान की जरुरत है। अगर हमें भारत को अगले स्तर पर ले जाना है, तो हमें लोगों को कुशल बनाने की जरुरत है और इसके लिए हमारे प्रशिक्षकों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। सचिव ने कौशल प्रशिक्षकों को सम्मानित करते हुए कौशलाचार्य पुरस्कार 2021 की घोषणा के दौरान कहा कि हमें सैकड़ों हजारों और लाखों प्रशिक्षकों की एक सेना बनानी होगी क्योंकि 50 करोड़ लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए उनकी आवश्यकता होगी। इस अवसर पर कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रशिक्षकों के मानकीकरण और कुशल लोगों की घरेलू और विश्व दोनों स्तर पर मांग पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्कूल में 26 करोड़ सीट हैं और उनके लिए 10 करोड़ अध्यापक हैं। इस प्रकार यदि हमें 50 करोड़ लोगों को प्रशिक्षित करना है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने प्रशिक्षक और मास्टर प्रशिक्षकों की आवश्यकता होगी।

क्विक न्यूज

टाटा मोटर्स का सफारी गोल्ड संस्करण पेश, कीमत 21.89 लाख रुपए

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने प्रमुख मॉडल सफारी का एक विशेष संस्करण पेश किया है, जिसकी कीमत (एक्स शोरूम) 21.89 लाख रुपए है। सफारी गोल्ड संस्करण दो रंग संयोजनों - द व्हाइट गोल्ड और द ब्लैक गोल्ड, में पेश किया गया है। इस मॉडल को वीवो आईपीएल 2021 के आगामी दूसरे चरण में प्रदर्शित किया जाएगा। टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि लेदर सीट, वायरलेस चार्जर, एयर प्यूरीफायर, और वाईफाई पर एंड्रॉइड ऑटो एवं एप्पल कारप्ले जैसी प्रीमियम सुविधाओं के साथ इसके इंटीरियर को और भी बेहतर बनाया गया है। टाटा मोटर्स के विपणन प्रमुख (यात्री एवं इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार इकाई) विवेक श्रीवत्स ने कहा, सफारी को हमारे ग्राहकों से बहुत प्यार मिला है और इस प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए हमें सफारी गोल्ड संस्करण की पेशकश करने की खुशी है। उन्होंने बताया कि नई सफारी की पेशकश के पांच महीनों से कम समय में इसकी 10,000 इकाई की बिक्री हो चुकी है और ए अपने खंड में सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी में से एक है।

पीएफआरडीए की पेंशन योजनाओं में अंशधारकों की संख्या अगस्त में 24 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की प्रमुख पेंशन योजनाओं के अंतर्गत अंशधारकों की संख्या इस साल अगस्त में 24 प्रतिशत बढ़कर 4.53 करोड़ पर पहुंच गई। पीएफआरडीए ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएफआरडीए दो पेंशन योजनाओं ... राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और अटल पेंशन योजना ... का संचालन करता है। बयान के अनुसार, एनपीए के अंतर्गत अंशधारकों की संख्या इस साल अगस्त महीने में सालाना आधार पर 24.06 प्रतिशत बढ़कर 453.41 लाख हो गई। वही, अगस्त 2020 में यह 365.47 लाख थी। पीएफआरडीए के आंकड़े के अनुसार अटल पेंशन योजना के तहत अंशधारकों की संख्या इस साल 31 अगस्त में 33.20 प्रतिशत बढ़कर 304.51 लाख पर पहुंच गई। कुल प्रबंधन अधीन पेंशन संपत्ति सालाना आधार पर अगस्त 2021 के अंत में 32.91 प्रतिशत बढ़कर 6,47,621 करोड़ रुपए हो गई। इसमें से अटल पेंशन योजना के तहत प्रबंधनाधीन संपत्ति 18,059 करोड़ रुपए रही जो कि एक साल पहले के मुकाबले 33 प्रतिशत अधिक है। एनपीएस से मुख्य रूप से संगठित क्षेत्र के कर्मचारी जुड़े हैं। इसमें केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारी, स्वायत्त निकाय, निजी कंपनियों के कर्मचारी तथा अन्य शामिल है। वही अटल पेंशन योजना का लक्ष्य मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों को पेंशन योजना के दायरे में लाना है।

ब्रिटेन को एफटीए को लेकर भारत के साथ बातचीत जल्द पूरी होने की उम्मीद

नई दिल्ली। ब्रिटेन ने शुक्रवार को उम्मीद जताई कि वह भारत के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत जल्द पूरी कर लेगा। एफटीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को और बढ़ावा देना है। ब्रिटेन के निवेश मंत्री लॉर्ड गेरी ग्रिमस्टोन ने कहा, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत- ईयू (यूरोपीय संघ) एफटीए पूरा होने से पहले हम भारत-ब्रिटेन एफटीए को पूरा कर लेंगे। उन्होंने उद्योग संगठन सीआईआई द्वारा आयोजित भारत-ब्रिटेन वार्षिक सम्मेलन में अपने संबोधन में कहा कि इस बात पर सकारात्मक चर्चाएं हुई हैं कि कैसे व्यापार समझौता दोनों अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ने और अगले दशक में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के साधन के रूप में कार्य कर सकता है। भारत और ब्रिटेन अपने प्रस्तावित द्विपक्षीय एफटीए के लिए एक नवंबर तक बातचीत शुरू करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। हाल ही में, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि दोनों देश एक व्यापक एफटीए को अगले कदम के रूप में लक्षित कर एक अंतरिम व्यापार समझौते की ओर बढ़ रहे हैं। ब्रिटेन में भारत की उच्चायुक्त गायत्री इस्सर कुमार ने कहा कि भारत ब्रिटेन के साथ एक मजबूत एफटीए करने की दिशा में काम कर रहा है।

विद्युत योजनाओं की प्रगति की निगरानी को जिला स्तरीय समितियां बनाएंः केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे सभी जिलों में एक समिति गठित करें जो विद्युत क्षेत्र से जुड़ी भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की निगरानी करेगी। विद्युत मंत्रालय ने कहा कि उसने जिला स्तरीय समितियों के गठन के लिए एक आदेश जारी किया है जो केंद्र की बिजली से जुड़ी सभी योजनाओं की निगरानी करेगी, साथ ही सेवाओं के प्रावधान को लेकर लोगों पर इसके प्रभाव का भी निरीक्षण करेंगी। यह कदम देश में विद्युत क्षेत्र में सुधारों और उनके कार्यान्वयन की प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए उठाया जा रहा है। सभी राज्योंकेंद्रशासित क्षेत्रों के अतिरिक्त मुख्य सचिवा प्रधान सचिव-सचिव (विद्युताऊर्जा) के नाम जारी इस आदेश में उनसे विद्युत मंत्रालय की घोषणा के अधीन इन जिला विद्युत समितियों की स्थापना सुनिश्चित करने और उसकी सूचना देने का अनुरोध किया गया है। बयान के मुताबिक आदेश में यह भी कहा गया है कि नियमित रूप से बैठकों का संचालन करना संयोजक और सदस्य सचिव की जिम्मेदारी होगी। इसमें कहा गया कि जिले में सबसे वरिष्ठ संसद सदस्य समिति के अध्यक्ष होंगे, जिले के अन्य सांसद सह-अध्यक्ष होंगे। जिला कलेक्टर सदस्य सचिव होंगे। इसके सदस्यों में जिला पंचायत के चेयरमैनाअध्यक्ष और जिले के विधायक सहित अन्य शामिल होंगे।

अगस्त में तेल खल का निर्यात चार प्रतिशत घटाः एसईए

नई दिल्ली। पशु आहार के रूप में उपयोग किए जाने वाले तेल खल का निर्यात अगस्त में चार प्रतिशत घटकर I,64,831 टन रह गया। तेल उद्योग के प्रमुख संगठन, साल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक बयान में कहा गया है कि तेल खल की स्थानीय कमी को पूरा करने के लिए, सरकार ने आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) सोयामील के आयात की अनुमति दी है और इससे पोल्ट्री उद्योग को कुछ राहत मिलनी चाहिए। कुक्कुट पालन और अन्य क्षेत्रों में तेल खल का उपयोग पशुओं के चारे के रूप में किया जाता है। तेल खल का निर्यात अगस्त 2020 में I,71,515 टन रहा था। एसईए द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस साल अगस्त में सोयाबीन का निर्यात तेजी से घटकर 10,975 टन रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 58,190 टन था। एसईए ने कहा कि दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और बांग्लादेश को निर्यात की अधिक खेप भेजे जाने के कारण रेपसीड खली के निर्यात में काफी वृद्धि हुई है। वियतनाम और बांग्लादेश से बड़ी मांग के कारण चावल भूसी तेल खली के निर्यात बेहतर रहा है। दक्षिण कोरिया, वियतनाम और थाईलैंड भारत के तेल खली के तीन प्रमुख निर्यात गंतव्य है।

पी-नोट्स के जरिए निवेश अगस्त अंत तक 97,744 करोड़ रुपए पर पंहुचा

भाषा। नई दिल्ली

घरेलू पूंजी बाजार में पी-नोट्स (पार्टिसिपेटरी नोट्स) के जरिए निवेश में लगातार वृद्धि जारी है। अगस्त महीने के अंत तक यह 97,744 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पी-नोटस दरअसल पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) विदेशी निवेशकों को जारी किए जाते हैं, जो बिना पंजीकरण के भारतीय शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं। हालांकि, उन्हें पूरी जांच-परख की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार शेयर, बांड, हाइब्रिड सिक्योरिटीज और डेरिवेटिव्स समेत भारतीय पूंजी बाजार में पी-नोट्स निवेश अगस्त 2021 के अंत में 97,744 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो जुलाई के अंत में 85,799 करोड़ रुपए था। सेबी ने हालांकि जुलाई के आंकड़ों को संशोधित किया है, जिसे पहले I,01,798 करोड़ रुपए बताया गया था। सेबी की वेबसाइट पर जारी जानकारी के अनुसार, एक एफपीआई ने जुलाई 2021 के महीने के लिए 15,999 करोड़ रुपए मूल्य के निवेश की गलत या अधिक मूल्य की जानकारी दी थी। इसके कारण जुलाई, 2021 के आंकड़ों में संशोधन किया गया है। इससे पहले जून अंत तक पी-नोट्स निवेश 92,261 करोड़ रुपए, मई अंत तक 89,743 करोड़ रुपए, अप्रैल अंत तक 88,447 करोड़ रुपए तथा मार्च के अंत में 89,100 करोड़ रुपए था। पी-नोट्स के जरिए अगस्त तक किए गए कुल 97,744 करोड़ रुपए के निवेश में 89,844 करोड़ रुपए का निवेश इक्विटी, 7,586 करोड़ रुपए का निवेश ऋण तथा हाइब्रिड सिक्योरिटीज के माध्यम से 315 करोड़ रुपए का निवेश किया गया। रिलायंस सिक्योरिटीज के मुख्य व्यवसाय अधिकारी दीपक सिंह ने कहा, पी-नोट्स में वृद्धि दर्शाता है कि भारतीय बाजारों में एफपीआई निवेश निरंतर आधार पर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत पूंजीगत खर्च के पुनरुद्धार चरण की शुरुआत में है।

पीएनबी ने रेपो आधारित उधारी दर को 0.25% घटाकर 6.55% किया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने रेपो आधारित उधारी दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर इसे 6.55 प्रतिशत पर ला दिया है। पीएनबी ने शेयर बाजार को भेजी जानकारी में कहा, रेपो से जुड़ी उधारी दर (आरएलएलआर) को 17 सितंबर 2021 (शुक्रवार) से 6.80 प्रतिशत से घटाकर 6.55 प्रतिशत कर दिया गया है। आरएलएलआर को अक्टूबर 2019 में पेश किया गया था। यह एक फ्लोटिंग दर पर आधारित व्यक्तिगत या खुदरा ऋण है, जो बाहरी मानक, जैसे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रेपो दर, से जुड़ा हुआ है। रेपो वह दर है, जिस पर आरबीआई वाणिज्यिक बैंकों को उनकी अल्पकालिक जरूरतों के लिए उधार देता है। त्योहारी मौसम के करीब आने के साथ कई बैंक आवास और खुदरा कर्ज पर ब्याज दर में कटौती कर रहे हैं। इससे पहले स्टेट बैंक और कुछ अन्य बैंक भी ब्याज दर में कमी की घोषणा कर चुके हैं।

खाद्य तेलों के थोक दाम में दिख रहा अब गिरावट का रुखः सरकार

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने शुक्रवार को कहा कि घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए सरकार की ओर से की गई विभिन्न पहल के बाद देश भर के थोक बाजारों में आठ प्रकार के खाद्य तेलों की कीमतों में पिछले सप्ताह की तुलना में गिरावट का रुख दिखा है। बयान में कहा गया कि 14 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान मूंगफली, सरसों तेल, वनस्पति, सूरजमुखी तेल, पाम तेल, नारियल तेल और तिल तेल की थोक कीमतों में गिरावट आई। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, पाम तेल का थोक भाव 14 सितंबर को 2.50 प्रतिशत गिरकर 12,349 रुपए प्रति टन रह गया, जो एक सप्ताह पहले 12,666 रुपए प्रति टन था। तिल तेल का थोक भाव 2.08 प्रतिशत घटकर 23,500 रुपए प्रति टन रह गया, जबकि नारियल तेल 1.72 प्रतिशत घटकर 17,100 रुपए प्रति टन रह गया। इसी तरह, सूरजमुखी तेल का थोक भाव 14 सितंबर को, पहले के 16,176 रुपए प्रति टन से 1.30 प्रतिशत, घटकर 15,965 रुपए प्रति टन रह गया।

इस अवधि में मूंगफली तेल का थोक भाव 1.38 प्रतिशत घटकर 16,839 रुपए प्रति टन यानी I,684 रुपए क्विंटल रह गया, जबकि सरसों तेल और वनस्पति का थोक भाव एक प्रतिशत से कम की गिरावट के साथ क्रमशः 16,573 रुपए प्रति टन और 12,508 रुपए प्रति टन रह गया। हालांकि, खाद्य तेलों की थोक कीमतों में गिरावट का रुझान दिख रहा है, फिर भी दरें एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में कहीं अधिक हैं। कीमतों पर लगाम लगाने और घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए केंद्र ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क कम किया है। जमाखोरी के खिलाफ भी कदम उठाए हैं और थोक विक्रेताओं, मिल मालिकों और रिफाइनरों को अपने स्टॉक का विवरण एक वेब पोर्टल पर डालने को कहा है। यहां तक कि खुदरा विक्रेताओं को भी ब्रांडेड खाद्य तेलों की दरों को प्रमुखता से प्रदर्शित करने के लिए कहा गया है ताकि उपभोक्ता अपने पसंद के तेल का चुनाव कर सकें।

मुझे यूट्यूब से हर महीने रॉयल्टी के रूप में चार लाख रुपए मिलते हैंः गडकरी

भ्रूच (गुजरात)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि यूट्यूब पर डाले गए उनके व्याख्यान वीडियो की रॉयल्टी के रूप में उन्हें हर महीने चार लाख रुपए मिलते हैं। महामारी के दौरान यूट्यूब पर डाले गए उनके वीडियो को देखने वालों की संख्या काफी बढ़ी है। भ्रूच में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (डीएमई) के काम में हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने सड़क बनाने वाले ठेकेदारों और परामर्शदाताओं को रेटिंग देनी शुरू की है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि कोविड-महामारी के दौरान उन्होंने दो काम किए। उन्होंने कहा, मैं घर पर खानसामा बन गया और वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से व्याख्यान देने लगा। मैंने ऑनलाइन 950 से अधिक व्याख्यान दिए। इसमें विदेशी विश्विद्यालयों के छात्रों के लिए दिए गए व्याख्यान शामिल हैं। इसे यूट्यूब पर अपलोड किया गया। उन्होंने कहा, यूट्यूब चैनल पर मेरे दर्शकों की संख्या काफी बढ़ी है और यूट्यूब अब मुझे हर महीने चार लाख रुपए रॉयल्टी के रूप में दे रहा है। अपने बेबाक विचार के लिए चर्चित गडकरी ने कहा कि भारत में जो लोग अच्छे काम करते हैं, उन्हें सराहना नहीं मिलती है।

बैंकों में आवास ऋण पर ब्याज दर घटने से बढ़ जाएगी मकानों की मांगः डेवलपर

भाषा। नई दिल्ली

जमीन जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनियों और परामर्शदाओं का मानना है कि देश में त्योहारों के दौरान बैंकों की ओर से कम ब्याज दर पर आवास रिण की पेशकश किए जाने से मकानों की मांग में उल्लेखनीय तेजी आ सकती है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) समेत कई बैंकों ने त्योहारों के दौरान आवास रिण पर ब्याज दर में छूट के साथ ही अन्य पेशकश की हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के अन्य बैंक भी जल्दी ही त्योहारों को देखते हुए आवास रिण पर ब्याज दर में रियायत की पेशकश करेंगे। उल्लेखनीय है कि देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बृहस्पतिवार को त्योहार के दौरान मकान के लिए कर्ज लेने वाले संभावित ग्राहकों के लिए विभिन्न पेशकश की हैं। इसमें क्रेडिट स्कोर से जुड़ा कितनी भी राशि का कर्ज शामिल है, जिस पर ब्याज दर 6.70 प्रतिशत से शुरू होगी। अब तक, कर्जदार को 75 लाख रुपए से अधिक के आवास ऋण के लिए 7.15 प्रतिशत ब्याज देना होता था। रियल एस्टेट सेवा कंपनी एनरॉक समूह के अध्यक्ष अनुज पुरी ने कहा, यह एसबीआई का एक अत्यंत प्रतिस्पर्धी कदम है ... केवल सस्ते आवास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय यह नई ब्याज दर वास्तव में बेहतर है। इससे हर श्रेणी के लोगों को लाभ होगा। उन्होंने कहा, इस साल, हमें इस अवधि के दौरान आवास खंड में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल सकता है। प्रसंस्करण शुल्क को समाप्त किया जाना और व्यवसाय से ब्याज प्रीमियम जैसी आकर्षक पेशकश बचत को बढ़ाएंगी। पुरी ने उम्मीद जताई कि अन्य ऋणदाता प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए एसबीआई का अनुसरण करेंगे। हाउसिंग डॉट कॉम, मकान डॉट कॉम और प्रॉपटीगर डॉट कॉम के मुख्य वित्त अधिकारी (समूह) विकास वधावन ने कहा कि एसबीआई के आवास ऋण पर ब्याज दरों में कमी से क्षेत्र को और गति मिलने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, कीमत पहले से ही कम है तथा इन उपायों से खरीदार थोड़ा और पैसा बचाने में सक्षम होंगे। रहेजा डेवलपर्स के कार्यकारी निदेशक नयन रहेजा ने कहा कि किफायती और मध्यम श्रेणी के घरों की मांग बढ़ेगी क्योंकि इससे लोगों के पास अधिक पैसे बचेंगे। उन्होंने कहा, यह खरीदारों के लिए लाभ की दोहरी खुराक होगी क्योंकि कंपनियों ने निर्माण लागत बढ़ने के बावजूद पहले से ही कीमतों को कम रखा है।

अदालत ने अवंता समूह के प्रवर्तक गौतम थापर की जमानत याचिका पर ईडी से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने धनशोधन के एक मामले में अवंता ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रवर्तक गौतम थापर की जमानत याचिका पर शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। विशेष न्यायाधीश संजीव अग्रवाल ने ईडी को नोटिस जारी कर 27 सितंबर तक जवाब देने को कहा है। याचिका में दावा किया गया है कि आरोपी को अब हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत नहीं है तथा उन्हें और हिरासत में रखने से कोई मकसद पूरा नहीं होगा। विधि कंपनी करंजावल एंड कंपनी के माध्यम से दायर की गई जमानत याचिका में दावा किया गया है कि आरोपी द्वारा सबूतों के साथ छेड़छाड़ या गवाहों को प्रभावित करने की कोई संभावना नहीं है। थापर (60) को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गत तीन अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। तीन अगस्त को एजेंसी ने उनके और उनके संबंधित कारोबारों के खिलाफ दिल्ली और मुंबई में छापेमारी की थी। ईडी थापर की कंपनी अवंता रियल्टी और यस बैंक के सह-संस्थापक राणा कपूर एवं उनकी पत्नी के बीच कथित लेन-देन की जांच कर रही थी। एजेंसी कपूर और उनकी पत्नी के खिलाफ पहले से ही पीएमएलए के तहत जांच कर रही है।

पेज एक का शेष

पीएम के...

आंकड़े को पार कर लिया। एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि सरकार का ट्रैकर एक मिनट में 42,000 टीकाकरण दर्शा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के प्रमुख आरएस शर्मा ने ट्वीट किया कि कोविड-19 के खिलाफ भारत के टीकाकर्मियों के लगातार प्रयासों को सराहते हुए हमने ट्रैकर को भी जोड़ा है जो रियल टाइम में टीकाकरण की स्थिति को दर्शाता है। वर्तमान में हम प्रति मिनट 42,000 टीकाकरण या प्रति सेकेंड 700 टीका लगा रहे हैं।

शांति व...

के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, इसलिए यह आवश्यक है कि नई व्यवस्था को मान्यता देने पर वैश्विक समुदाय सोच समझ कर और सामूहिक रूप से फैसला ले। प्रधानमंत्री ने कहा कि पड़ोसी देश के ताजा घटनाक्रमों को देखते हुए इस मामले में क्षेत्रीय फोकस और सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम का सबसे अधिक प्रभाव हम जैसे पड़ोसी देशों पर होगा। और इसलिए इस मुद्दे पर क्षेत्रीय फोकस और सहयोग आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी ने चेताया कि अगर अफगानिस्तान में अस्थिरता और कट्टरवाद बना रहेगा तो इससे पूरे विश्व में आतंकवादी और अतिवादी विचारधाराओं को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, अन्य उग्रवादी समूहों को हिंसा के माध्यम से सत्ता पाने का प्रोत्साहन भी मिल सकता है। इससे ड्रग्स, अवैध हथियारों और मानव तस्करी का अनियंत्रित प्रवाह बढ़ सकता है। बड़ी मात्रा में आधुनिक हथियार अफगानिस्तान में रह गए हैं और इनके कारण पूरे क्षेत्र में अस्थिरता का खतरा बना रहेगा। मोदी ने कहा कि एसएसीओ के सदस्य देशों को इस विषय पर एक सख्त और सभी के लिए नियम कायदे बनाने चाहिए और वह आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग का हिस्सा भी बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह नियम आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने के सिद्धांत पर बन सकते हैं। साथ ही उन्होंने रेखांकित किया कि सीमापार आतंकवाद और आतंकवाद के वित्त पोषण को रोकने के लिए भी आचार संहिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, और उन्हें लागू करने के लिए एक तंत्र भी होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान में गंभीर मानवीय संकट है और वित्तीय प्रवाह में रुकावट के कारण अफगानिस्तान की जनता की आर्थिक विवशता बढ़ती जा रही है तथा साथ ही कोरोना की चुनौती भी उनके लिए यातना का कारण है। उन्होंने कहा, विकास और मानवीय सहायता के लिए भारत बहुत वर्षों से अफगानिस्तान का विश्वस्त सहयोगी रहा है। मूलभूत संरचनाओं से ले कर शिक्षा, सेहत और क्षमता निर्माण तक हर क्षेत्र में और अफगानिस्तान के हर भाग में हमने अपना योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आज भी हम अपने अफगान मित्रों तक खाद्य सामग्री, दवाइयां आदि पहुंचाने के लिए इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिल कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अफगानिस्तान तक मानवीय सहायता निर्बाध तरीके से पहुंच सके।

मोदी के...

मानते हैं। बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर चौधरी ने इस पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि टीएमसी ख्याली पुलाव पका रही है। यदि जागो बांग्ला ममता बनर्जी को बढ़ावा नहीं देगा तो और कौन ऐसा करेगा। लोकसभा चुना अभी दूर है। इस पर अभी से बात करने की कोई जरूरत नहीं है। हम देखेंगे कि चुनाव से पहले कौन क्या बनता है। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने भी राष्ट्रीय स्तर पर बनर्जी की स्वीकार्यता पर संदेह जताया। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा दावा करना बहुत जल्दबाजी है।

पेट्रोल, डीजल...

अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया कि जीएसटी परिषद ने कोविड उपचार में उपयोग होने वाली दवाओं पर लागू रियायती जीएसटी दरों का समय 31 दिसंबर 2021 तक बढ़ा दिया है। इसमें सात दवाएं है जबकि एम्फोटेरेसिन बी और टाक्लिजूमेब दवाओं को जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है। जोल्गेन्स्मा और विलटेप्सो जैसी मांसपेशियों के उत्तकों के क्षरण (स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी) में उपयोगी दवाओं पर जीएसटी से छूट दी गई है, जिस पर करोड़ों रुपए की लागत आती है। साथ ही कैंसर के इलाज में प्रयुक्त होने वाली दवा क्रेट्रडा पर जीएसटी 12 से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। बैठक में दिव्यांगों के व्हीकल में इस्तेमाल में आने वाली रेट्रो किट पर जीएसटी पांच प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा, माल ढुलाई वाहनों के परिचालन के लिए राज्यों द्वारा वसूले जाने वाले राष्ट्रीय परमिट शुल्क से छूट देने का फैसला किया गया है। सीतारमण ने कहा कि परिषद ने जूता-चप्पल और कपड़ों पर एक जनवरी, 2022 से उल्टा शुल्क ढांचे (कच्चे माल पर कम और तैयार माल पर अधिक शुल्क) को ठीक करने को लेकर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि कलम पर 18 प्रतिशत की एकल दर से जीएसटी जबकि विशिष्ट नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों पर 12 प्रतिशत माल एवं सेवा कर लगाने का निर्णय किया गया है। परिष्द द्वारा लिए गए एक अन्य फैसले में कहा गया है कि स्विगी और जोमैटो जैसी ई-वाणिज्य इकाइयां उनके जरिए आपूर्ति की जाने वाली रेस्तरां सेवा पर जीएसटी का भुगतान करेंगी, यह कर डिलिवरी बिंदु पर वसूला जाएगा। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया कि बाल विकास पुष्टहार योजनाओं में इस्तेमाल होने वाले फोर्टिफाइस राईस पर जीएसटी 18 से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। बैठक में खनिजों के समिश्रण में प्रयुक्त होने वाली आयरन, कापर, एल्यूमिनियम, जिंक समेत अन्य धातुओं पर जीएसटी पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है। पैकेजिंग में प्रयुक्त होने वाले पेपर पर जीएसटी 18 प्रतिशत, प्लास्टिक और अन्य पालीथीन के स्क्रैप पर जीएसटी पांच से बढ़ाकर 18 प्रतिशत, सभी प्रकार के कलम पर 18 प्रतिशत, रेलवे और लोकोमोटिव के निर्माण में प्रयुक्त होने वाले कलपुर्जो पर जीएसटी 12 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। बैठक में रेस्तरां सेवा प्रदाता (जोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियां) और यात्री परिवहन से जुड़े ई-वाणिज्य परिचालकों की सेवाओं पर एक जनवरी, 2022 से 5 प्रतिशत जीएसटी लेने का निर्णय किया गया। डीजल में मिलाए जाने वाले बायोडीजल पर जीएसटी दर को 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। इसके साथ राज्यों द्वारा वस्तुओं की ढुलाई को लेकर वसूले जाने वाले राष्ट्रीय परमिट शुल्क को जीएसटी से छूट दी गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि पट्टे वाले विमानों को आई-जीएसटी (एकीकृत जीएसटी) से छूट दी गई है। कोविड-19 महामारी के बाद आमने-सामने बैठकर हो रही यह परिषद की पहली बैठक है। इस तरह की आखिरी बैठक 20 महीने पहले 18 दिसंबर 2019 को हुई थी। उसके बाद से परिषद की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए ही हो रही थी।

सोशल मीडिया...

लिए रुपये की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच और सर्विलांस की मदद से मेवात में छापेमारी की गई और दोनों आरोपियों जाहुल, मिनाज को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

पैरालंपियन नोएडा...

सम्मेलन की प्रतिकृति की सर्वाधिक बोली 40 लाख रुपये लगी है। नीलामी सात अक्टूबर तक चलेगी। नीलामी से प्राप्त धन का उपयोग गंगा के संरक्षण और पुनरुद्धार के उद्देश्य से चलाए जा रहे नमामी गंगे मिशन में किया जाएगा।

अधिक से अधिक तकनीकी केंद्रों के तेजी से निर्माण की आवश्यकताः राणे

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे ने शुक्रवार को कहा कि देश की 135 करोड़ आबादी के लिए अधिक से अधिक प्रौद्योगिकी केंद्रों को तेजी से बनाने की जरूरत है। उन्होंने हरियाणा के रोहतक में एक प्रौद्योगिकी केंद्र का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करते हुए कहा कि उद्यमियों के देश के निर्माण के लिए इन केंद्रों में विकसित नई तकनीक को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। राणे ने कहा कि कोविड-19 महामारी की चुनौती के दौरान इन एमएसएमई केंद्रों में विकसित तकनीक आत्मानिर्भर भारत पहल को अच्छी गति देगी। एक अलग बयान में मंत्रालय ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने भारत की क्षमता को मजबूत करने की स्पिन योजना शुरू की है।

न्यूज़ीलैंड ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा किया रद्द

भाषा। रावलपिंडी

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच शुरू होने से ठीक पहले शुक्रवार को सुरक्षा को खतरे का हवाला देते हुए पाकिस्तान का अपना वर्तमान दौरा रद्द कर दिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसे एकतरफा फैसला करार देते हुए कहा कि मेहमान टीम की सुरक्षा को किसी तरह का खतरा नहीं था। यह न्यूजीलैंड का पिछले 18 वर्षों में पाकिस्तान का पहला दौरा था। इस श्रृंखला में तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने थे।

कोविड-19 के कारण इस मैच को स्टेडियम की क्षमता के 25 प्रतिशत दर्शकों के साथ खेला जाना था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख रमीज राजा ने कहा कि दौरे से हटने पर न्यूजीलैंड को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) को जवाब देना होगा। रमीज ने कहा, बेहद ही निराशाजनक दिन। मुझे प्रशंसकों और हमारे खिलाड़ियों के लिए बहुत खेद है। सुरक्षा खतरे पर एकतरफा फैसला लेकर दौरे से हटना बहुत निराशाजनक है। खासकर जब वे इस खतरे को साझा भी नहीं कर रहे है। न्यूजीलैंड किस दुनिया में रह रहा है ?? न्यूजीलैंड को आईसीसी में हमें जवाब देना होगा। समस्या तब शुरू हुई जब सीमित ओवरों की श्रृंखला का पहला वनडे रावलपिंडी स्टेडियम में शुक्रवार को समय पर शुरू नहीं हुआ और दोनों टीमें होटल के अपने कमरों में ही रही। इसके बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड वाइट ने बयान जारी करके कहा कि उन्हें जो सलाह मिल रही थी उसे देखते हुए दौरा जारी रखना संभव नहीं है। न्यूजीलैंड की टीम 11 सितंबर को इस दौरे पर पहुंची थी। उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि यह पीसीबी के लिए करारा झटका होगा जो कि शानदार मेजबान रहा है लेकिन खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और हमारा मानना है कि इसके लिए यही जिम्मेदारी भरा विकल्प है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपनी तरफ से कहा कि न्यूजीलैंड ने श्रृंखला स्थगित करने का एकतरफा फैसला किया। पीसीबी ने बयान में कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और पाकिस्तान सरकार सभी मेहमान टीमों के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करती है। हमने न्यूजीलैंड क्रिकेट को भी इसका आश्वासन दिया था। उसने कहा, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री (इमरान खान) ने व्यक्तिगत स्तर पर न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री (जेसिंडा अर्डर्न) से बात की और उन्हें बताया कि हमारे पास दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खुफिया प्रणाली है और मेहमान टीम के लिए किसी भी तरह का कोई सुरक्षा खतरा नहीं है। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने भी शुक्रवार की घटनाओं पर निराशा जताई। उन्होंने ट्वीट किया, श्रृंखला के अचानक स्थगित होने से बेहद निराश हूं, यह लाखों पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों के लिए मुस्कान वापस ला सकता था। उन्होंने कहा,मुझे हमारी सुरक्षा एजेंसियों की क्षमताओं और विश्वसनीयता पर पूरा भरोसा है। वे हमारा गौरव हैं और हमेशा रहेंगे। पाकिस्तान जिंदाबाद। इससे पहले 2002 में भी न्यूजीलैंड ने कराची में टीम होटल के बाहर बम विस्फोट के बाद दौरा बीच में रद्द कर दिया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट खिलाड़ी संघ के मुख्य कार्यकारी हीथ मिल्स ने कहा कि खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ हित में दौरा रद्द करने का फैसला किया गया। मिल्स ने कहा, खिलाड़ी सुरक्षित हैं और प्रत्एक अपने सर्वश्रेष्ठ हितों में काम कर रहा है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने यह भी स्पष्ट किया कि वह सुरक्षा खतरों के बारे में विस्तार से नहीं बताएगा और न ही टीम की वापसी के लिए की जा रही व्यवस्था पर टिप्पणी करेगा। इस दौरे पर आई न्यूजीलैंड टीम में कप्तान केन विलियमसन, ट्रेंट बोल्ट, काइल जैमीसन और लॉकी फर्ग्यूसन जैसे बड़े सितारे नहीं थे। ए सभी खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग का हिस्सा हैं। पीसीबी ने कहा कि न्यूजीलैंड टीम के साथ आए सुरक्षा अधिकारी भी यहां की सुरक्षा व्यवस्था से संतुष्ट थे। बयान में कहा गया है, पीसीबी मैचों के आयोजन जारी रखने के लिए तैयार है। पाकिस्तान और विश्व भर के क्रिकेट प्रेमी आखिरी क्षणों में श्रृंखला रद्द किए जाने से निराश होंगे।

श्रृंखला के अचानक रद्द होने से बहुत निराश हूंः बाबर आजम

रावलपिंडी। न्यूजीलैंड के सुरक्षा खतरे का हवाला देकर दौरा रद्द करने के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि वह इससे बहुत निराश हैं जबकि पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने न्यूजीलैंड पर उनके देश में खेल की हत्या करने का आरोप लगाया। न्यूजीलैंड ने एक भी गेंद खेले बिना दौरा रद्द कर दिया और यह 18 साल में उसका पाकिस्तान के खिलाफ पहला दौरा था जिसमें तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला शामिल थी। कोविड-19 खतरे को ध्यान में रखते हुए इस श्रृंखला के लिए 25 प्रतिशत दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दी गई थी।

आजम ने शुक्रवार की घटनाओं पर निराशा जताई। उन्होंने ट्वीट किया, श्रृंखला के अचानक रद्द होने से बेहद निराश हूं, यह लाखों पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों के लिए मुस्कान वापस ला सकता था। उन्होंने कहा,मुझे हमारी सुरक्षा एजेंसियों की क्षमताओं और विश्वसनीयता पर पूरा भरोसा है। वे हमारा गौरव हैं और हमेशा रहेंगे। पाकिस्तान जिंदाबाद। वहीं शोएब अख्तर ने गुस्से में कहा, न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान क्रिकेट की हत्या कर दी। अख्तर ने कहा कि न्यूजीलैंड को याद रखना चाहिए था कि क्राइस्टचर्च हमले में नौ पाकिस्तानी मारे गए थे। उन्होंने कहा, पाकिस्तान तब न्यूजीलैंड के साथ मजबूती से खड़ा रहा। पाकिस्तान ने कोविड-19 की खराब परिस्थितियों में न्यूजीलैंड का दौरा किया जबकि उस दौरे पर न्यूजीलैंड अधिकारियों ने इतना खराब व्यवहार किया था। लगातार दो ट्वीट में अख्तर ने लिखा, यह महज असत्यापित खतरा था, इस पर चर्चा की जा सकती थी। प्रधानमंत्री इमरान खान ने न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री से बात करके आश्वासन दिया था लेकिन फिर भी इससे इनकार कर दिया गया।

उन्होंने लिखा, पाकिस्तान ने पूरी सुरक्षा के साथ दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की मेजबानी की। एक अन्य सीनियर खिलाड़ी मोहम्मद हफीज ने इसे पूरे देश के लिए दुखद खबर करार दिया। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डैरेन सैमी पीएसएल में खेल चुके हैं। सैमी ने कहा कि उन्हें कभी भी पाकिस्तान असुरक्षित नहीं लगा। सैमी ने ट्वीट किया, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच सुरक्षा कारणों से श्रृंखला रद्द होने की खबर सुनकर निराश हूं। उन्होंने कहा, पिछले छह वर्षों से पाकिस्तान में खेल रहा हूं और वहां का दौरा करना सुखद अनुभवों में से एक रहा है। मुझे वहां हमेशा सुरक्षित महसूस हुआ। यह पाकिस्तान के लिए गहरा झटका है। पीएसएल में खेलने वाले पूर्व खिलाड़ी ग्रांट इलियट और शेरफाने रदरफोर्ड ने भी श्रृंखला रद्द होने पर निराशा व्यक्त की।

यूएई में आईपीएल 2020 के प्रदर्शन को दोहराना चाहता हूं : नोर्जे

भाषा। दुबई

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नोर्जे रविवार से यहां बहाल हो रही इंडियन प्रीमियर लीग में पिछले 2020 चरण के प्रदर्शन को दोहराकर दिल्ली कैपिटल्स को पहला खिताब दिलाने में मदद करना चाहते हैं। नोर्जे पिछले आईपीएल चरण में पहली बार टी20 लीग में खेले थे और उन्होंने 16 मैचों में 22 विकेट चटकाकर दिल्ली कैपिटल्स को अपने पहले फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की थी। फाइनल में टीम मुंबई इंडियंस से हार गई थी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम अब 22 सितंबर को सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी। फ्रेंचाइजी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार नोर्जे ने कहा, यहीं पर मेरे लिए आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन की शुरुआत हुई थी लेकिन इस सत्र में मैं एक बार में एक ही मैच पर ध्यान लगाऊंगा। आईपीएल के बाद भी काफी टूर्नामेंट खेलने हैं। उन्होंने कहा, हमें यह याद रखने की कोशिश करनी होगी कि हमने यहां पिछली बार क्या किया था और फिर से उसी को लागू करने की कोशिश करेंगे। उम्मीद है कि हम पिछली बार के प्रदर्शन का दोहराव करेंगे। इस 27 साल के तेज गेंदबाज ने कहा कि

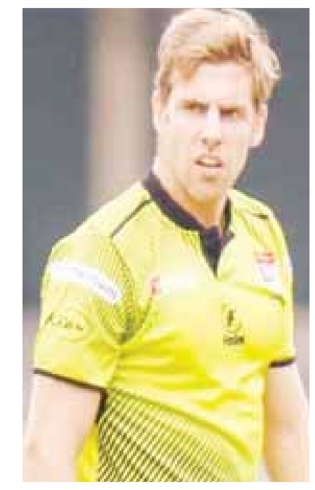

आईपीएल 2021 का दूसरा हाफ सत्र के पहले हाफ से पूरी तरह से अलग होगा। उन्होंने कहा, जो चीज एक जगह (भारत में) कारगर रही थी, वो दूसरी जगह (संयुक्त अरब अमीरात में) काम नहीं करेगी इसलिए हमें एक एक मैच पर ध्यान लगाना होगा। यूएई में आगामी मैच सत्र के शुरू में हुए मुकाबलों से पूरी तरह से अलग होंगे।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that Mr. Baldev Raj Chopra is the owner of Property bearing No. 186, in Block – J, area measuring 200 sq. yds., Situated in the layout plan of RBI Staff CHBS Ltd. presently known as RBI Colony, Paschim Vihar, New Delhi; "the said property" by virtue of Conveyance Deed dated 05.09.1994, Registration No. 8336. He has lost/misplaced Original Sub Lease deed issued by D.D.A dated 29.01.1977 (Cancelled and converted into freehold), All persons are hereby informed not to deal or carry out any transaction with anyone on the basis of the missing document. If anyone has already carried out or is in the process of carrying out kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 14 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Public at large are hereby informed that below mentioned documents have been misplaced / lost the following documents:- 1. Original GPA/Sale Deed executed by Mr. Sunil Kumar in favour of Mr. Pardeep Kumar in respect of said property (House No.35 area measuirng 69 sq. yds.)Accordingly, Police Complaint has already been lodged dated 16.09.2021 in P.S- Crime Branch Delhi. Vide LR. No.704395/2021 and the same is under investigation. If any person has found/ Information/ Possession /Knowledge of above said missing GPA/Sale Deed in favour of Mr. Pardeep Kumar or has any claim/ right/ title of any kind over the said property, then submit/ intimate within 7 Days in writing to Vikas Shokeen, Advocate, AB-18, Mianwali Nagar, PO Sunder Vihar, Delhi-110087. Thereafter any kind of claim will not be acceptable.

VIKAS SHOKEEN ADVOCATE
Res. & office AB-18 Mianawali Nagar, Paschim Vihar New Delhi 87
Email-vikasreports5@gmail.com
Mob. No. 9670059555 Resi. 011-25286699

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलस Smt. Shakuntla W/o Shri Jagbir and Shri Jagbir @ Jagbir Singh S/o Late Shri. Budhu R/o H.No. 57, Jalalabad Jalalpur, Inholi, Meerut, Uttar Pradesh-250001 ने अपने पुत्र गोपाल (Gopal) उम्र 44 वर्ष और पुत्र वधू श्रीमती आशा (Asha) उम्र 41 वर्ष को अपनी सभी समस्त चल तथा अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा उसके दुर्व्यवहार, कदाचरण, असामाजिक कृत्यों के कारण सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद कर दिया है। अब इनके किसी भी कार्य व लेन देन की जिम्मेवारी मेरे clients की नहीं होगी।

Sanjay Kumar (Advocate) 112, Lawyer Chamber Block, Saket Court Complex, New Delhi-110017

चोटों से परेशान स्वप्ना ने संन्यास लेने का मन बनाया

भाषा। कोलकाता

पीठ की चोट के कारण अवसाद से जूझ रही एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एथलीट स्वप्ना बर्मन ने संन्यास लेने का फैसला किया है जिसकी औपचारिक घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी। उत्तर पूर्व फ्रंटियर रेलवे की एथलीट स्वप्ना ने वारंगल में 60वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ऊंची कूद में स्वर्ण पदक जीतने के 24 घंटे के अंदर यह फैसला लिया है। स्वप्ना ने वारंगल से पीटीआई-भाषा से कहा, मेरा शरीर अब और सहन नहीं कर पा रहा है। मैं मानसिक रूप से बहुत परेशान हूं और यह आसान नहीं है। उन्होंने कहा, मैं थोड़ी भ्रमित हूं, लेकिन मैंने मानसिक रूप से 80-90 प्रतिशत इसे छोड़ने का मन बना लिया है। मैं कोलकाता पहुंचने के बाद बड़ी घोषणा करूंगी। स्वप्ना ने यहां अपने चहेते हेप्टाथलॉन स्पर्धा में भाग नहीं लिया।

उन्होंने कहा, मैं यहां किसी स्पर्धा में भाग नहीं लेना चाहती थी, लेकिन रेलवे की प्रतिबद्धताओं के कारण मुझे यहां भाग लेना पड़ा। जकार्ता 2018 में एशियाई खेलों का स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय हेप्टाथलीट बनने के बाद, स्वप्ना चोटों से जूझती रही। दोनों पैरों में छह-छह उंगलियां वाली इस खिलाड़ी ने 2019 में दोहा में एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। यह उनकी आखिरी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता थी। कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के कारण स्वप्ना 2020 में किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकती थी और 2021 में उसने तोक्यो खेलों का क्वालीफाइंग स्तर हासिल करने का लक्ष्य रखा था लेकिन फिर से चोट लगने और महामारी की दूसरी लहर ने उसकी सभी योजनाओं को पटरी से उतार दिया। उन्होंने इस साल सिर्फ फेडरेशन कप और मौजूदा राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भाग लिया है। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि कुछ चीजें मेरी किस्मत में नहीं थी। मैं इसके लिए बहुत कोशिश की लेकिन चोटों से संघर्ष करना पड़ और इसे हासिल नहीं कर सकी। स्वप्ना ने चिकित्सकों की सलाह पर सर्जरी में देरी की और रिहैबिलिटेशन पर भरोसा किया, लेकिन इससे ज्यादा आराम नहीं मिला और वह हालांकि सर्जरी को और टालने से बचना चाहती है। स्वप्ना ने भावुक होकर कहा आखिरकार मुझे सर्जरी करवानी ही होगी। इस स्पर्धा के दौरान भी मैं पीठ दर्द से परेशान थी।

चंडीगढ़ की लखमेहर ने पहला डब्ल्यूपीजी टूर खिताब जीता

भाषा। नोएडा

लखमेहर परदेसी ने शुक्रवार को यहां नोएडा गोल्फ कोर्स में हीरो महिला प्रो गोल्फ (डब्ल्यूपीजी) टूर के नौवें चरण का खिताब अपने नाम किया। चंडीगढ़ की गोल्फर की डब्ल्यूपीजी टूर की यह पहली ट्राफी है। वह 15 अक्टूबर को 22 वर्ष की हो जाएंगी और इस खिताब से उन्होंने अपने जन्मदिन से पहले ही खुद को तोहफा दे दिया। वह अंतिम दिन ज्यादातर समय पिछड़ रही थीं लेकिन उन्होंने सयंम बनाए रखा। उन्हें जाह्नवी बक्शी पर सीधे जीत हासिल करने के लिए आठ फीट से पुट करने की जरूरत थी और उन्होंने ऐसा करके राहत की सांस ली। इससे पहले डब्ल्यूपीजी टूर पर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पांचवां स्थान रहा था। इस युवा गोल्फर ने कहा, यह मेरे लिए बड़ी जीत है। मैं लंबे समय से इसका इंतजार कर रही थी। मैं अपने सभी कोच, माता पिता और नोएडा गोल्फ क्लब की शुक्रगुजार हूं। लखमेहर ने अंतिम दौर में दो ओवर 74 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर 227 का रहा। जाह्नवी (75) 228 के स्कोर से उनसे पीछे रहीं। एमेच्योर अवनि प्रशांत 230 के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं।

हनी बैस्य ने चार शॉट की बढ़त बनाई

भाषा। श्रीनगर

दिल्ली के गोल्फर हनी बैस्य ने शुक्रवार को यहां जेएंडके (जम्मू कश्मीर) ओपन 2021 गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर में छह अंडर 66 का शानदार कार्ड खेला जिससे वह चार शॉट की बढ़त हासिल करने में सफल रहे। छह बार के पीजीटीआई विजेता बैस्य (67, 69, 66) ने तीनों दिन बेहतरीन गोल्फ खेला और एक भी बोगी नहीं की। कार्तिक शर्मा (69-72-65) ने शानदार फार्म जारी रखी और वह 40 लाख रूपए की ईनामी राशि के पीजीटीआई टूर्नामेंट में 10 अंडर 206 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। पंचकुला के अंगद चीमा (69-71-66) ने 66 का कार्ड खेला जिससे वह कार्तिक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर -23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली -110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	संजय मदन LBMND00001491835	फ्लैट नंबर- 502, 5वीं मंजिल टॉवर/ ब्लॉक नंबर- 3, यूनिटेक कैस्केड, ग्रेटर नोएडा/ सितंबर 15, 2021	जनवरी 31, 2020 ₹ 6,48,196/-	हिमाचल प्रदेश

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: सितम्बर 18, 2021
स्थान: दिल्ली/एनसीआर (नोएडा)

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

CSB Bank

PUBLIC NOTICE ON AUCTION OF PLEDGED GOLD ORNAMENTS

The borrower/s in specific and interested bidders in general are hereby informed that on account of non-repayment of Bank's dues by the borrowers as under despite the payment notice and recall/auction notice issued by the Bank, the gold ornaments pledged with the bank as security by the respective borrowers for the loans availed by them will be sold in public auction on "as is where is" and "non- recourse" basis through physical auction on 23rd September, 2021 at 03.00 p.m. in branch premises. Auction may be adjourned to any other later date at the discretion of the bank upon publication of the same in the Bank's notice board. The borrowers are hereby further informed that the gold ornaments will be disposed off by private sale if the public auction is not successful and if there is a further balance to be recovered thereafter, legal action will be initiated against the borrower/s for recovery of the balance amounts due to the bank.

S. No.	Pledged Branch	Name of Borrower	Client ID/ Account Number	No. of Loans	Outstanding as on14.09.2021 in Rs.)	Net Weight (in Gms)
1	Gautham nagar - delhi	MONIKA KASHYAP	0322-04106221-000004	1	21,395.74	5.5
2	Gautham nagar - delhi	Anjali Kashyap	0322-04211197-000004	1	29,981.00	8.3
3	Gautham nagar - delhi	ASHOK KUMAR	0322-04085242-000002	1	32,064.72	13.6
4	Gautham nagar - delhi	KULDEEP SINGH MAHLA	0322-04093900-000003	1	34,819.50	9
5	Gautham nagar - delhi	DEVINDER SINGH	0322-02760503-000001	1	36,114.26	9
6	Gautham nagar - delhi	DEVINDER SINGH	0322-02760503-000002	1	38,137.44	9.9
7	Gautham nagar - delhi	USHA SAINI	0322-04257661-000001	1	39,628.50	9.8
8	Gautham nagar - delhi	BHARAT KUMAR	0322-04245293-000001	1	52,904.00	13.3
9	Gautham nagar - delhi	VEERBHAN SINGH	0322-04083394-000012	1	58,489.50	16
10	Gautham nagar - delhi	PARVEEN GUPTA	0322-00587262-000005	1	73,864.86	21.3
11	Gautham nagar - delhi	SURAJ PRAKASH	0322-03939512-000004	1	75,556.50	19.55
12	Gautham nagar - delhi	HARMEET KAUR	0322-00587903-000003	1	78,401.50	21.5
13	Gautham nagar - delhi	HARMEET KAUR	0322-00587903-000006	1	80,164.50	27.8
14	Gautham nagar - delhi	HARMEET KAUR	0322-00587903-000004	1	81,684.50	22.2
15	Gautham nagar - delhi	VEERBHAN SINGH	0322-04083394-000011	1	95,184.00	23.89
16	Gautham nagar - delhi	RAM KISHAN	0322-04242229-000002	1	96,991.00	24.5
17	Gautham nagar - delhi	HARMEET KAUR	0322-00587903-000007	1	105,767.00	34.3
18	Gautham nagar - delhi	BALRAM JENA	0322-04258607-000001	1	108,494.50	31.5
19	Gautham nagar - delhi	VIPIN CHOUDHARY	0322-04261743-000001	1	113,583.16	28.73
20	Gautham nagar - delhi	RAM KISHAN	0322-04242229-000001	1	116,802.00	29.3
21	Gautham nagar - delhi	ABHISHEK	0322-04070485-000003	1	139,359.60	56.47
22	Gautham nagar - delhi	PREMWATI	0322-04148596-000002	1	143,055.00	42.3
23	Gautham nagar - delhi	HARMEET KAUR	0322-00587903-000005	1	146,105.50	41
24	Gautham nagar - delhi	NITIN KUMAR	0322-04190256-000005	1	146,686.50	47.87
25	Gautham nagar - delhi	SANJEEV SINGH	0322-04226270-000002	1	148,049.50	37
26	Gautham nagar - delhi	ANJANA SAINI	0322-00588830-000002	1	150,565.38	43.4
27	Gautham nagar - delhi	MANISH KASHYAP	0322-04065770-000004	1	170,112.46	47.9
28	Gautham nagar - delhi	NITIN KUMAR	0322-04190256-000004	1	174,712.50	45.78
29	Gautham nagar - delhi	GURPREET SINGH SACHDEVA	0322-04054121-000008	1	190,606.76	70
30	Gautham nagar - delhi	BHAGAT SINGH	0322-04129819-000004	1	193,850.50	60.54
31	Gautham nagar - delhi	SURENDER KAUR	0322-07314402-000001	1	213,630.00	58.53
32	Gautham nagar - delhi	SWATI AGGARWAL	0322-04030840-000007	1	228,823.32	70
33	Gautham nagar - delhi	MONIKA KASHYAP	0322-04106221-000005	1	278,846.86	68.5
34	Gautham nagar - delhi	GEETA KASHYAP	0322-04083459-000008	1	302,948.50	90.91
35	Gautham nagar - delhi	PRIYANKA CHOPRA	0322-04103614-000003	1	348,229.38	93
36	Gautham nagar - delhi	GURPREET SINGH SACHDEVA	0322-04054121-000007	1	348,291.06	127.63
37	Gautham nagar - delhi	ASHFAQ .	0322-07179420-000004	1	483,322.50	156
38	Gautham nagar - delhi	GURPREET SINGH SACHDEVA	0322-04054121-000006	1	1,170,419.18	430.67
39	Gautham nagar - delhi	HARMEET KAUR SACHDEVA	0322-04054122-000004	1	1,261,767.74	375.23
40	Gautham nagar - delhi	HARMEET KAUR SACHDEVA	0322-04054122-000005	1	1,365,078.90	437.49

For more details/account wise information borrowers and for participating in the auction, interested bidders may contact respective branches.

Date: 16.09.2021, Place: Gautham nagar - delhi
Authorised Officer, (CSB Bank Limited)

शिवा थापा अंतिम-16 में, गौरव बिधूड़ी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप से बाहर

भाषा। बेल्लारी (कर्नाटक)

पांच बार के एशियाई चैम्पियन मुक्केबाज शिवा थापा (63.5 किग्रा) ने नॉकआउट जीत के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की तो वहीं, हरियाणा के सचिन ने शुक्रवार को विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता गौरव बिधूड़ी को हराकर यहां जारी पांचवीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने अभियान का शानदार आगाज किया।

असम का प्रतिनिधित्व करने वाले थापा ने शुरूआती दौर के अपने मुकाबले में इस्पात संयंत्र खेल बोर्ड (एसपीएसबी) के शुभम ममता को नॉकआउट से हरा दिया। मुकाबले के दौरान संतुलन बिगड़ने के बाद शुभम का चिकित्सा टीम ने इलाज किया। टूर्नामेंट के एक शीर्ष अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, उसे दर्द महसूस हो रहा है लेकिन उसे ठीक होना चाहिए। कल उसका फिर से आकलन किया जाएगा।

इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में खेले जा रहे मुकाबले में खिताब के दावेदार रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड के गौरव के खिलाफ 57 किग्रा भारवर्ग में सचिन ने कलात्मक खेल दिखाते हुए संयम बनाए रखा और 4-। की जीत दर्ज की। हरियाणा के एक अन्य मुक्केबाज और दक्षिण एशियाई खेलों के चैंपियन अंकित खटाना ने हिमाचल प्रदेश के धर्म पाल को सर्वसम्मत फैसले के आधार पर हराकर 75 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। तेलंगाना के सावियो डोमिनिक माइकल (54 किग्रा) और गोवा के अशोक पाटिल (67 किग्रा) ने भी 4-। की समान जीत के साथ अंतिम-आठ चरण में जगह पक्की की। सावियो ने झारखंड के कृष्णा जोरा को हराया, तो वहीं अशोक पाटिल ने हिमाचल प्रदेश के मोहन चंदर को मात दी। चैम्पियनशिप के तीसरे दिन आगे का सफर तय करने वाले अन्य मुक्केबाजों में चंडीगढ़ के कुलदीप कुमार (48 किग्रा) और सचिन भी शामिल है। कुलदीप ने राजस्थान के सुशील सहरान पर आसान जीत दर्ज की। सचिन 71 किग्रा भार वर्ग के शुरूआती दौर के मुकाबले के दौरान बिहार के रौशन कुमार के खिलाफ आक्रामक हो गए और इसी कारण रेफरी ने प्रतियोगिता रोक दी और उन्हें विजेता घोषित कर दिया। महाराष्ट्र के मुक्केबाज निखिल दुबे (75 किग्रा) ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने अंतिम-16 दौर के मैच में तेलंगाना के वेणु मंडला को हराया। इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को अगले महीने बेलग्रेड में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा।

भारत-चीन एलएसी से जुड़े मुद्दों पर जल्द समाधान खोजेंगे

● लद्दाख गतिरोध पर विदेश मंत्री ने चीन के अपने समकक्ष वांग ई से वार्ता की

भाषा । नई दिल्ली/बीजिंग

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग ई से कहा कि दोनों पक्षों को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से संबंधित लंबित मुद्दों का जल्द समाधान निकालने के लिए काम करना चाहिए, जिससे सीमावर्ती क्षेत्र में अमन-चैन बहाल हो क्योंकि यह भारत-चीन संबंधों में प्रगति का एक अनिवार्य आधार रहा है।

दुशान्बे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर एक बैठक में बृहस्पतिवार को दोनों विदेश मंत्रियों ने क्षेत्र में वर्तमान हालात पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वहीं चीनी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि मंत्री वांग ने उम्मीद जताई कि भारत सीमा की स्थिति को स्थिरता की ओर ले जाने के लिए आधी दूरी तय कर चीन से मुलाकात करेगा और इसे तत्काल विवाद समाधान से नियमित प्रबंधन और नियंत्रण में स्थानांतरित कर देगा। जयशंकर ने कहा कि चीन को भारत के साथ अपने संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिए से देखने से बचना चाहिए जिस पर बीजिंग ने सहमति जताई। चीन-भारत के संबंधों के अपने अंतर्निहित तर्क होने का जिक्र करते हुए चीन ने कहा कि चीन-भारत संबंध किसी तीसरे पक्ष को निशाना नहीं बनाते और ना ही किसी तीसरे पक्ष पर आधारित हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा दोनों मंत्रियों ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर मौजूदा हालात के साथ ही वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि दोनों तरफ के सैन्य एवं राजनयिक अधिकारियों को जल्द से जल्द फिर मुलाकात करनी चाहिए और लंबित मुद्दों के समाधान पर चर्चा करनी चाहिए। जयशंकर ने रेखांकित किया कि लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में प्रगति करना आवश्यक है ताकि पूर्वी लद्दाख में एलएसी के निकट अमन-चैन बहाल हो सके क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में ऐसा माहौल द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति के लिए एक आवश्यक आधार है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार जयशंकर ने वांग ई से कहा कि भारत ने सभ्यताओं के टकराव के सिद्धांत का कभी भी समर्थन नहीं किया है। उन्होंने कहा कि भारत-चीन संबंधों के जरिए जो मिसाल कायम होगी, एशियाई एकजुटता उसी पर निर्भर करेगी।

उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया क्षेत्र में नब्बे दिन की यात्रा के बाद धरती पर लौटे चीन के अंतरिक्ष यात्री क्रमशः तांग होंगबो, नी हेशेंग व लीयू बोमिंग खुशी का इजहार करते हुए

पूर्व राष्ट्रपति जुमा की सजा बरकरार

भाषा । जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका की सर्वोच्च अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अदालत की अवमानना पर दी गई 15 महीने कैद की सजा को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। जुमा ने जुलाई में तब आत्मसमर्पण कर दिया था। जब संवैधानिक न्यायालय ने उन्हें स्टेट कैप्चर में जांच आयोग के समक्ष पेश होने से लगातार इनकार करने के लिए अदालत की अवमानना का जिम्मेदार पाया था।

इस आयोग के समक्ष कई गवाहों ने सरकारी विभागों और संस्थानों में लूट के संबंधित मामलों में जुमा की कथित भूमिका का विवरण दिया था। संवैधानिक न्यायालय के बहुमत के फैसले में, न्यायाधीश सिसी खंपेपे ने 79 वर्षीय जुमा की याचिका को (सुनवाई की) लागत सहित खारिज कर दिया। जुमा के आचरण पर टिप्पणी करते हुए, खंपेपे ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर मुकदमे में भाग लेने से इनकार कर दिया था और जब मामला उनके अनुकूल लगा तो फिर से मामला खोल दिया।

खंपेपे ने कहा कि बहुमत किसी भी सुझाव को जोरदार तरीके से खारिज करते हैं कि वादियों को अपनी मर्जी की न्यायिक प्रक्रिया की हत्या की अनुमति दी जा सकती है, जिसे सभी तरह से नियमितता के साथ किया गया है। पूर्व राष्ट्रपति ने इस साल सात जुलाई को अपनी सजा शुरू की थी लेकिन बमुश्किल एक महीने बाद ही उन्हें मेडिकल पैरोल दे दी गई थी जिसे लेकर काफी विवाद हुआ था। पैरोल को कई संस्थानों द्वारा चुनौती दी जा रही है क्योंकि यह पाया गया था कि पैरोल बोर्ड द्वारा नहीं बल्कि सुधार सेवा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्रदान किया था जिसे जुमा ने अपने कार्यकाल के दौरान अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया था। जुमा फिलहाल अस्पताल में हैं और उनके स्वास्थ्य की हालत फिलहाल गोपनीय बनी हुई है। जुमा ने पहले तर्क दिया था कि उनकी अनुपस्थिति के कारण उन्हें निष्पक्ष सुनवाई का मौका नहीं दिया गया था।

तालिबान ने सभी पुरुष छात्रों, शिक्षकों को विद्यालय जाने का आदेश दिया

इस्तांबुल। तालिबान के शिक्षा मंत्रालय ने छठवीं से 12वीं तक के सभी पुरुष छात्रों और पुरुष शिक्षकों से कहा है कि वे शनिवार से स्कूल जाना शुरू करें। फेसबुक पर पोस्ट किए गए बयान में इस आयुवर्ग की लड़कियों व छात्राओं के बारे में कुछ नहीं कहा गया है और निर्देशों में इस कमी ने लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं कि तालिबान फिर से लड़कियों और महिलाओं पाबंदियां लगाएगा। तालिबान ने पूर्व में पहली से छठी कक्षा तक की बच्चियों को स्कूल जाने की अनुमति दी थी।

पिछले महीने फिर से अफगानिस्तान पर पूर्ण नियंत्रण करने वाले तालिबान ने अतीत में महिलाओंबच्चियों के स्कूल और दफ्तर जाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। कुछ प्रांतों में महिलाओं को हालांकि काम करने की अनुमति दी जा रही है।

तालिबान के नियंत्रण के बाद अफगानिस्तान में नई हकीकत स्थापित :इमरान खान

●तालिबान ने अपने किए वायदे पूरे करे

भाषा । इस्लामाबाद

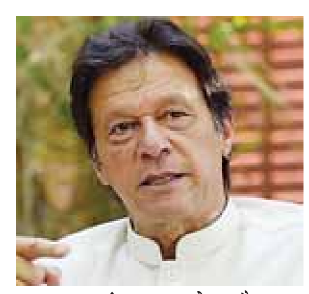

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को कहा कि काबुल में सत्ता पर तालिबान के कब्जा करने के बाद अफगानिस्तान में एक नई हकीकत स्थापित हुई है और अब यह सुनिश्चित करना अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामूहिक हित में है कि कोई नया संघर्ष नहीं हो तथा वह आतंकवादियों के लिए फिर कभी सुरक्षित पनाहगाह नहीं बने।

ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में 20 वीं शंघाई सहयोग संगठन राष्ट्राध्यक्ष परिषद (एससीओ-एसीएचएस) को संबोधित करते हुए खान ने कहा कि विश्व के लिए यह राहत की बात होनी चाहिए कि तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद और वहां से विदेशी सैनिकों की पूर्ण वापसी रक्तपात एवं गृहयुद्ध के बगैर तथा शरणार्थियों के बड़े पैमाने पर पलायन के बगैर हुई। खान ने कहा कि एक शांतिपूर्ण एवं स्थिर अफगानिस्तान से पाकिस्तान का हित जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार को अचानक अपदस्थ कर दिए जाने, तालिबान द्वारा शासन की बागडोर अपने हाथों में लेने और विदेशी सैनिकों की पूर्ण वापसी ने हर किसी को हैरान कर दिया, जिसने एक नई हकीकत स्थापित की है।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में कोई नया संघर्ष नहीं हो और सुरक्षा स्थिति स्थिर हो, यह सुनिश्चित करना अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामूहिक हित में है। खान ने कहा कि साथ ही समान रूप से फौरी प्राथमिकता मानवीय संकट और आर्थिक मंदी को रोकना है। उन्होंने कहा कि हमें अवश्य याद रखना चाहिए कि पूर्ववर्ती सरकार विदेशी सहायता पर अत्यधिक निर्भर रही थी और इसे हटाए जाने के बाद अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो सकती है। यह वक्त अफगान लोगों के साथ दृढ़ता से खड़े होने का है। उन्होंने कहा कि तालिबान शासकों को अपने वादों को अवश्य पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तालिबान को समावेशी राजनीतिक ढांचे के लिए किए गए वादों को अवश्य पूरा करना चाहिए, जहां सभी जातीय समूहों का प्रतिनिधित्व हो। यह अफगानिस्तान में स्थिरता के लिए जरूरी है।

खान ने कहा कि अफगानिस्तान को बाहर से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। वहीं कोविड-19 की उत्पत्ति से जुड़े एक सवाल के जवाब में खान ने पाकिस्तान के पक्के दोस्त चीन का बचाव किया। उन्होंने कहा कि वायरस की उत्पत्ति के सवाल को राजनीतिक रंग देने की कोशिशें नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह ऐसे वक्त में विभाजन पैदा करेगा जब विश्व को एकजुट होने की जरूरत है।

खान ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की कोशिशों के बावजूद आतंकवाद द्वारा पैदा किए गए खतरे अब भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को किसी एक धर्म से जोड़े जाने ने दुनिया भर में धुर दक्षिणपंथी व किसी एक धर्म के सर्वोच्च होने को मानने वालों को प्रभाव फैलाने में मदद की है। खान ने किसी अन्य देश का नाम लिए बगैर कहा, कुछ मामलों में, इस तरह के अतिवादी और कट्टर विचारधाराओं ने तथाकथित लोकतंत्रों में सत्ता पर कब्जा करने में मदद की है। आठ देशों, चीन, रूस, कजाखस्तान, किर्गिजिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान का समूह एससीओ दुशांबे में अपना 21 वां शिखर सम्मेलन कर रहा है। अफगानिस्तान, एससीओ में एक पर्यवेक्षक है।

रिपब्लिकन सीनेटरों ने तालिबान को आतंकवादी संगठन का दर्जा देने की मांग की

भाषा । वाशिंगटन

रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने मांग की है कि तालिबान को आतंकवादी संगठन का दर्जा दिया जाए और कहा है कि अफगानिस्तान में इस समूह के नेतृत्व वाली सरकार में ऐसे कई कैबिनेट सदस्य हैं जिन्हें संयुक्त राष्ट्र ने आतंकवादी घोषित कर रखा है। सांसदों ने मांग की कि अफगानिस्तान की तालिबान नीत सरकार को मान्यता देने वाले देशों के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाए जाएं।

सीनेटर मार्को रूबियो तथा अन्य सांसदों ने आतंकवादी देशों को मान्यता देने पर रोक कानून नामक विधेयक पेश किया जिसमें अमेरिका के विदेश मंत्री से कहा गया कि वह अफगानिस्तान के गैरकानूनी इस्लामिक अमीरात को आतंकवाद के प्रायोजक और तालिबान को एक आतंकवादी संगठन का दर्जा दे। यह विधेयक यदि पारित हो जाता है और कानून का रूप ले लेता है तो इसमें उन व्यक्तियों के खिलाफ भी पाबंदियां लगाई जाएंगी जिन्होंने तालिबान को जानबूझकर मदद दी। अमेरिकी सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि करदाताओं का पैसा अफगानिस्तान में विदेशी आतंकवादी संगठनों को हाथों में न जाए।

रूबियो ने कहा द्वस्र इसमें कोई संदेह नहीं है कि तालिबान नियंत्रित अफगानिस्तान हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों, पश्चिम एशिया और मध्य एशिया में हमारे सहयोगियों एवं साझेदारों के लिए सीधा खतरा हैं।

उन्होंने कहा कि बाइडन प्रशासन द्वारा अफगानिस्तान से सेना की दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से वापसी से वह देश उन आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन रहा है जो अमेरिका से नफरत करते हैं। दुर्भाग्य से यह सोचने का कोई कारण नहीं है कि राष्ट्रपति बाइडन तालिबान के साथ आतंकवादियों सा बर्ताव करेंगे।

सू ची के भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई एक अक्टूबर को

बैंकॉक। म्यांमा की अपदस्थ नेता आंग सान सू ची के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमा एक अक्टूबर से शुरू होगा। सू ची के कानूनी दल के एक सदस्य ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वकील खिन मौंग जॉ ने कहा कि एक न्यायाधीश ने घोषणा की कि सुनवाई हर दूसरे शुक्रवार को राजधानी ने पी ता में विशेष अदालत में होगी। उन्होंने केंद्रीय शहर मांडले से सू ची के वकीलों और अभियोजकों द्वारा अदालत में प्रस्तुतियों के बाद निर्णय की घोषणा की। मांडले में ही मूल रूप से आरोप दर्ज किए गए थे।

सू ची की निर्वाचित सरकार को फरवरी में सेना ने तख्तापलट कर हटा दिया था और उन पर फिलहाल विशेष अदालत द्वारा अन्य आरोपों को लेकर मुकदमा चलाया जा रहा है। उन पर देशद्रोह, कोविड-19 महामारी के प्रतिबंधों के उल्लंघन के दो मामलों, उनके अंगरक्षकों द्वारा अवैध रूप से उपयोग के लिए वॉकी-टॉकी का आयात करना और रेडियो के बिना लाइसेंस के उपयोग के आरोप हैं।

एससीओ देश समावेशी राजनीतिक ढांचे के लिए अफगानिस्तान को प्रेरित करें: शी

भाषा । बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शुक्रवार को कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों को समन्वय बढ़ाना चाहिए और उदार नीतियां बनाने के लिए एक समावेशी राजनीतिक ढांचा तैयार करने को लेकर अफगानिस्तान को प्रेरित करना चाहिए। साथ ही, काबुल पर तालिबान के कब्जा करने के बाद आतंकवाद के सभी स्वरूपों से दृढ़ता से लड़ना चाहिए।

ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में एससीओ के 21 वें शिखर सम्मेलन को वीडियो लिंक के जरिए संबोधित करते हुए शी ने कहा, अफगानिस्तान जबरदस्त बदलाव के दौर से गुजरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो लिंक के जरिए शिखर सम्मेलन को संबोधित किया और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आठ देशों के समूह की बैठक में शरीक हुए। एससीओ के सदस्य देशों में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिजिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान शामिल हैं। शी ने अपने संबोधन में तालिबान का नाम लिए बगैर कहा, विदेशी सैनिकों की वापसी ने इसके इतिहास में एक नया अध्याय खोल दिया, लेकिन अफगानिस्तान अब भी कई दुरूह चुनौतियों का सामना कर रहा है और उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासतौर पर हमारे क्षेत्र के देशों के सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम एससीओ सदस्य देशों को समन्वय बढ़ाने, एससीओ-अफगानिस्तान संपर्क समूह जैसे मंचों का पूरा उपयोग करने और अफगानिस्तान में सुगमता से परिवर्तन लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें अफगानिस्तान को व्यापक आधार वाला एवं समावेशी राजनीतिक ढांचा अपनाने, उदार घरेलू एवं विदेश नीतियां अपनाने, आतंकवाद के सभी स्वरूपों से दृढ़ता से लड़ने तथा शांति, स्थिरता व विकास के पथ पर बढ़ने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है।

तालिबान के काबुल पर मध्य अगस्त में कब्जा करने के पहले और बाद में उससे (तालिबान से) संपर्क कायम रखने वाले चीन ने युद्ध प्रभावित देश को खाद्य सहायता के लिए 3.1 करोड़ डॉलर की सहायता देने की घोषणा की है। शी ने यह भी कहा कि हमें अपने-अपने देशों में चुनाव सहित अहम राजनीतिक एजेंडा क्रमिक रूप से आगे बढ़ाने में भी एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए।

यूएन में क्वाड देशों के राजदूतों ने जलवायु परिवर्तन पर ध्यान देने के महत्व को रेखांकित किया

भाषा । न्यूयॉर्क

क्वाड देशों - ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के राजदूतों ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा अगले सप्ताह आयोजित चारों देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले यहां वैश्विक महामारी, जलवायु परिवर्तन पर ध्यान देने तथा नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की प्रतिबद्धता को नए सिरे से दोहराने के महत्व को रेखांकित किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड, संयुक्त राष्ट्र में जापानी स्थाई प्रतिनिधि किमिहीरो इशिकाने तथा संयुक्त राष्ट्र में ऑस्ट्रेलिया के राजदूत मिच फिफील्ड ने बृहस्पतिवार को मुलाकात की। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के उच्चस्तरीय सत्र की शुरुआत से कुछ दिन पहले ही यह बैठक हुई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया, आज क्वाड (ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका) के संयुक्त राष्ट्र में राजदूतों ने न्यूयॉर्क में मुलाकात की और सहयोग तथा साझा हितों के विषयों पर चर्चा की।

उसने कहा कि यूएनजीए76 की शुरुआत से पहले क्वाड देशों के राजदूतों ने वैश्विक महामारी, जलवायु परिवर्तन से निपटने और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की प्रतिबद्धता को नए सिरे से दोहराने के महत्व को रेखांकित किया।

राष्ट्रपति बाइडन द्वारा 24 सितंबर को वाशिंगटन डीसी में आयोजित क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले यह बैठक हुई। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति बाइडन, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन तथा जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा भाग लेंगे।

मास्को में संसदीय चुनाव को लेकर हो रहे मतदान के अवसर पर पोलिंग बूथ के बाहर मुस्तैदी से तैनात रशियन नेशनल गार्ड का जवान

पाकिस्तान में पांच आतंकवादियों को पांच साल की कैद की सजा

भाषा । लाहौर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की आतंकवाद रोधी एक अदालत ने शुक्रवार को पांच आतंकवादियों को पांच-पांच साल की कैद की सजा सुनाई। इनमें प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी भी शामिल हैं।

आतंकवाद रोधी विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि दोषी ठहराए गए आतंकवादी- मुहम्मद अस्लम, बशरत खान, मुहम्मद अली, नियजा अब्बास और आदिल अब्बास- को विभाग ने इस साल की शुरूआत में पंजाब के सरगोधा तथा खुशाब जिलों से गिरफ्तार किया था।

अदालत में अभियोजन द्वारा उनके खिलाफ सबूत और गवाह पेश किए जाने के बाद उन्हें दोषी करार दिया गया।

रूस में संसदीय चुनाव से पहले ऐप्पल और गूगल प्ले स्टोर्स से नवलनी का ऐप हटाया गया

एपी । मॉस्को

रूस में संसदीय चुनावों के लिए मतदान से पहले शुक्रवार को ऐप्पल और गूगल प्ले स्टोर्स से एक ऐप गायब हो गया जिसे जेल में बंद रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी के सहयोगियों ने बनाया था।

नवलनी ने स्मार्ट वोटिंग नाम का ऐप डिजाइन किया था जिससे उन उम्मीदवारों का प्रचार किया जा सके जिनके क्रेमलिन के समर्थन वाले प्रत्याशियों को हराने की संभावना है। रूस के अधिकारी इस ऐप के प्रयोग को हतोत्साहित कर रहे हैं। इस सप्ताहांत में होने वाले चुनाव को राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के आगामी राष्ट्रपति चुनाव से पहले सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने के प्रयासों के तौर पर देखा जा रहा है। इन चुनावों के लिए संसद पर नियंत्रण महत्वपूर्ण है। ऐप्पल और गूगल पर पिछले कुछ सप्ताह में रूस के अधिकारियों का काफी दबाव रहा है। अधिकारी दोनों से स्मार्ट वोटिंग ऐप को हटाने के लिए कह रहे थे। उनका कहना था कि ऐसा नहीं किया गया तो माना जाएगा चुनाव में हस्तक्षेप किया जा रहा है। उन्हें जुर्माना लगाने की चेतावनी भी दी गई। रूस के विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह अमेरिकी राजदूत जॉन सुलिवन को तलब किया था। ऐप्पल और गूगल के प्रतिनिधियों को रूस की संसद के उच्च सदन की एक बैठक में बुलाया गया। बैठक के बाद एक बयान में कहा गया कि ऐप्पल ने रूस के अधिकारियों के साथ सहयोग करने पर सहमति जताई है।

श्रीलंका, नेपाल के नेताओं ने पीएम मोदी को जन्मदिन पर बधाई दी

भाषा । कोलंबो/काठमांडू

श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व और नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 71वें जन्मदिन पर बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य तथा देश का नेतृत्व करने में सफलता की शुभकामनाएं दीं। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने ट्वीट किया, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई। इस कठिन समय में आप स्वस्थ रहें और मजबूत हों।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति के भाई और देश के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने भी मोदी को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने ट्वीट किया, मेरे अच्छे मित्र, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन पर ढेर सारी बधाई। मैं इस कठिन समय में भारत का नेतृत्व करने के दौरान आपको शक्ति, सफलता मिलने और आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। नेपाल के प्रधानमंत्री देउबा ने भी मोदी को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, श्री नरेंद्र मोदी को 71वां जन्मदिन शुभ हो। यह आपके जीवन में अच्छा स्वास्थ्य और अधिक सफलता लाए।

डोमिनिक गणराज्य के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट ने ट्वीट किया, डोमिनिका के लोगों और सरकार की ओर से मैं भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 71वें जन्मदिन पर हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूं।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने भी मोदी को जन्मदिन पर बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, आपको 71वें जन्मदिन पर ढेर सारी बधाई। मैं आपकी अच्छी सेहत और प्रसन्नता की कामना करता हूं।

ऑनलाइन फिटनेस क्लासेस के चलन ने हमें यह एहसास कराया है कि फिट रहने के लिए आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं है। आपका पसंदीदा फिटनेस शासन बस एक क्लिक दूर है, जानकारी दे रहे हैं 'जितेंद्र चौकसे'।

फिट रहने के लिए
ऑनलाइन कक्षाएं

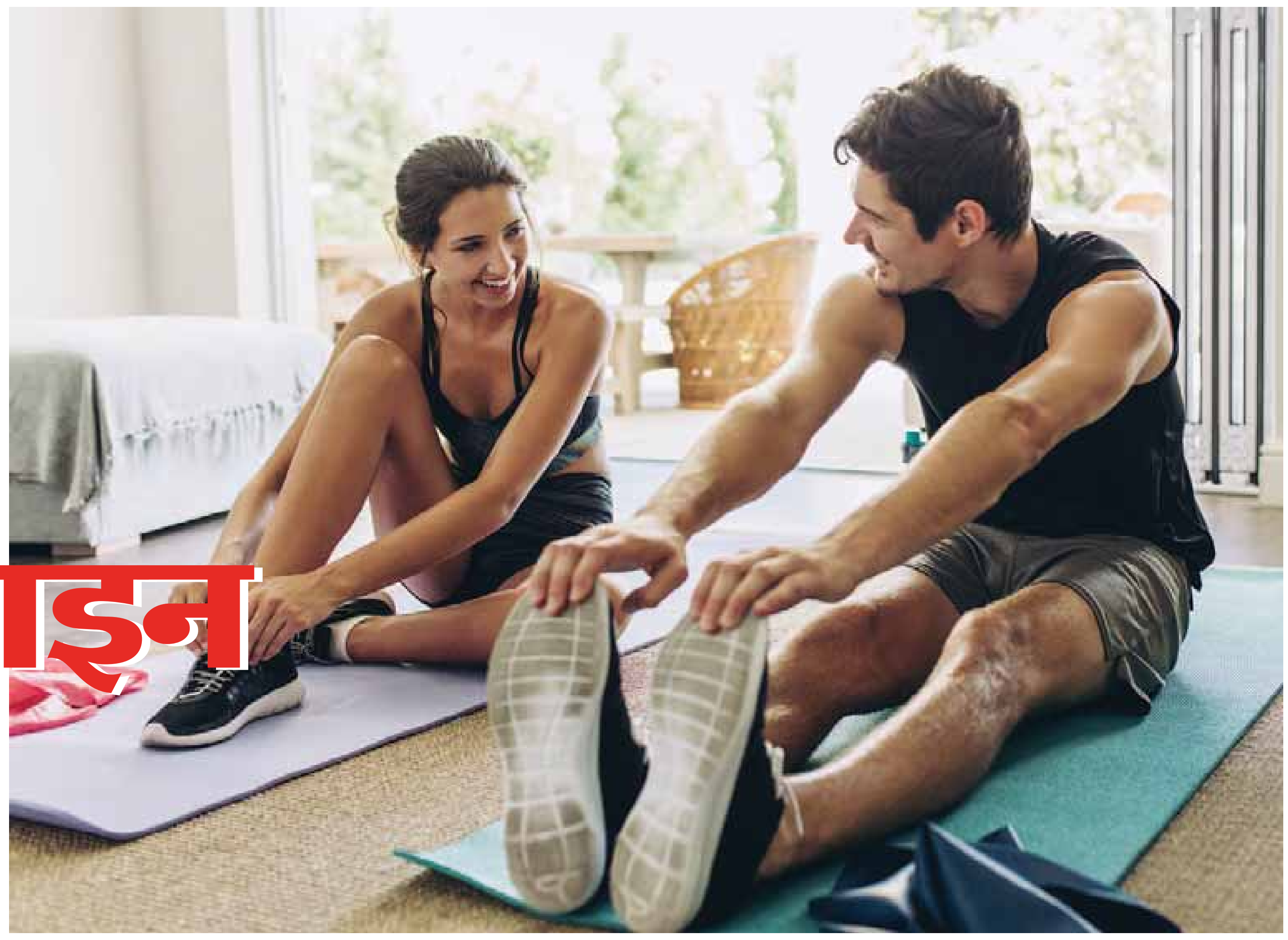

हमने पिछले डेढ़ साल में दुनिया को उल्लेखनीय रूप से बदलते देखा है। कोविड-19 के बाद की दुनिया ने हमें अपनी दिनचर्या के हिस्से के रूप में अपने मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का सामना करना सिखाया है।

एक प्रमुख प्रवृत्ति जो उभर कर सामने आई वह थी फिट होने के प्रति बढ़ती जागरूकता। जनरेशन एक्स और वाई से जेनरेशन जेड और अल्फा तक, सभी ने स्वस्थ रहने के लिए एक शासन स्थापित करने के लिए जमीन और घरेलू क्षेत्र में कदम रखा, जबकि दूसरों को भी इसका पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। सोशल मीडिया स्ट्रीम और समुदाय विभिन्न जनसांख्यिकी के लोगों के लिए अपनी जीवन शैली को बदलने के लिए फिटर कोच के साथ नामांकन की अपनी यात्रा को पंजीकृत करने के लिए आभासी आधार बन गए। कई जोड़ों ने शरीर की सकारात्मकता को बढ़ावा देकर और युगल चिकित्सा के रूप में फिटनेस को उजागर करके, कपल फिटनेस गोल्स साझा करके और दूसरों को अपने फिटनेस अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित करके अपनी फिटनेस यात्रा शुरू की, जिसे फिटनेस क्षेत्र प्रमाणित कर सकता है!

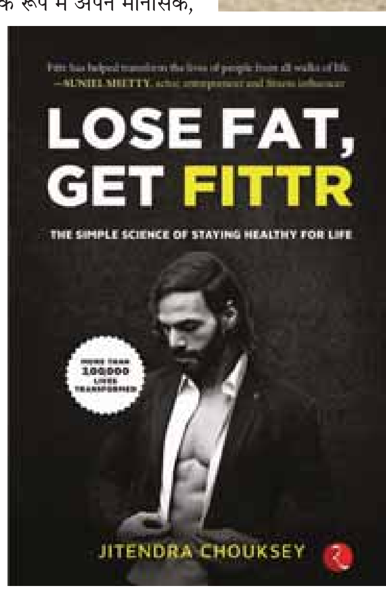

भारत में फिटनेस समुदाय एक नवोदित पारिस्थितिकी तंत्र के आगमन के साथ तेजी से विकसित हुआ है जिसमें सतर्क उपभोक्ताओं, फिटनेस सेवा प्रदाताओं के साथ सरकारी पहल शामिल हैं। हालांकि, स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का विचार भारतीयों के लिए नया नहीं है - योग, अखाड़े, आयुर्वेद और ध्यान हमेशा से हमारी संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। वैश्वीकरण और सूचना की उपलब्धता में आसानी के साथ, पारंपरिक प्रथाओं और अभ्यासों को भारत में एक आधुनिक, गतिशील और बढ़ते फिटनेस उद्योग द्वारा प्रबलित और पूरक किया जा रहा है।

रेडसियर कंसल्टिंग की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश का फिटनेस उद्योग, जिसमें उपकरण, स्पोर्ट्सवियर, फिटनेस सेवाएं और मनोरंजक खेल शामिल हैं, का मूल्य 2018 में 12 बिलियन डॉलर था।

फिटनेस सर्विसेज सेगमेंट पर फिक्की, ईएंडवाई, रेडसीर कंसल्टिंग, ग्लोबल वेलनेस इंस्टीट्यूट, और आईएचआरएसए एंड फिटर्निटी की हालिया उद्योग रिपोर्ट का अनुमान है कि फिटनेस सेवाओं के लिए सालाना औसतन यूएस 350 डॉलर से यूएस डॉलर 400 तक खर्च करने वाले छह मिलियन सक्रिय उपयोगकर्ता हैं, जो कि यूएस की राशि है। 2.6 बिलियन का बाजार आकार।

समग्र फिटनेस उद्योग के 27 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ने और 2022 तक 32 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निशान को छूने की उम्मीद है, जिसमें फिटनेस सेवाएं (जैसे जिम, स्लिमिंग सेवाएं और ज़ुम्बा, एरोबिक्स, क्रॉसफिट, आदि जैसे प्रारूप) योगदान देंगे। लगभग 6.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर।

वर्चुअल फिटनेस : किसी के लिए भी और सभी के लिए अधिक से अधिक पहुंच लाना!

जैसा कि हम महामारी के प्रभावों और प्रभावों से जूझना जारी रखते हैं, अब फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों की एक नई नस्ल सामने आई है। 2020 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 77 प्रतिशत भारतीयों ने घर के कामों को वर्चुअल क्लासेस और डीआईवाई होम वर्कआउट रूटीन के साथ जोड़कर फिट रहने की कोशिश की। जिम और फिटनेस सेंटर बंद होने के साथ, घर के अंदर व्यायाम करने के लिए सीमित स्थान और जिम जैसी व्यवस्था की कमी के साथ फिटनेस उपकरणों की बहुत कम पहुंच के साथ, फिट रहने के लिए अभिनव होना समय की आवश्यकता बन गया। फिटर और अन्य जैसे फिटनेस ऐप के साथ, किसी की आवश्यकता के अनुसार सही व्यायाम, कोच, आहार ढूंढना सहज हो गया है।

छतों और बैठक कक्षों से, अच्छी कनेक्टिविटी वाली कोई भी जगह जो लाइव ऑनलाइन कोचिंग की अनुमति देती है, हर किसी का अपना निजी फिटनेस सेंटर बन गया! फिटनेस कोच रचनात्मक बन गए, इन वातावरणों के लिए अनुकूलित अभ्यासों के साथ दिनचर्या को क्यूरेट करना।

डिजिटल फिटनेस : व्यक्तिगत होना घर पर ट्रेनर

वायरस के खतरे के साथ अभी भी बड़े पैमाने पर और ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्रों तक आसान पहुंच के साथ, वर्कआउट-एट-होम एक महामारी फिटनेस प्रवृत्ति बन गई है, जिससे वर्चुअल फिटनेस उद्योग और उपभोक्ताओं के लिए विविध पेशकशों में तेज उछाल आया है। किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, 84 प्रतिशत फिटनेस उत्साही लोगों ने लॉकडाउन के दौरान कम से कम तीन बार लाइव-स्ट्रीमिंग फिटनेस कक्षाओं की कोशिश की।

ऑनलाइन पेशकशों के साथ, फिटनेस एक्सेसरीज़ और योग मैट, डंबल्स जैसे उपकरणों की मांग में भी वृद्धि हुई है। लोगों ने अपनी जीवन शैली में मात्रात्मक पोषण और शारीरिक व्यायाम को शामिल करने की आवश्यकता को पहचाना है और वे अपने स्वास्थ्य के बारे में अधिक जागरूक और जागरूक हो रहे हैं और फिटनेस को अपने जीवन में एकीकृत करने के लिए विभिन्न विकल्पों की तलाश कर रहे हैं।

फिटनेस उद्योग के साथ ऑनलाइन विकास के लिए सबसे बड़ी छलांग और लगभग पूरी तरह से डिजिटल होने के साथ, फिटनेस विशेषज्ञों और पोषण विशेषज्ञों की आवश्यकता बढ़ गई है। मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, फिटनेस विशेषज्ञों ने भी खुद को वर्ल्ड वाइड वेब के शिल्प से लैस किया है और अपनी पेशकशों को ऑनलाइन में तेजी से संशोधित किया है। कुछ ही समय में, ऑनलाइन फिटनेस कोचिंग एक आकर्षक व्यवसाय और एक वैकल्पिक करियर विकल्प बन गया है, जिसमें कई लोग प्रमाणित प्रशिक्षक बनने के लिए आवेदन करते हैं और यहां तक कि ऑनलाइन फिटनेस पाठ्यक्रम लेकर विशेष फिटनेस प्रमाणपत्र भी अर्जित करते हैं।

डिजिटल फिटनेस उद्योग के फलने-फूलने का एक प्रमुख कारण यह है कि लोग अब घर पर अपने आरामदायक स्थान पर वर्कआउट करने के लाभों को समझते हैं। यह लगभग आपके घर पर आपके साथ आपका निजी प्रशिक्षक होने जैसा है :

● समय कोई समस्या नहीं है

यह बहाना कि 'मुझे काम के व्यस्त कार्यक्रम के कारण काम करने का समय नहीं मिलता' अब लागू नहीं है। पहले, जिम या स्टूडियो जाने और जाने में समय लगता था, जिससे दैनिक कसरत करना मुश्किल हो जाता था, अब कोई समस्या नहीं है! वर्चुअल वर्कआउट के साथ, आपको अपनी सुविधानुसार वर्कआउट करने का आराम मिलता है और इसलिए, अपनी दिनचर्या में एक स्वेट सेशन डालने का समय निकालें। तो, कोई और बहाना नहीं, आपको बस उन्हें पीछे छोड़ना है, कुछ आरामदायक कपड़े पहनना है, अपनी चटाई सेट करना है और अपना फिटनेस ऐप चालू करना है।

● एल एक आदर्श जिम खोजने में अब कोई परेशानी नहीं है

अपने स्वास्थ्य लक्ष्यों, बजट और निकटता के अनुकूल जिम खोजने की परेशानी अब कोई चुनौती नहीं है। वर्चुअल फिटनेस के साथ आपके पास अपने घर के आराम में एक जिम है! बस एक आरामदायक जगह ढूंढनी है, अपना स्मार्टफोन, लैपटॉप या टैबलेट, विकल्प रखना है और काम करना शुरू करना है। आप अपने वर्कआउट को अपने साथ बाहर, छुट्टी पर, किसी दोस्त के घर या अपने लिविंग रूम में भी ले जा सकते हैं।

● एल कोई सहकर्मी दबाव नहीं

जब आप स्टूडियो या जिम में फिटनेस कट्टरपंथियों के समूह के बीच व्यायाम करते हैं, खासकर शुरुआती लोगों के लिए, यह एक डराने वाला अनुभव हो सकता है। वस्तुतः काम करने से, उस दबाव का अधिकांश भाग समाप्त हो जाता है क्योंकि आप केवल अपने आप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं!

● एक समुदाय अनुशासन बनाने में मदद कर सकता है

विशेष रूप से शुरुआती लोगों के लिए अनुशासन खोजना बहुत महत्वपूर्ण है। एक बार जब आप अपनी दिनचर्या के साथ अनुशासित हो जाते हैं और आपको परिणाम दिखाई देने लगते हैं, तो प्रेरणा का पालन किया जाएगा। शुरुआत में अपने आप को स्नीकर्स लेस करने के लिए राजी करना और शरीर को हिलाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यहीं पर वर्चुअल ट्रेनर और समुदाय अनुशासन, जुनून, मार्गदर्शन और समर्थन उत्पन्न करने में मदद कर सकते हैं, जो आपके ड्राइव को बढ़ाएगा। ऐसे फिटनेस समुदाय आपके कसरत में अधिक निवेश करने में मदद करते हैं ताकि आपको अगले एक के लिए दिखाने की अधिक संभावना हो। मिशिगन विश्वविद्यालय के एक अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने काम किया है, वे वास्तव में अधिक प्रेरणा का प्रदर्शन करते हैं और अकेले काम करने वालों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

● वर्कआउट उबाऊ हैं? नहीं!

एक ही दिनचर्या और लगातार व्यायाम का पालन करना नीरस हो सकता है और आपकी रुचि कम कर सकता है। फिटनेस ऐतिहासिक रूप से एक प्रेरक प्रकाश रहा है, जो कुछ मामलों में अनुशासन, ध्यान और सौहार्द लाता है। एक बासी कसरत दिनचर्या पर काबू पाना आसान हो सकता है। आप व्यायाम बदल सकते हैं, व्यायाम क्रम बदल सकते हैं, या उस मांसपेशी लक्ष्यीकरण गतिविधि को संशोधित कर सकते हैं जिस पर आप काम कर रहे हैं या आपका लक्ष्य।

इसके अलावा, ज़ूम, यूट्यूब, फिटर और इंस्टाग्राम जैसे ऑनलाइन टूल और प्लेटफॉर्म ने पिछले अठारह महीनों में वर्चुअल फिटनेस समुदायों की एक लहर को तेजी से एकजुट किया है। लॉकडाउन ने लोगों को घर की फिटनेस दिनचर्या का समर्थन करने के लिए अपने रहने की जगह को अनुकूलित करने के लिए मजबूर किया, जिससे लोगों को नए समूह बनाने, परिवारों और प्रियजनों को फिटनेस सत्रों में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने की अनुमति मिली।

● एल योग्य प्रशिक्षकों के लिए आसान पहुंच

आपकी फिटनेस व्यवस्था को चाक-चौबंद करने में आपकी मदद करने के लिए पेशेवर मार्गदर्शन बहुत महत्वपूर्ण है। आभासी कार्यक्रमों के साथ, पोषण सेवन के अभ्यासों को आपके व्यक्तिगत प्रशिक्षकों द्वारा पूरी तरह से विस्तृत रूप से तैयार किया गया है ताकि आप अपने कसरत का अधिकतम लाभ उठा सकें।

फिटनेस उद्योग का भविष्य- भौतिक और डिजिटल का मिश्रण

ऑनलाइन फिटनेस कक्षाओं के उभरते चलन ने हमें यह भी महसूस कराया है कि किसी व्यक्ति को फिट रहने के लिए कहीं भी यात्रा करने की आवश्यकता नहीं है। कोई भी व्यक्ति दुनिया में कहीं भी व्यायाम कर सकता है और आपकी पसंदीदा फिटनेस व्यवस्था बस एक क्लिक दूर है। लेकिन क्या वर्कआउट सेशन की लाइव स्ट्रीमिंग में वृद्धि और होम वर्कआउट और फिटनेस ऐप की संख्या में लगातार बढ़ोतरी जिम जाने वाले लोगों के भविष्य को प्रभावित करेगी?

व्यक्तिगत रूप से, मुझे ऐसा होता नहीं दिख रहा है। मैं भविष्य को डिजिटल और भौतिक दोनों के मिश्रण के रूप में देखता हूं। यह इस बात का भी प्रमाण है कि कैसे फिटनेस के बारे में सामान्य सोच का विस्तार हुआ है। कसरत के अखाड़े और जिम के अलावा ऐसी जगहें हैं जहाँ लोग मिलते हैं, मेलजोल करते हैं और दोस्ती भी करते हैं। महामारी के बाद की दुनिया में, मैं देखता हूं कि लोग मिलना चाहते हैं - और जिम शुरू करने का एक शानदार तरीका है। हालांकि, जिम पैकेज शारीरिक रूप से जिम जाने, ऑनलाइन कक्षाओं और घर आने वाले एक निजी प्रशिक्षक का एक संयोजन होगा।

लेखक लूज़ फैट, गेट फिटर और फाउंडर के लेखिक और फिटर के सीईओ, व संस्थापक हैं।

ध्यान रखने योग्य चीजें

ऑनलाइन हेल्थ टिप्स और डाइट का पालन करते समय हमेशा सावधान रहना चाहिए। इनमें से अधिकांश युक्तियां जो ऑनलाइन साझा की जाती हैं, किसी विशेषज्ञ द्वारा सत्यापित नहीं की जाती हैं और आपके शरीर को अच्छे से अधिक नुकसान पहुंचा सकती हैं। विभिन्न व्यायाम और आहार के बारे में सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग वीडियो जो तुरंत और जल्दी से वजन कम करने में मदद करते हैं, उन्हें आपके व्यक्तिगत फिटनेस विशेषज्ञ द्वारा सत्यापित करने की आवश्यकता होती है और प्रमाणित फिटनेस विशेषज्ञों से परामर्श किए बिना इसका पालन नहीं किया जाना चाहिए।

अपनी फिटनेस यात्रा शुरू करने और फिट रहने का सबसे प्रभावी तरीका यह समझना है कि हर किसी का एक अनूठा शरीर होता है जो अलग तरह से कार्य करता है। एक फिटनेस टिप जो एक व्यक्ति के लिए चमत्कार कर सकती है वह किसी और के लिए भी काम नहीं कर सकती है। फिटनेस के मामले में ऐसा कोई जूता नहीं है जो सभी पर फिट बैठता हो। इस प्रकार, फिट और स्वस्थ रहने के लिए अपने शरीर की जरूरतों और जरूरतों को समझना अनिवार्य है।

व्यायाम के दौरान चोटों से बचने के लिए, एक नई फिटनेस व्यवस्था शुरू करने से पहले हमेशा प्रमाणित फिटनेस विशेषज्ञों से परामर्श लेना चाहिए। यदि आप अभी अपनी फिटनेस यात्रा शुरू कर रहे हैं-

- एल अपने वर्कआउट के आसपास वार्म अप और कूल डाउन करने के लिए पांच से दस मिनट का समय लें।
- एल धीरे-धीरे शुरू करने की योजना बनाएं और धीरे-धीरे तीव्रता और व्यायाम की अवधि बढ़ाएं।

यहां तक कि एक साधारण पुल-अप या आर्म ट्विस्ट या स्ट्रेचिंग भी आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है, अगर इसे सही तरीके से न किया जाए। यदि आपको पहले हड्डी या मांसपेशियों में चोट या कोई बड़ी सर्जरी हुई है, तो भविष्य में किसी भी नतीजे से बचने के लिए व्यायाम करने से पहले एक चिकित्सक से परामर्श करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा, अपने फिटनेस कोच या सलाहकार को अपनी पिछली सभी चोटों और सर्जरी के बारे में सूचित रखें ताकि किसी भी बड़ी समस्या से बचा जा सके।

अपनी ऊर्जा की रक्षा करें

मनोज श्रीवास्तव विस्तार से बता रहे हैं कि आधुनिक तकनीक के कारण होने वाले तनाव और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को कम करने में वास्तु कैसे मदद कर सकती है

आधुनिक दुनिया में, तनाव अक्सर आपके पेशेवर जीवन का पर्याय बन जाता है। आमतौर पर, इस हिस्से को कार्यालय में काम करने, मालिकों व सहकर्मियों के साथ काम करने के साथ-साथ उत्पादक होने के लिए आरोपित किया जाता है। अंततोगत्वा, घर वो जगह है जहां आप दैनिक झंझट से परे होते हैं और राहत प्राप्त करते हैं। हालांकि, घर का भी अपना विशेष तनाव होता है जैसे जीवनसाथी, माता-पिता और बच्चों की अपेक्षाओं को पूरा करना। इन सबसे ऊपर, आधुनिक तकनीक के कारण घर और कार्यालय दोनों में अपरिहार्य अदृश्य ऊर्जाएं होती हैं जो तनाव को बढ़ाती हैं। यह एक भगोड़ा प्रभाव पैदा करता है जब तनाव नियंत्रण से बाहर हो जाता है और परिणामस्वरूप आप पस्त हो जाते हैं। यही कारण है कि अपने स्थान और समय दोनों का प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है।

हम में से अधिकांश लोग आधुनिक जीवन की इलेक्ट्रॉनिक सुविधाओं के आदी हैं। लेकिन हम में से बहुत कम लोग ऐसे उपकरणों द्वारा प्रस्तुत संभावित स्वास्थ्य जोखिमों से अवगत होते हैं जो हमारी दुनिया को कामकाजी बनाते हैं। हम घर या ऑफिस में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन से घिरे रहते हैं। विद्युत चुम्बकीय आवृत्तियां समस्त इलेक्ट्रॉनिक और विद्युत उपकरणों द्वारा उत्पन्न होती हैं। मोबाइल फोन, वाई-फाई राउटर, माइक्रोवेव ओवन, लैपटॉप, टेलीविजन, कॉर्डलेस फोन कुछ ऐसे उपकरण हैं जो अब हर भारतीय घर में आम मौजूद हैं और जब तक वे चालू रहते हैं तब तक ईएमएफ विकिरण उत्पन्न करते हैं। कार्यालयों में, सर्वर, यूपीएस, वाई-फाई एक्सेस प्वाइंट और मोबाइल टावर उच्च ईएमएफ विकिरण के महान स्रोत हैं जिनसे हम लगातार घिरे होते हैं।

सभी सूक्ष्म ऊर्जाएं, चाहे वह वास्तु की ऊर्जा हो या विद्युत चुम्बकीय विकिरण की ऊर्जा, दोनों हमारे मन और शरीर पर गहरा और दीर्घकालिक प्रभाव डालती हैं। एक ओर जहां ध्वनि, प्रकाश और वायु जैसी स्थूल ऊर्जा का तीव्र और अस्थायी प्रभाव होता है, वहीं सूक्ष्म ऊर्जाओं का जटिल और दीर्घकालिक प्रभाव होता है। हालांकि वास्तु ऊर्जा अच्छी और बुरी हो सकती है, जो कि अलग-अलग दिशाओं में और भागों में, भवन के डिजाइन के आधार पर निर्भर है, मगर ईएमएफऊर्जा सभी जगहों पर समान रूप से खराब होती है।

इन ईएमएफ विकिरणों के संपर्क में आने पर, अलग-अलग लोगों में उनकी जीवन शक्ति और संरचना के आधार पर अलग-अलग लक्षण होते हैं। सबसे प्रमुख लक्षण नींद में खलल, चिंता, धड़कन, सिरदर्द, सुस्ती, टिनिटस (कान में बजना), और मतली है। अधिकांश लोग इन अधिकांश रोगों को उच्च तनाव के रूप में परिभाषित कर सकते हैं। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने उन लोगों के लिए एक नया शब्द गढ़ा है जो ईएमएफ विकिरण के प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील हैं - विद्युत चुम्बकीय अतिसंवेदनशीलता। लंबे समय तक घिरे होने के परिणामस्वरूप कम प्रतिरक्षा, प्रजनन और प्रजनन संबंधी समस्याएं, ऑटो-प्रतिरक्षा रोग और कुछ घातक बीमारियां हो सकती हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई ने 2010 में भारत सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी जिसमें मोबाइल टावर विकिरण के प्रभाव पर प्रकाश डाला गया और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) ने निवासियों व श्रमिकों पर ईएमएफ के प्रभाव को कम करने के लिए प्रोटोकॉल और डिजाइन दिशानिर्देशों को भी परिभाषित किया है। और ये दोनों दस्तावेज इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध हैं।

ये विकिरण आधुनिक तकनीक के कारण होते हैं और इन उपकरणों के उपयोग को रोकना व्यावहारिक नहीं है। इन दिनों हमारी दक्षता इन उपकरणों के उपयोग पर निर्भर करती है। यहां तक कि अगर आप उनका उपयोग करना बंद कर देते हैं, तब भी आप लगातार मोबाइल टॉवर विकिरणों, माइक्रोवेव और रेडियो टावरों से रेडियो-आवृत्ति तरंगों और कुछ मामलों में पड़ोसी के वाई-फाई राउटर के संपर्क में रहेंगे।

चूंकि इन विकिरणों से बचना संभव नहीं है, इसलिए लेखक इन उपकरण के उपयोग में विवेक का सुझाव देता है। उदाहरण के लिए, आप अपने मोबाइल हैंडसेट को अपने सोने के स्थान से सात फीट से अधिक दूर रखें, और अपने बेडरूम में वाई-फाई राउटर या टेलीविजन सेट स्थापित नहीं करें। यदि टेलीविजन सेट पहले से ही बेडरूम में स्थापित है, और किसी कारण से, आप इसे कहीं और स्थानांतरित नहीं कर सकते हैं, तो आपको सोने से पहले टीवी को मेन से बंद कर देना चाहिए, न कि रिमोट से। माइक्रोवेव ओवन चालू होने पर उसके पास न रहें। उससे कम से कम 10 फीट या इससे ज्यादा की दूरी बनाकर रखें। लैपटॉप को अपनी गोद में रखकर उसे संचालित न करें। अपने बेडसाइड पर पुराने अच्छे लैंडलाइन फोन पर अपनी कॉल को हस्तांतरित करके रात के दौरान मोबाइल फोन और वायरलेस राउटर को बंद करने का प्रयास करें।

यदि आप विद्युत चुम्बकीय विकिरण के प्रति अति संवेदनशील हैं, तो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अवरोधकारी पेंट उपलब्ध हैं, जिन्हें भवन की बाहरी दीवारों पर लगाया जा सकता है ताकि मोबाइल टॉवर विकिरणों को भवन में प्रवेश करने से रोका जा सके, लेकिन नुकसान यह है कि भवन के अंदर मोबाइल सिग्नल कमजोर हो जाते हैं, जिससे नेटवर्क कमजोर होने से कनेक्टिविटी की समस्या होती है और काम करने के आधुनिक तरीके में यह अस्वीकार्य हो सकता है।

आधुनिक वास्तु विशेषज्ञों के पास इन विकिरणों के प्रभाव को बेअसर करने का एक और तरीका है। घर में रहने वालों पर इन विकिरणों के प्रभाव में सामंजस्य स्थापित करने के लिए भवन में रणनीतिक स्थानों पर विशिष्ट सामग्री, कोण और ज्यामितीय आकार स्थापित किए जा सकते हैं।

विद्युत चुम्बकीय विकिरण के प्रति आपकी संवेदनशीलता के बावजूद, हम सभी लगातार उनके संपर्क में हैं, खासकर शहरों में और वे हमारे मानस और शरीर की ऊर्जा को एक या दूसरे स्तर पर प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे में कुछ सावधानियां और वास्तु सुधार निश्चित रूप से इसके नकारात्मक प्रभाव को कम करेंगे।

(लेखक 20 साल से अधिक का कॉर्पोरेट नेतृत्व संबंधी तजुर्बा रखने वाले वास्तु आचार्य हैं।)